@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 31 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 81 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

इस्तीफे के दबाव के बीच बढ़ी मुंडे की मुश्किलें

मुंबई, 30 जनवरी। महाराष्ट्र के बीड में जबरन वसूली के चलते हुई सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर जिले का पारा गरम है। इस मामले में धनंजय मुंडे पर लगातार मंत्री पद से इस्तीफा देने का दबाव है। इस बीच, भाजपा विधायक सुरेश धस ने उन पर 73.36 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाकर उनकी मुश्किलें और अधिक बढ़ा दी है। गुरुवार को सुरेश धस ने कहा कि शिंदे सरकार में बीड जिले के संरक्षक मंत्री थे तब उनकी निगरानी में 73.36 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई और फर्जी बिलों के जरिए धन निकासी की गई। धस का दावा है कि जिला परिषद और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंताओं द्वारा नियमित अंतराल पर 30 दिसंबर 2021 से 31 मार्च 2022 के बीच फर्जी बिलों के जरिए धनराशि निकाली गई। धस ने बीड में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने जिला योजना और विकास परिषद की बैठक में वर्तमान संरक्षक मंत्री अजित पवार के सामने यह मामला उठाया। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने मुझसे एक लिखित शिकायत जमा करने के लिए कहा। मैंने उनके निजी सहायक को बुधवार को ही धनराशि निकालने के संबंध में दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं। अब, मैं पवार के निर्देशानुसार लिखित शिकायत जमा करूंगा। धस ने दावा किया कि उनके द्वारा फर्जी बिलों का मुद्दा उठाने के बाद बीड में कम से कम 500 लोग कोमा में चले गए हैं। विधायक का आरोप है कि फर्जी बिल के जरिए 73.36 करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि 37.70 करोड़ रुपये बिना कोई काम किए निकाले गए। वहीं, बृहस्पतिवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रंगदारी के बढ़ते मामले में कार्यकर्ताओं को सख्त हिदायत दी है कि वे जबरन वसूली के मामले से दूर रहें। अजित पवार की यह टिप्पणी मंत्री धनंजय मुंडे को अप्रत्यक्ष चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार बीड जिले के संरक्षक मंत्री बनने के बाद पहली बार जिला नियोजन समिति की बैठक में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान वे एनसीपी कार्यकर्ताओं से भी मिले। उपमुख्यमंत्री ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि विकास कार्यों में किसी भी तरह का राजनीतिक हस्तक्षेप बर्दास्त नहीं किया जाएगा। अगर, कोई जबरन वसूली में लिप्त पाया जाता है या इस तरह की किसी गतिविधियों शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी जिसमें मकोका के तहत कठोर सजा भी शामिल है। अजित पवार का यह बयान मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के संदर्भ में है जिसमें मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार देशमुख की हत्या एक पवन चक्की कंपनी से जबरन वसूली को लेकर हुई थी।

राष्ट्रपति मुर्मू-प्रधानमंत्री मोदी ने दी बापू को श्रद्धांजलि

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 30 जनवरी। महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथी पर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई दिग्गज नेताओं ने बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुर्मू ने गांधी की समाधि राजघाट पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और मनोहर लाल खट्टर समेत अन्य नेताओं ने भी गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही बापू की याद में दो मिनट का मौन भी रखा गया। महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथी पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि गांधी के आदर्श हमें एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही उन्होंने अपने देश के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने बापू की 77वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर लिखा कि गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। उन्होंने आगे लिखा कि सत्य, अहिंसा और निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती हैं ङ्क पूरा विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। राष्ट्रपिता, महात्मा, हमारे बापू को उनके शहीद दिवस पर शत-शत नमन। गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। सत्य, अहिंसा और निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती हैं ङ्क पूरा विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। महात्मा गांधी की पुण्यतिथी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बापू को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आप मुझे बेड़ियों से जकड़ सकते हैं, यातना दे सकते हैं, आप इस शरीर को ख़त्म भी कर सकते हैं, लेकिन आप मेरे विचारों को क़ैद नहीं कर सकते। महात्मा गांधी बलिदान दिवस पर बापू को विनम्र श्रद्धांजलि। आप मुझे बेड़ियों से जकड़ सकते हैं, यातना दे सकते हैं, आप इस शरीर को ख़त्म भी कर सकते हैं, लेकिन आप मेरे विचारों को क़ैद नहीं कर सकते। महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बापू को याद किया। उन्होंने राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि दी। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें मेरी श्रद्धांजलि। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत, जो हमारे सभ्यतागत मूल्य और संस्कृति से प्रेरित थे, न केवल हमारी स्वतंत्रता संग्राम को मार्गदर्शन देते थे, बल्कि उन्होंने दुनिया भर में मानवीय गरिमा, आत्मनिर्णय और स्वतंत्रता के लिए भी कई आंदोलनों को प्रेरित किया। गांधी जी का स्वदेशी और ग्राम स्वराज का विचार आज भी हमारे समय में बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी अनमोल शिक्षाएं और सिद्धांत भारत को लगातार प्रगति, विकास और एकता की दिशा में आगे बढ़ाते रहें।

शहरी नियोजन की विफलता और प्रदूषण जीबीएस के बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार: सुप्रिया सुले

कौमी संवाददाता

मुंबई, 30 जनवरी। महाराष्ट्र के पुणे और उसके आस-पास के इलाकों में गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के बढ़ते ममले राज्य सरकार के लिए चिंता का विषय है। इसी बीच शरद पवार गुट की एनसीपी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने जीबीएस के बढ़ते मामले के लिए पुणे नगर निगम की विफलता पर जोर देते हुए प्रशासन की आलोचना की। बता दें कि जीबीएस एक दुर्लभ बीमारी के तौर पर सामने आई है, जो अचानक सुन्नता, मांसपेशियों की कमजोरी और अंगों में गंभीर कमजोरी जैसी समस्याएं पैदा करती है। उन्होंने कहा कि शहर में गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के बढ़ते मामलों के लिए शहरी नियोजन की विफलता और बढ़ते प्रदूषण जिम्मेदार है। साथ ही सुले ने जीबीएस को एक दुर्लभ बीमारी बताते हुए इसके फैलने के पीछे वैज्ञानिक कारणों का पता लगाने की आवश्यकता पर

जोर दिया। बता दें कि बुधवार तक राज्य में 127 संदिग्ध जीबीएस के मरीज पाए गए हैं। वहीं पुणे में एक 56 वर्षीय महिला और सोलापुर में एक 40 वर्षीय व्यक्ति की जीबीएस से मौत भी हो गई है। लोकसभा सदस्य सुले ने महाराष्ट्र सरकार से जीबीएस के मरीजों का सारा चिकित्सा खर्च सरकार देने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि निराधार प्रबंधन के कारण यह बीमारी फैल रही है। सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि इस समस्या को लेकर वे पुणे नगर निगम और राज्य सरकार को पत्र लिखेंगी। उन्होंने कहा कि जीबीएस का फैलाव शहरी नियोजन की विफलता का परिणाम है और प्रदूषण के कारण बीमारियों में वृद्धि हो रही है, इसलिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। साथ ही सुले ने नगर निगम द्वारा बुनियादी ढांचे की कमी के बावजूद नई इमारतों और परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने की भी आलोचना की। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पुणे जिले में बारामती का प्रतिनिधित्व करने वाली सांसद सुले पुणे के सिंहगढ़ रोड क्षेत्र के नांदेड़ गांव स्थित एक कुएं का दौरा करने गईं, जहां से दूषित पानी की आपूर्ति होने का संदेह जताया जा रहा है। साथ ही इसी दूषित जल को जीबीएस के मामलों में वृद्धि का कारण भी बताया जा रहा है। एनसीपी (एसपी) के कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि जीबीएस के बढ़ते मामलों के पीछे वैज्ञानिक कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नदियां और बांध प्रदूषित हो रहे हैं और सरकार को इन मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही सुले ने यह भी कहा कि हालांकि हम विपक्ष में हैं, लेकिन हम इन मुद्दों पर सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह आरोप लगाया कि आम लोगों को सिर्फ सरकार की निराधार नीतियों के कारण परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

सेवानिवृत सैनिकों की पेंशन के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार

नई दिल्ली, 30 जनवरी। सर्वोच्च अदालत ने गुरुवार को सेना के सेवानिवृत कर्मियों की पेंशन के मुद्दे पर केंद्र सरकार को फटकार लगाई। साथ ही अदालत ने केंद्र से रिटार्यड सैनिकों की पेंशन के मुद्दे पर नीति बनाने का निर्देश दिया। सशस्त्र बल ट्रिब्यूनल ने सेवानिवृत रेडियो फिटर को दिव्यांगता पेंशन देने का आदेश दिया था। ट्रिब्यूनल के इस आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के इस कदम के प्रति नाराजगी जाहिर की। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइंया की पीठ ने कहा कि सेना के एक जवान ने 15-20 साल सेना में सेवा दी और सशस्त्र बल ट्रिब्यूनल ने उन्हें पेंशन देने का आदेश दिया था। फिर इन लोगों को सुप्रीम कोर्ट में क्यों खींचा गया? सरकार को इस मामले में व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। पीठ ने कहा कि हमारा ऐसा मानना है कि केंद्र सरकार को ऐसी नीति बनानी चाहिए, जिसमें सशस्त्र बलों के जवानों को सुप्रीम कोर्ट में खींचने की समीक्षा हो सके। पीठ ने कहा कि इस तरह से सैनिकों के हौसलों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सुरजागढ़ खदान आगजनी मामले में सुनवाई अगले हफ्ते के लिए टाल दी है। यह सुनवाई वकील सुरेंद्र गाडलिंग की याचिका पर होगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की तरफ से पेश होने वाले एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे की अनुपस्थिति के चलते मामले की सुनवाई अगले हफ्ते के लिए टाल दी।

बजट सत्र में विपक्ष उठा सकता है महाकुंभ भगदड़ का मुद्दा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 30 जनवरी। संसद का बजट सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है, लेकिन इसकी शुरुआत हंगामेदार हो सकती है। विपक्षी दल प्रयागराज में महाकुंभ मेले में हुई भगदड़, जिसमें 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी, को लेकर सरकार पर निशाना साधने की तैयारी में हैं। वहीं संसद सत्र से पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने सरकार पर संसदीय समितियों का राजनीतिकरण करने और अपने बहुमत का इस्तेमाल कर जबरन अपना एजेंडा लागू करने का आरोप लगाया। शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा और राज्यसभा में अलग-अलग आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी। वहीं शनिवार एक फरवरी को वित्तमंत्री लगातार आठवीं बार केंद्रीय बजट पेश करेंगी। गुरुवार को सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने महाकुंभ मेले में अव्यवस्था और वीआईपी संस्कृति पर आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता की अनदेखी कर केवल वीआईपी लोगों को विशेष सुविधाएं दे रही है। कांग्रेस के लोकसभा उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि विपक्ष ने संसद की कार्यवाही में पक्षपातपूर्ण रवैये पर चिंता जताई है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने यह भी सवाल उठाया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के लिए दिन तय करने की घोषणा व्यवसाय सलाहकार समिति की बैठक से पहले ही क्यों कर दी गई। वहीं तमाम विपक्षी दलों की तरफ से लगाए गए आरोपों पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि व्यवसाय सलाहकार समिति ही तय करेगी कि कौन-कौन से मुद्दे चर्चा के लिए लिए जाएंगे। उन्होंने सभी दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि हम एक रचनात्मक और प्रभावी बजट सत्र की उम्मीद करते हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश, के सुरेश, गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय और डेरेक ओ ब्रायन, आरएसपी नेता एनके प्रेमचंद्रन, बीजेडी नेता सस्मित पात्रा, डीएमके नेता टीआर बालू, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव, जेएमएम नेता महुआ माजी और एनसीपी-एसपी नेता फौजिया खान समेत अन्य नेता शामिल हुए। बजट सत्र का पहला भाग 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा, जिसके बाद बजट प्रस्तावों की समीक्षा के लिए अवकाश होगा। वहीं बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च से 4 अप्रैल तक चलेगा। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने फैसला किया है कि वे सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को एक साथ संसद में उठाएंगे।

मनोज जरांगे ने खत्म की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

तेजिन्दर कौर बब्बर

जालना, 30 जनवरी। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने गुरुवार को पांच दिनों के विरोध प्रदर्शन के बाद अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने दावा किया कि सरकारी प्रतिनिधियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी कई मांगें मान ली जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो मराठा समुदाय के सदस्य मुंबई तक मार्च करेंगे। सरकारी नौकरियों और शिक्षा में समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे कार्यकर्ता ने भाजपा विधायक सुरेश धास और जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पंचाल की मौजूदगी में महाराष्ट्र के जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में अपनी भूख हड़ताल खत्म की। जरांगे ने पत्रकारों से कहा कि सरकारी प्रतिनिधियों ने उनसे वादा किया है कि शिंदे समिति को फिर से सक्रिय करने समेत उनकी कई मांगें पूरी की जाएंगी। उन्होंने कहा, सरकार ने आश्वासन दिया है कि मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सभी मामले वापस लिए जाएंगे, जबकि समुदाय के सदस्यों के लिए कुनबी प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अलग से अनुभाग स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मराठों के लिए आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के प्रावधानों को भी लागू किया जाएगा, जबकि आरक्षण आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले समुदाय के सदस्यों को मुआवजा दिया जाएगा। हालांकि, जरांगे ने कहा कि सरकार ने मसौदा अधिसूचना को लागू

करने के लिए और समय मांगा है, जो कुनबी को मराठा समुदाय के सदस्यों के ऋषि सोयारे (रक्त संबंधी) के रूप में मान्यता देता है, ताकि उन्हें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी के तहत आरक्षण दिया जा सके। मराठों को ओबीसी प्रमाण पत्र जारी करने की पद्धति निर्धारित करने और उनके सदस्यों को कुनबी समुदाय का हिस्सा साबित करने के लिए सबूत इकट्ठा करने के लिए 7 सितंबर, 2023 को शिंदे समिति का गठन किया गया था। मनोज जरांगे के साथ अनशन कर रहे सैकड़ों मराठा प्रदर्शनकारियों ने भी अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी। अपने पांच दिवसीय विरोध प्रदर्शन के दौरान, उनमें से कई को स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अपनी लड़ाई को खत्म होने से बहुत दूर बताते हुए जरांगे ने अपने समर्थकों से कहा, मैंने केवल अपना अनशन स्थगित किया है, अपना संघर्ष नहीं। अगर हमारी मांगें पूरी नहीं हुईं तो हम मुंबई तक मार्च करेंगे। तब मुंबई ठप हो जाएगी। हालांकि, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि शहर को कोई नुकसान न पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मराठा समुदाय से किए गए वादों को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मराठियों को धोखा मत दीजिए, नहीं तो हम मुंबई चले जाएंगे। 1 सितंबर, 2023 को पुलिस ने अंतरवाली सरती में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था, उसके बाद से यह उनका सातवां अनिश्चितकालीन अनशन है। फरवरी 2024 में, महाराष्ट्र विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया, जिसमें एक अलग श्रेणी के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 30 जनवरी। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक संबंधी संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के कामकाज के तरीके को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। समितियों के कामकाज के तरीकों लेकर विपक्षी नेताओं ने सर्वदलीय बैठक में अपना विरोध दर्ज कराया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप भी लगाया कि वर्तमान सरकार में संसदीय समितियां महज एक दिखावा बनकर रह गई हैं। सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि संसद सत्र शुरू होने से पहले पारंपरिक रूप से होने वाली सर्वदलीय बैठक में आज सुबह सभी विपक्षी नेताओं ने वक्फ संशोधन विधेयक संबंधी जेपीसी के कामकाज के तरीके पर कड़े शब्दों में अपना विरोध व्यक्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया, सभी संसदीय परंपराओं और प्रथाओं का पूरी तरह से मजाक बना दिया गया है। ऐसी समितियां एक ताकत हुआ करती थीं। अब वे महज एक दिखावा बनकर रह गई हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने समिति की रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी।

यमुना का नहीं दिल्ली का पानी पीकर दिखाएं: राहुल गांधी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 30 जनवरी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल जोर-शोर से प्रचार से लेकर रोड शो और जनसभाएं कर रहे हैं। इसी बीच गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली के बादली इलाके में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी भाजपा और आम आदमी पार्टी पर जमकर बरसे। राहुल गांधी ने कहा कि ये लोग नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। हमने मोहब्बत की दुकान खोली। इन लोगों ने 400 पार की बात की। कांग्रेस पार्टी एक विचारधारा की लड़ाई से लड़ रही है। ये देश भाईचारे का देश है। मोदी जी नफरत क्यों फैलाते हैं। क्योंकि वह जानते हैं कि देश की जनता एक दूसरे से लड़े और कमजोर हो जाए। आगे कहा कि दिल्ली में जो आप आज देख रहे हैं। चाहे महंगाई हो, बेरोजगारी हो, पानी हो या गंदगी हो। कभी मीडिया ने आपको इसके बारे में बताया है। जनसभा में राहुल गांधी ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधाते हुए कहा कि मुझे आज भी याद है ये बिजली के खंभे पर चढ़ गए थे। छोटी गाड़ी में घुमते थे। आज शीशमहल में रहते हैं। जिस व्यक्ति ने कहा था मैं दिल्ली को साफ करूंगा। यमुना में स्नान करूंगा, यमुना का पानी पीकर दिखाऊंगा। दिल्ली में शराब का सबसे बड़ा घोटाला किया। ये सोचते हैं कि देश नहीं समझता है, देश नहीं जानता है। देश जानता है कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने दिल्ली में बड़ा भ्रष्टाचार किया है। मैं केजरीवाल को चैलेंज देता हूं कि यमुना का पानी छोड़िए... यहां जो पानी मिल

रहा है आप उसे ही पीकर देखिए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली के बादली इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल 5 साल पहले यमुना का पानी पीने की बात कर रहे थे। लेकिन आज वह यमुना के पानी की बोतल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। वह एक के बाद एक झूठ बोलते हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जहांगीरपुरी में हुई जनसभा के दौरान कहा कि मैं आपको स्पष्ट रूप से बता दूं कि जब केजरीवाल आए तो मैंने शुरुआत में इन्हें ऑब्जर्व किया। मुझे समझ आया कि केजरीवाल भी नरेंद्र मोदी की तरह एंटी रिजर्वेशन और एंटी दलित हैं। जहांगीरपुरी रैली में राहुल गांधी ने कहा कि मैं कुछ दिन पहले दिल्ली के एम्स गया था। वहां देश के अलग-अलग कोने से लोग इलाज के लिए आए थे। वे लोग भी दलित, पिछड़े, आदिवासी वर्ग से थे। आपको मनरेगा में भी इसी वर्ग के लोग दिखेंगे। देश की संस्थाओं में, एजुकेशन, ब्यूरोक्रेसी और हेल्थकेयर सिस्टम में इन 2-3त्न लोगों को बैठा दिया जाता है। मगर पावर इनमें से किसी को नहीं दी जाती है। आगे कहा कि लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर हमें 400 सीटें मिल गई, तो हम अंबेडकर जी के संविधान को बदल देंगे। वहीं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि देश को आजादी 15 अगस्त 1947 को नहीं मिली। देश में आजादी नरेंद्र मोदी लेकर आए हैं। इसका साफ मतलब है कि ये लोग देश के संविधान को नहीं मानते हैं। बल्कि ये लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं। संविधान में साफ लिखा है कि देश में सभी लोग एक समान हैं। ये मोहब्बत और भाईचारे का देश है। लेकिन नरेंद्र मोदी देश में नफरत फैलाकर आपको एक दूसरे से लड़ाना चाहते हैं और आपका ध्यान भटकाकर, आपकी संपत्ति अडानी जैसे लोगों को सौंप देना चाहते हैं।

राजनीतिक हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेंगे: अजित पवार

मुंबई, 30 जनवरी। महाराष्ट्र के बीड जिले में जबरन वसूली मामले में हुई सरपंच देशमुख की हत्या ने राज्यभर की राजनीति को गर्म कर रखा है। इसी बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को बीड जिला का दौरा किया। जहां एनसीपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे विकास परियोजनाओं में जबरन वसूली के प्रयासों में शामिल न हों और हमेशा स्वच्छ चरित्र बनाए रखें। बता दें कि अजित पवार के ये बयान भी सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले के संदर्भ में आया, जिसमें एनसीपी के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को गिरफ्तार किया गया था। पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रशासन में किसी भी तरह का राजनीतिक हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और किसी को भी विकास कार्यों में जबरन वसूली करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उन्हें इस तरह की गतिविधियों के बारे में पता चलता है, तो वे कड़ी कार्रवाई करेंगे, जिसमें मकोका के तहत कठोर सजा भी शामिल होगी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि कोई सार्वजनिक जगह पर हथियार लहराता हुआ पाया गया तो उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलाव लाने के लिए कानून सबके लिए समान होना चाहिए। साथ ही बीड जिले के विकास के बारे में पवार ने कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र

में आने वाले मामलों पर निर्णय लेंगे और मुख्यमंत्री के साथ मिलकर उन मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिन पर उनका अधिकार नहीं है। पवार ने बताया कि वे जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों से सलाह भी लेंगे। गौरतलब है कि सरपंच संतोष देशमुख की हत्या 9 दिसंबर कर दी गई थी, जब उन्होंने बीड में एक पवनचक्की कंपनी से जबरन वसूली रोकने की कोशिश की थी। हत्या में एनसीपी के पूर्व तहसील प्रमुख विष्णु चाटे सहित सात लोग गिरफ्तार किए गए हैं।

फिलीपींस के चाइनाटाउन में आग लगने से दो लोगों की मौत

एजेंसी

मनीला। चीनी नव वर्ष के मौके पर तड़के फिलीपींस के चाइनाटाउन में एक कॉन्डोमिनियम इमारत में आग लगने के बाद दो लोगों की आग में झुलसने से मौत हो गई। अग्नि सुरक्षा ब्यूरो ने यह जानकारी दी। ब्यूरो ने कहा कि आग मनीला शहर के बिनोंडो जिले में बुधवार स्थानीय समयानुसार सुबह 3:41 बजे 56 मंजिला कॉन्डोमिनियम की 35वीं मंजिल पर लगी। ब्यूरो ने बताया कि पीड़ित महिलाएं गृह परिचारिकाएं थीं और वे घटना के समय कमरे में सो रही थीं। छह अन्य निवासी जलती हुई इकाई से बाहर निकलने में कामयाब रहे। अग्निशमनकर्मी उन पीड़ितों को बचाने में विफल रहे, जो दुर्घटना के दौरान गहरी नींद में सो रही थीं। अग्निशमन कर्मियों ने एक घंटे से भी कम समय में आग पर काबू पा लिया, जिससे इसे अन्य इकाइयों में फैलने से रोका जा सका। अग्निशमन कर्मी कथित तौर पर आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

अफ़ग़ानिस्तान में 10 नागरिकों की गोली मारकर हत्या

खोस्त (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत खोस्त में मंगलवार रात अज्ञात हथियारबंद लोगों ने 10 नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता मुस्तगफर गरबाज़ ने यह जानकारी दी। यह भीषण घटना रात अली शिर जिले में हुई, जब अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक घर में घुसकर गोलीबारी की, जिसमें आठ महिलाओं और बच्चों सहित 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। श्री गरबाज़ ने कहा कि इन हत्याओं के पीछे के लोगों को गिरफ्तार करने और न्याय के कठघरे में लाने के प्रयास जारी हैं।

रूस ने परमाणु संयंत्र पर यूक्रेनी ड्रोन हमले को किया विफल

मास्को। रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के प्रयास के दौरान एक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया है। क्षेत्रीय गवर्नर वसीली अनोखिन ने यह अनोखिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कई नागरिक स्थलों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला हुआ है। एक ड्रोन को परमाणु ऊर्जा सुविधा पर हमला करने के प्रयास के दौरान गिराया गया।

रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने 104 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने कुर्स्क, ब्रांस्क, स्मोलेंस्क, ट्वेर, बेलगोरोड, निज़नी नोवगोरोड, कलुगा, रोस्तोव और लेनिनग्राद क्षेत्रों में बीती रात को 104 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, पिछली रात के दौरान, वायु रक्षा प्रणालियों ने 104 यूक्रेनी मानव रहित हवाई वाहनों को रोका और नष्ट कर दिया, कुर्स्क क्षेत्र में 47, ब्रांस्क क्षेत्र में 27, स्मोलेंस्क क्षेत्र में 11, ट्वेर क्षेत्र में सात, बेलगोरोड क्षेत्र में चार, निज़नी नोवगोरोड क्षेत्र में तीन, कलुगा क्षेत्र में तीन, रोस्तोव क्षेत्र में एक और लेनिनग्राद क्षेत्र में एक ड्रोन नष्ट किया गया।

जयंशकर ने दुबई के क्राउन प्रिंस से मुलाकात की

एजेंसी

अबू धाबी/नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा पर गए विदेश मंत्री डा0 एस जयशंकर ने दुबई के क्राउन प्रिंस और उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से इस वर्ष अप्रैल में भारत आने का निमंत्रण दिया। दुबई के क्राउन प्रिंस के कार्यालय से जारी बयान के अनुसार 'शेख हमदान को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से इस वर्ष अप्रैल में देश आने का आधिकारिक निमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने आज एचएच शेख हमदान के साथ बैठक के दौरान दिया।' बयान में कहा गया 'डॉ. जयशंकर और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए एचएच शेख हमदान ने आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और विकासात्मक क्षेत्रों में यूएई और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंधों में निहित मजबूत संबंधों की पुष्टि की।

उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति एचएच शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और भारत के प्रधानमंत्री महामहिम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यूएई-भारत संबंधों के निरंतर विकास पर भी प्रकाश डाला। बयान में कहा गया कि 'बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने अपने बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों की खोज की जिसमें दोनों देशों की भविष्य की आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चाओं में व्यापार प्रवाह और निवेश के अवसरों को बढ़ाने के लिए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) का और अधिक लाभ उठाकर आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया गया।' विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के डीपीएम और रक्षा मंत्री एचएच हमदानमोहम्मद से मिलकर खुशी हुई। 'दोस्ती के हमारे गहरे बंधनों और हमारे लोगों की भलाई के लिए उन्हें आगे बढ़ाने पर गर्मजोशी से बातचीत हुई।' यूएई के रक्षा मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'आज मैंने भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर से मुलाकात की ताकि यूएई-भारत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जा सके। उन्होंने कहा कि मुझे भारत के प्रधानमंत्री से अप्रैल में देश का दौरा करने का निमंत्रण मिलने पर खुशी हुई। हमारे नेतृत्व द्वारा निर्देशित हमारे देशों के बीच स्थायी संबंधों ने यूएई-भारत संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने पोस्ट में कहा 'हमारी साझेदारी द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में कार्य करती है जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता में योगदान देती है।

इराक में नौ ड्रग डीलरों को मृत्युदंड

एजेंसी

बगदाद। इराक की अदालत ने नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में नौ ड्रग डीलरों को मौत की सजा सुनायी।सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल के बयान के मुताबिक सेंट्रल क्रिमिनल कोर्ट ने विभिन्न प्रकार के 186 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किये जाने के बाद नौ ड्रग डीलरों को फांसी की सजा देने का फैसला सुनाया। वर्ष 2003 में अमेरिकी हमले के बाद इराक में व्याप्त अराजकता और संघर्ष के कारण नशीले पदार्थों के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने में इराकी सरकारों के समक्ष बाधाएं आयी। मई 2023 में इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने 'नशीले पदार्थ पर युद्ध' छेड़ने को अनिवार्य बताते हुए कहा था कि ड्रग डीलिंग आतंकवाद को वित्तपोषित करने के मुख्य तरीकों में से एक है और इसी आतंकवाद की छाया में नशीले पदार्थों प्रचलन फल-फूल रहा है।

अमेरिका में सैन्य हेलीकॉप्टर से टक्कर के बाद 64 लोगों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ा विमान हादसा हुआ है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के अनुसार राजधानी के जेट रीगन हवाई अड्डे के पास एक ब्लैक हॉक सैन्य हेलीकॉप्टर से यात्री विमान टकरा गया है। 64 लोगों को ले जा रहा अमेरिकन एयरलाइंस का यह जेट दुर्घटनाग्रस्त होकर पोटोमैक नदी में गिर गया। इसमें 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य शामिल हैं। हादसे के बाद जेट रीगन हवाई अड्डे को बंद कर दिया है। सैन्य हेलीकॉप्टर में तीन लोग सवार थे। यूएसए टुडे समाचार पत्र की खबर के अनुसार, यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। अधिकारियों ने कहा, पोटोमैक नदी में बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बयान में कहा कि पीएसए एयरलाइंस बॉम्बार्डियर

सीआरजे700 क्षेत्रीय जेट सिकोरस्की एच-60 हेलीकॉप्टर के साथ हवा में टकरा गया। यह यात्री विमान विचिटा (कंसास) से रवाना हुआ था। रीगन नेशनल एयरपोर्ट ने बयान में कहा कि सभी टेकऑफ और लैंडिंग रोक दी गई हैं। एक्स पर डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया फायर एंड इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज डिपार्टमेंट ने कहा कि विमान पोटोमैक नदी में गिरा है। फायरबोट नदी में हैं। फिलहाल हताहतों की संख्या के बारे में कोई पुष्ट जानकारी नहीं है।मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के अनुसार, स्थानीय पुलिस और अन्य एजेंसियां एयरपोर्ट में हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच कर रहा है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हादसे की जानकारी दी गई है।

कांगो के गोमा शहर पर एम23 विद्रोहियों का कब्जा, भारतीय शांति सैनिक भी घिरे

एजेंसी

किंशासा। अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के पूर्वी शहर गोमा पर एम23 विद्रोहियों का कब्जा हो चुका है। रिपोर्टों के अनुसार, इन विद्रोहियों को पड़ोसी देश रवांडा का समर्थन प्राप्त है। इस संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में तैनात भारतीय सेना के मेडिकल कोर के 80 अधिकारी और सैनिक फंस गए हैं। विद्रोहियों ने लेवल-3 फील्ड हॉस्पिटल वाले कैंप को घेर लिया है, जहां भारतीय सैनिक तैनात हैं।

गोमा में लगातार गोलीबारी और रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) हमले हो रहे हैं, जिससे हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह हमला न केवल शांति मिशन के लिए खतरा है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के लिए भी विनाशकारी साबित हो सकता है।

विद्रोहियों ने गोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी कब्जा कर लिया है, जिससे इस क्षेत्र में बाहर से किसी भी तरह की सहायता पहुंचना लगभग असंभव हो गया है। इस एयरपोर्ट का नियंत्रण खोने से संयुक्त राष्ट्र और अन्य राहत संगठनों की आपूर्ति रुक सकती है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है।

अमेरिका ने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए रवांडा को कड़ी चेतावनी दी है। वॉशिंगटन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस हमले को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है। साथ ही, अफ्रीकी संघ ने भी एम23 विद्रोहियों से कब्जे वाले इलाकों से पीछे हटने की मांग की है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी कांगो इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हमें कांगो में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। हम सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील करते हैं। बतादें कि कांगो के उत्तर किवु प्रांत की राजधानी गोमा शहर, पहले से ही संघर्ष और हिंसा से जूझ रहा है। इस शहर की आबादी करीब 20 लाख है और विद्रोही तेजी से यहां अपना नियंत्रण मजबूत कर रहे हैं। झील किनारे बसे इस शहर में अब भी अलग-अलग हिस्सों में गोलीबारी और बम धमाकों की आवाजें सुनी जा रही हैं। तुत्सी जनजाति के लोग एम23 विद्रोहियों के गुट का नेतृत्व करते हैं। इन विद्रोहियों को रवांडा का समर्थन प्राप्त है। इस विद्रोही गुट का गठन 30 साल पहले रवांडा में हुए नरसंहार के बाद हुआ था, जिसने कांगो को हिलाकर रख दिया था।

मानवीय सहायता का राजनीतिकरण न करे अमेरिका : अफगानिस्तान

एजेंसी

काबुल। अफ़ग़ानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने अमेरिका से आह्वान किया है कि वह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय राजनीति और मानवीय मुद्दों के बीच अंतर करे तथा मानवीय सहायता का राजनीतिकरण न करे।

स्थानीय मीडिया आउटलेट टोलोन्यूज़ ने मंगलवार अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अफगानी अर्थव्यवस्था मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'हम चाहते हैं कि अमेरिका और अन्य देश मानवीय सहायता का राजनीतिकरण न करें।' अमेरिका के विदेशी सहायता कार्यक्रम को 90 दिनों के लिए निलंबित करने के संबंध में उन्होंने कहा कि यह निर्णय कुछ सहायता एजेंसियों की गतिविधियों को कमज़ोर करेगा। विदेशी सहायता कार्यक्रमों पर अमेरिकी निर्णय के बाद लगभग 50 सहायता एजेंसियों ने कथित तौर पर अफ़ग़ानिस्तान में गतिविधियाँ बंद कर दी हैं।

सर्बिया के प्रधानमंत्री ने जन-विरोध के बाद इस्तीफा दिया

एजेंसी

बेलग्रेड। सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने रेलवे स्टेशन की छतरी के गिरने की घटना पर देशभर में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। श्री वुसेविक ने कहा कि उन्होंने चीजों को और जटिल होने से बचाने तथा समाज में तनाव को अधिक न बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है।

उल्लेखनीय है कि गत नवंबर में नोवी सैड शहर में रेलवे स्टेशन की छतरी गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार तब से हजारों लोग नियमित रूप से सड़कों पर थे। प्रदर्शनकारी इस घटना के लिए जवाबदेही की मांग कर रहे हैं और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने मंगलवार देर रात एक टीवी संबोधन में कहा कि

वह अगले 10 दिनों के भीतर यह तय करेंगे कि संसदीय चुनाव कराए जाएं या नई सरकार बनाई जाए। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार नोवी सैड घटना के सिलसिले में एक दर्जन से अधिक लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। जिनमें पूर्व परिवहन मंत्री गोरान वेसिक भी शामिल हैं। जिन्होंने घटना के कुछ दिनों बाद इस्तीफा दे दिया था।राष्ट्रपति के एक भरोसेमंद सहयोगी श्री वुसेविक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का उनका फैसला प्रदर्शनकारियों को ÷भावनाओं को शांत करने और बातचीत पर लौटने÷ के लिए प्रोत्साहित करेगा। लेकिन अगर नेशनल असेंबली द्वारा इस्तीफे की पुष्टि के 30 दिनों के भीतर नया प्रधानमंत्री नियुक्त नहीं किया जाता है तो यह संसदीय चुनावों का मार्ग भी प्रशस्त कर सकता है। विपक्षी दल एक संक्रमणकालीन सरकार की मांग कर रहे हैं जिसके बारे में उनका कहना है कि इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए परिस्थितियाँ बन सकती हैं। लेकिन श्री वुसिक ने उन मांगों को खारिज करते हुए कहा कि सर्बियाई लोग सत्ता में सामान्य लोगों को देखना चाहते हैं, न कि ऐसे राजनेताओं को जिन पर भरोसा नहीं है।

कोलंबियाई एयरोस्पेस फोर्स का दो विमान अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को लेकर स्वदेश पहुंचा

एजेंसी

बोगोटा। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने कहा है कि अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को लेकर कोलंबियाई एयरोस्पेस फोर्स के दो विमान मंगलवार को देश की राजधानी बोगोटा में उतरे। श्री पेट्रो के निर्देश पर कोलंबियाई नागरिकों को ह्यूस्टन, टेक्सास और सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से उठाया गया। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ÷वे कोलंबियाई हैं, वे स्वतंत्र और सम्मानित हैं और वे अपनी मातृभूमि में हैं, जहां उन्हें प्यार किया जाता है। प्रवासी कोई अपराधी नहीं है, वह एक इंसान है जो काम करना और प्रगति करना चाहता है। श्री पेट्रो ने रविवार को निर्वासित लोगों को ले जा रहे अमेरिकी सैन्य विमानों के प्रवेश से इनकार कर दिया और कहा कि उनके साथ अपराधियों जैसा

व्यवहार किया जा रहा है। इस कदम पर उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रम्प ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये सभी कोलंबियाई सरकारी अधिकारियों के वीजा रद्द करने और कोलंबिया से आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी।इसके बाद दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि कोलंबियाई विमान निर्वासित लोगों को बिना हथकड़ी के, सुरक्षित और सम्मानजनक परिस्थितियों में ले जाएंगे, जैसा कि कोलंबिया की सरकार ने अनुरोध किया था। कोलंबियाई परिवार कल्याण संस्थान ने बताया कि निर्वासित कोलंबियाई लोगों में 26 नाबालिग थे।

कोलंबियाई आव्रजन अधिकारी और चिकित्सा कर्मी निर्वासित लोगों के साथ यात्रा कर रहे थे, जिन्हें कोलंबियाई समाज में फिर से शामिल होने में मदद करने के लिए एक विशेष क्रेडिट कार्यक्रम का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों में कोलंबियाई एयरोस्पेस फोर्स द्वारा बिना दस्तावेज वाले अधिक प्रवासियों को वापस लाने की उम्मीद है क्योंकि नए अमेरिकी प्रशासन ने अनियमित प्रवास पर नकेल कसी है।

अमेरिका में जसवंत सिंह खालड़ा के नाम पर होगा स्कूल का नाम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में सेंट्रल यूनिफाइड ने नए प्राथमिक विद्यालय का नाम पंजाब के प्रसिद्ध मानव अधिकार कार्यकर्ता जसंवत खालड़ा के नाम पर रखने की मंजूरी प्रदान कर दी है। मंगलवार की रात हुई बैठक में बोर्ड ने निर्णय लिया कि शील्ड्स और ब्रॉली में स्थित विद्यालय का नाम अब जसवंत सिंह खालड़ा प्राथमिक विद्यालय रखा जाएगा। जसवंत सिंह खालड़ा इन दिनों इसलिए चर्चा में है कि उनके जीवन पर आधारित पंजाबी फिल्म बनी है। स्कूल का नाम खालड़ा के नाम पर रखने के बारे में भी पंजाबी फिल्म अभिनेता दलजीत दोसांझ ने जानकारी साझा की। दलजीत ने इस संबंध में अमेरिका में हुए निर्णय को लेकर कुछ वीडियो तथा फोटोग्राफ भी साझा किए हैं। बैठक में सर्वसम्मति से मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया। सिर्फ एक सदस्य ने मतदान में भाग नहीं लिया। बोर्ड के अध्यक्ष नैनदीप सिंह ने कहा कि खालड़ा सेंट्रल वैली में पंजाबी

समुदाय के लिए एक प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि खालड़ा की बेटी फ्रेस्नो स्टेट गई थीं और उनका परिवार इस क्षेत्र में रहता है। सिंह ने कहा कि यह सिख पंजाबी समुदाय के लिए मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसा है। एक व्यक्ति जो सरकारी उत्पीड़ने के खिलाफ लड़ रहा था और अंततः उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ी। सिंह ने कहा कि खालड़ा आतंकवाद के दौर में एक बैंक के निदेशक थे, लेकिन जल्द ही मानवाधिकार कार्यकर्ता के रूप में अपने काम के लिए विश्व स्तर पर जाने जाने लगे। 1995 में अपनी हत्या से कुछ समय पहले दिए गए अपने अंतिम भाषण में उन्होंने उन अवैध हत्याओं पर चर्चा की, जिनका उन्होंने पता लगाया था।

सऊदी अरब में सड़क हादसे में 9 भारतीयों की दुखद मौत, दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

जेद्दा। सऊदी अरब के जीजान शहर में एक भीषण सड़क दुर्घटना में नौ भारतीय नागरिकों की दुखद मौत हो गई।

इस हादसे को लेकर जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गहरा शोक व्यक्त किया है और पीड़ितों के परिवारों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। भारतीय दूतावास ने संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर लिया है और दुर्घटना से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया है।

लेबनान पर इजरायली हमलों में 18 घायल

एजेंसी

बेरूत/यरुशलम। दक्षिणी लेबनान में अलग-अलग इजरायली हमलों में 18 लोग घायल हो गए। लेबनानी चिकित्सा और सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। लेबनानी सेना के मार्गदर्शन निदेशालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में यारून-मरून अल-रास सड़क पर सेना के जवानों और नागरिकों पर गोलीबारी की। इस हमले में तीन नागरिक और एक सैनिक घायल हुए हैं। सैनिक उन निवासियों के साथ था, जो दक्षिणी सीमा के कस्बों में लौट रहे थे। लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि मंगलवार शाम को एक इजरायली ड्रोन ने नबातिह अल-फौका राजमार्ग पर फलों और सब्जियों के परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक पिकअप ट्रक पर मिसाइल दागी, जिससे ट्रक नष्ट हो गया और कई लोग घायल हो गए। एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र ने शिन्हुआ को बताया कि घायलों को लेबनानी रेड क्रॉस एम्बुलेंस द्वारा नबातीह के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। एनएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग एक घंटे बाद, एक अन्य इजरायली ड्रोन ने दो किमी से भी कम दूरी पर ज़ावतार-नबातिह अल-फौका रोड पर 'फराह रेस्ट स्टॉप' के आसपास के क्षेत्र को निशाना बनाते हुए दूसरा हमला किया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, शाम को हुए दो हमलों में 14 लोग घायल हो गए। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने इन ताजा हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इजरायली आक्रमण लेबनान की संप्रभुता का एक और उल्लंघन है और यह युद्धविराम समझौते तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का खुला उल्लंघन है। श्री मिकाती के कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने युद्धविराम निगरानी समिति के प्रमुख, अमेरिकी जनरल जैस्पर जेफर्स से संपर्क किया और इजरायल को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए सख्त रुख अपनाने का आग्रह किया। इजरायली सेना ने एक बयान में पुष्टि की कि उसने दक्षिणी लेबनान में एक ट्रक और एक अन्य वाहन पर हवाई हमले किए। सेना का दावा है कि ये वाहन लेबनानी सशस्त्र समूह हिज़्बुल्लाह के थे और शकीफ तथा नबातिया क्षेत्रों में हथियार ले जा रहे थे। इसी बीच, कल लेबनानी सेना ने घोषणा की कि इजरायली सेना की वापसी के बाद उसने लितानी नदी के दक्षिण में स्थित पश्चिमी और केंद्रीय क्षेत्रों के गांवों में अपनी इकाइयों की तैनाती कर दी है। लेबनानी क्षेत्रों से रविवार को इजरायल की वापसी के लिए 60 दिनों की समय सीमा समाप्त हो गई। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच लगभग 14 महीने के संघर्ष के बाद पिछले साल नवंबर के अंत में हुए युद्धविराम समझौते के तहत, लेबनानी सेना को लितानी नदी के दक्षिणी इलाकों का नियंत्रण संभालना था। सेना को इन क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी थी और वहां किसी भी तरह के हथियारों और लड़ाकों की मौजूदगी को रोकना था। समझौते के बावजूद, इज़रायली सेना ने लेबनान में हमले जारी रखे हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

फारूक अदबर गिरोह का बदमाश जाहिद गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, ओडिशा और चेन्नई समेत कई अन्य राज्यों में एटीएम लूटने वाले फारूक अदबर गिरोह के एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान गांव मोहम्मदपुर अहीर, तावडू, मेवात, नूंह, हरियाणा निवासी जाहिद (32) के रूप में हुई है। 16 अक्टूबर 2019 को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसे अवैध हथियार के साथ भी दबोचा था। बाद में वह कोर्ट से जमानत लेकर फरार हो गया। पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया हुआ था। जांच में पता चला कि वह अलग-अलग राज्यों के 35 मामलों में शामिल रहा है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने बताया कि उनकी टीम को 28 जनवरी को सूचना मिली थी कि जाहिद हरियाणा के गुरुग्राम में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर एक टीम का गठन किया गया। उसके बाद मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि पुलिस से बचने के लिए वह लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। इस दौरान वह दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में छिपता रहा।

दुष्कर्म मामले में फरार आरोपित को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके में दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे इनामी भगोड़े बदमाश को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अलीपुर निवासी फिरोज के रूप में हुई है। इसकी गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। जांच में पता चला है कि दुष्कर्म के मामले में अलीपुर थाना पुलिस ने फिरोज को गिरफ्तार किया था। बाद में जमानत लेकर आरोपित फरार हो गया। इसके बाद कोर्ट ने इसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने बताया कि 11 फरवरी 2022 को अलीपुर इलाके में एक युवती ने फिरोज के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दी थी। पीड़िता ने बताया कि आरोपित पिस्टल दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म करता था। विरोध करने या किसी को कुछ भी बताने पर गोली मारने की धमकी देता था। पीड़िता की शिकायत पर अलीपुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपित जमानत लेकर गायब हो गया। इधर, 28 जनवरी को क्राइम ब्रांच की टीम को आरोपित के बारे में पता चला। पुलिस टीम ने आरोपित को मीर विहार, मुबारकपुर डबास के पास से गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि आरोपित इससे पहले भी तीन वारदातों में शामिल रहा है।

गांधी जी की शहीदी दिवस पर आज समाज सेवी एवं गीत गायकों का सम्मान

शुकुन म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आयोजित महात्मा गाँधी जी के शहीदी दिवस पर आये भारी जन समूह, क्लब ऑडिटोरियम शास्त्री नगर में समाज सेवी एवं गायको का सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि श्री

भवानी महाराज जी जो कई मठो से जुड़े हुए संत है उनका भव्य सम्मान किया गया। समारोह की आयोजक श्रीमति शकुन बन्सल जी ने आए हुए गायक एवं अतिथियों का सम्मान किया। ओम प्रोडक्शन के चेयरमैन श्री ओमप्रकाश शर्मा ने शकुन बन्सल एवं अन्सारी जी को दिल्ली कला श्री अवार्ड देकर सम्मानित किया। समारोह में श्री हरीश सर्राफ, मन्जु जी, टी.सी. चौहान, तरणजीत कौर, निक्की जी, गुरु जी, गौरव जी, पुष्पा जी, आदियो ने समारोह की शोभा बढ़ाई। हज़ारों की संख्या में लोग एकत्रित हुए।

महायुति में चल रही सत्ता के लिये खींचतान, राज्य अराजकता के मुहाने पर: पटोले

मुंबई, 30 जनवरी। महाराष्ट्र में सियासी बयानबाजी जोरों पर है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने इस बीच सत्तारूढ़ महायुति पर करारा वार किया है। उन्होंने गुरुवार को दावा किया कि जब से भाजपा के नेतृत्व

वाला महायुति गठबंधन सत्ता में आया है, महायुति सहयोगियों के बीच सत्ता के लिए खींचतान हो रही है। उन्होंने सरकार पर अराजक होने के भी आरोप लगाए। नाना पटोले ने कहा कि सरकार अराजक तरीकों से काम कर रही है। नाना पटोले ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि इस समय महाराष्ट्र उथल-पुथल की स्थिति में है। देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से नहीं संभाल पा रहे हैं। नाना पटोले ने कहा कि राज्य में अराजकता जोरों पर है। सीएम फडणवीस अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से संभालने में विफल हो रहे हैं। फडणवीस को सीएम पद के साथ न्याय करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने लाड़की बहिन योजना का जिक्र करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि लड़की बहिन योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है, लेकिन सरकार अपनी लाड़की बहिनों (प्यारी बहनों) की दुर्दशा के प्रति उदासीन है। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है। लाड़की बहिनों के पति, जो किसान हैं, रोजाना आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार ने सोयाबीन के लिए 6,000 रुपये प्रति क्विंटल की कीमत का वादा किया था, लेकिन किसानों को 3,000 रुपये भी नहीं मिल रहे हैं। धान, प्याज और कपास की स्थिति भी ऐसी ही है। आगे उन्होंने बीड़ सरपंच हत्याकांड का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार में 65 प्रतिशत मंत्री दागी पृष्ठभूमि वाले हैं। देश में महाराष्ट्र की साख रोज खराब हो रही है। नाना पटोले ने कहा कि बीड जिले में भ्रष्टाचार के मामले एक के बाद एक सामने आ रहे हैं।

भाजपा नेता संजीव अरोड़ा आआपा में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच भाजपा की दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य संजीव अरोड़ा अपनी टीम के साथ आम आदमी पार्टी (आआपा) में शामिल हो गए। पार्टी मुख्यालय में आआपा नेता और सांसद संजय सिंह ने पटका और टोपी पहनाकर संजीव अरोड़ा को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर वरिष्ठ नेता और राजेंद्र नगर से प्रत्याशी दुर्गेश पाठक ने संजीव अरोड़ समेत उनकी पूरी टीम का आआपा परिवार में स्वागत किया।

संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य संजीव अरोड़ा अपनी पूरी टीम के साथ भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं। संजीव अरोड़ा पिछले 25 वर्षों से भाजपा से जुड़े रहे हैं और इस दौरान उन्होंने वहां अलग-अलग पदों पर रहकर काम किया है। वह भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और मीडिया प्रभारी, भाजपा

किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, भाजपा जिला करोल बाग के कोषाध्यक्ष व उपाध्यक्ष और भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री रहे हैं। संजीव अरोड़ा करीब 30 साल सामाजिक क्षेत्र में जनसेवा के लिए कार्य कर रहे हैं। अपनी संस्था 'इंद्रप्रस्थ संजीवनी' के तहत करीब 50 हजार लोगों की टीम के साथ पूरी दिल्ली में समाज सेवा का काम कर रहे हैं। संजीव अरोड़ा केपीएस गिल फाउंडेशन और नारायण विहार, सोशल वेलफेयर सोसाइटी के भी अध्यक्ष हैं। इसके अलावा यह अनेकों महामंडलेश्वर संतों के आशीर्वाद से गंगा पुत्र की उपाधि से सम्मानित हैं।

वहीं दुर्गेश पाठक ने कहा कि संजीव अरोड़ा राजेंद्र नगर और करोल बाग इलाके में अपने एनजीओ के माध्यम से पिछले कई सालों से सक्रिय हैं और लोगों की काफी मदद की है। चाहे उन्हें व्हील चेयर देना हो, कोरोना के दौरान खाना और दवाइयां बांटना हो। संजीव अरोड़ा पिछले 30-35 सालों से समाज सेवा के लिए काम कर रहे हैं। समाज में इनका काफी नाम है। उन्होंने कहा कि इनके आने से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की इस मुहिम को और ताकत मिलेगी। इस दौरान संजीव अरोड़ा ने कहा कि वह पिछले 25 सालों से भाजपा से जुड़े रहे, लेकिन आज पार्टी की वह विचारधारा नहीं रही जो 25 साल पहले थी। भाजपा में टिकट वितरण पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इतने वर्षों से पार्टी की सेवा करने के बाद भी उनकी अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि वह विश्वास दिलाते है कि आआपा आने वाले समय में फिर सरकार बनाएगी।

भगवानपुरा में कांग्रेस प्रत्याशी देवेन्द्र यादव ने की पदयात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व बादली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी देवेन्द्र यादव ने भगवानपुरा में पदयात्रा की। पदयात्रा के दौरान क्षेत्रीय लोगों ने फूल माला पहना कर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस मौके पर देवेन्द्र यादव ने कहा कि वह बादली के लोगों के लिए समर्पित हैं। पहले भी उन्होंने यहां की जनता का प्रतिनिधि होते हुए काम करके दिखाया है और 8 फरवरी को जीतने के बाद बादली का कायापलट करने के लिए काम करेंगे। वह लगातार लोगों से मिल रहे हैं। लोग अपनी परेशानियों और दुख उनसे साझा कर रहे हैं। कैसे पिछले 10 वर्षों में आम आदमी पार्टी के सरकार ने उनकी ओर देखा नहीं, सुविधाएं देना तो दूर जो कुछ था, धीरे-धीरे सब खत्म कर दिया है।

भाजपा प्रत्याशी विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के साथ किया संवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और रोहिणी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के साथ संवाद किया और चुनाव के लिए उनका समर्थन मांगा। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश की आर्थिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। चाहे कोई व्यापारी हो या नौकरीपेशा सभी को अपनी आयकर से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की जरूरत पड़ती ही है। सरकार के आर्थिक नियमों और बजट पेचीदगियों को समझने में ये चार्टर्ड अकाउंटेंट्स हमारे लिए एक मेंटर की भूमिका निभाते हैं। गुप्ता ने रोहिणी विधानसभा में पिछले दस सालों में किए गए विकास कार्यों से अवगत करवाया और आश्वासन दिया कि जो काम बजट न होने के कारण नहीं करवाए जा सके हैं, उन्हें अगले कार्यकाल में पूरा किया जाएगा। इस दौरान गुप्ता ने बताया कि

गुरुवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रोहिणी के सेक्टर-7 में स्थित रामलीला मैदान में दोपहर दो बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों को इस जनसभा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान भी किया।

दिल्ली में अवैध शराब की बरामदगी पर भाजपा ने जताई चिंता, आआपा पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच अवैध शराब की बरामदगी पर दिल्ली भाजपा ने चिंता जाहिर की है। इस मामले पर भाजपा ने चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी से सीमा पर सतर्कता बढ़ाने की मांग की है। इस मुद्दे पर भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने दिल्ली में रोज़ाना हो रही अवैध शराब की बरामदगी पर चिंता जताते हुए कहा है कि कल दिल्ली में पंजाब में निर्मित एक साथ 2069 शराब की बोतलें मिलीं, जिन पर साफ लिखा है कि यह पंजाब में बिक्री के लिए बनी हैं। ये बोतलें बकोली, जो आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी का गांव है, वहां से बरामद की गई हैं। यह साफ दर्शाता है कि कुछ तो गड़बड़ है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि यह साफ हो गया है कि कल बरामद 2069 बोतलें या पटेल नगर से पकड़ी गई पंजाब मे ही

निर्मित शराब की 40 पेटी शराब की बोतलें इशारा करती हैं कि पंजाब एवं दिल्ली सरकार की मिलीभगत से चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी का बंदोबस्त हो रहा है। सचदेवा ने दिल्ली के चुनाव अधिकारी से मांग की है कि वह दिल्ली की सीमा पर सतर्कता बढ़ाए और दिल्ली पुलिस एवं आबकारी विभाग को सख्त कार्रवाई का निर्देश दें। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में गत तीन दशक में कभी भी इतनी भारी मात्रा में अवैध शराब नही पकड़ी गई है और यह साफ तौर पर राजनीतिक खेल है।

दिल्ली की सीईओ ने 'इल्युमिनेटिंग डेमोक्रेसी' कार्यक्रम में मतदाताओं से अधिकतम मतदान का आग्रह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक कुतुब मीनार परिसर में लोकतंत्र का भव्य उत्सव मनाया गया। दक्षिणी दिल्ली जिला चुनाव कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मतदाता शिक्षा और भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आर एलिस वाज मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में अधिकतम मतदाता भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र मायने रखता है। उन्होंने दर्शकों से मतदान के माध्यम से राष्ट्र के लिए योगदान देने का संदेश लेने और 5 फरवरी को भारी मतदान सुनिश्चित

करने के लिए सभी के बीच इस संदेश को फैलाने का आग्रह किया।

इस एसवीईईपी (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) पहल का उद्देश्य पहली बार मतदाताओं को प्रोत्साहित मीनार पर एक भव्य लाइट शो आयोजित किया गया, जो लोकतंत्र की शक्ति और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी का प्रतीक है। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के लिए विशेष पहचान और प्रेरणात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को प्रोत्साहित करने की पहल के तहत उन्हें चुनावी भागीदारी पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) मेकला चैतन्य ने कहा कि यह कार्यक्रम एक समावेशी लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जहां हर योग्य मतदाता, चाहे उसकी पृष्ठभूमि या क्षमता कुछ भी हो, भाग लेने के लिए सशक्त की परिवर्तनकारी शक्ति को पहचानने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम के दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। विभिन्न क्षेत्रों के लोक समूहों द्वारा लोकतंत्र की थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मतदान और लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व पर जोर देने के लिए प्रेरक प्रदर्शन और दृश्य प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम में सभी के लिए समावेशी थीम को बढ़ावा दिया गया

NAME CHANGE
I, hitherto known as MAMTA ALIAS MAMTA YADAV D/O RAM KUMAR R/O HOUSE NO-RZ-F-273/4, GALI NO-20, SADH NAGAR PALAM COLONY, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name and shall hereafter be known as MAMTA YADAV.

NAME CHANGE
I, RAVI SAINI S/O BALBIR SINGH SAINI R/O HOUSE NO-1015/3,GALI NO-3, RAJEEV NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO RAVINDER SAINI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
It is for general information that I, NIKHIL KUMAR DHAPOLA S/O MAHENDRA KUMAR, R/O H NO-235A RAJ NAGAR PART-2, RAJ NAGAR-II, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 declare that name of mine and my father has been wrongly written as NIKHIL DHAPOLA and MAHENDRA KUMAR DHAPOLA in my 12th class educational documents, And name of my father has been wrongly written as MAHENDRA KUMAR DHAPOLA in my Aadhar card-597100102889. The actual name of mine and my father are NIKHIL KUMAR DHAPOLA and MAHENDRA KUMAR, which may be amended accordingly

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अश्विनी कुमार, एक सम्पूर्ण तीसरी मंजिल छत/रूफ अधिकार सहित, जो कि फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या 95, ब्लॉक और पॉकेट-7, जिसकी भूमि क्षेत्रफल 68.75 वर्ग मीटर है, शालीमार बाग रेजिडेंशियल स्कीम, शालीमार बाग, दिल्ली में स्थित है, को श्री श्याम अरोड़ा और श्री जुगल किशोर चड्ढा से खरीदने का इरादा रखते हैं। यह संपत्ति मूल रूप से श्री सोहन लाल के पास थी, जिन्होंने इसे पी.ओ.आई. (POI) से डीडीए (DDA) के माध्यम से 21.12.1999 को एक कन्वेयान्स डीड (Conveyance Deed) द्वारा खरीदी थी। इसके बाद, श्री सोहन लाल का निधन 28.08.2016 को हो गया और श्रीमती विजय बोकोलिया का निधन 22.06.2022 को हुआ, जिनके बाद कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में श्रीमती मोना दब्राल, श्रीमती नीरू, श्रीमती सरिका बोकोलिया, श्रीमती सीमा, श्रीमती सुदर्शना और श्रीमती विम्मी सिंह (सभी पुत्रियाँ) हैं। इन्होंने 21.04.2023 को एक सेल डीड (SALE DEED) के माध्यम से सम्पूर्ण संपत्ति श्री श्याम अरोड़ा और श्री जुगल किशोर चड्ढा को बेच दी। यह संपत्ति आरबीएल बैंक, शाखा-जीपी 3, यूजीएफ पिटमपुरा रोड, दिल्ली-110034 से वित्तपोषित है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, RITA SHARMA W/O ISHWAR CHANDER SHARMA residing at 4632 3RD FLOOR SHORA KOTHI, PAHARGANJ DELHI-110055 have changed my name to RITA SHARMA for all future purpose

NAME CHANGE
It is for general information that I, RANVIR SINGH S/o VANSHIDHAR YADAV R/o H.No.- 03, MITRA PURAM COLONY BHARTHANA ROAD, ETAWAH, UTTAR PRADESH-206001 declare that name of mine has been wrongly written as RANVIR SINGH YADAV in my PPO No. 08/14/B/12490/2009 and Discharge Book. The actual name of mine is RANVIR SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, INDERA MIHINI W/O RADHA KRISHAN R/O A-154/T-2 DILSHAD COLONY EAST DELHI-110095 HAVE CHANGED MY NAME TO INDERA MOHINI

NAME CHANGE
I, Shrutibahen Bhargav Pandya D/O Vyas Dilipchandra Revashankar W/O Pandya Bhargav Rameshchandra R/O Flat no 806 Dudhmoti sagar bhavan, near vipul garden, Dharuhera, Rewari, Haryana 123106 Have changed my name to Shruti Bhargav Pandya for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Gautam Bhardwaj S/O Madan Lal Sharma R/O H. No. 1/6976,Gali No-1, Near Gole Chakkar Shivaji Park , Shahdara, North East Delhi , Delhi - 110032, have changed the name of my minor daughter namely Udita Bhardwaj aged 12 years and she shall hereafter be known as Shloka Bharadwaja

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD JAVED S/O MUGISH AHMED R/O C-3, STREET NO-5, NEW BRIJPURI KRISHNA NAGAR, PO KRISHNA NAGAR, DIST EAST DELHI-110051 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SUBHANA JAVED in my minor daughter namely SUBHANA JAVED MANSOORI aged 17 year in her school record. The actual name of my minor daughter is SUBHANA JAVED MANSOORI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MALLESWARI DEVI Mother of No-21006300H, Rank-GNR (RST) Name-ANYAM THIRUMALA REDDY Residing at VPO-KODUMUR, TEHSIL-KODUMUR, DIST-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518464, have changed my name from MALLESWARI DEVI to ANYAM MALLESWARI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 30/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANJAY KUMAR S/O MUNNA DAS, R/O PLOT NO-12, GOPAL JI COLONY, GALI NO-01, SAMALKHA, PO- GURGAON ROAD, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110037 declare that name of mine has been wrongly written as SANJEET CHAUPAL in my minor daughter APRAJITA KUMARI aged 13 years in her birth certificate-2002696 and school records. The actual name of mine is SANJAY KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Satish Kumar S/o Mr. Subash Chand is the owner of Freehold Residential Plot of Land area measuring 500 Sq. Yds., Out of Khasra 196, Situated in the area of Village- Rupvaas, Pargana & Tehsil- Dadri, District- Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. by virtue of Gift Deed In the chain documents below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC ofLate Mrs. Dhupan Devi W/o Mr. Mojiram Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Sector-16 Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Pratibha D/O Rakesh Kumar,R/O D-27,Gali No-5, Roop Vihar, Village-Mubarak Pur Dabas, KANJHAWALA, North West Delhi, Delhi,- 110081,declare that name of my father has been wrongly written as Rakesh Prasad in my 10th,12th and all Educational documents.The actual name of my father is Rakesh Kumar,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as GINDHODI W/O RAM MEHAR R/O WZ-A-87, MANSA RAM PARK, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059 have changed my name and shall hereafter be known as GANDORI.

NAME CHANGE
I hitherto known as PARVEEN KHAN alias FAHMEEDA BANO W/O MAJEET R/o F-331 Madipur Colony Madipur, DIST: West Delhi, Delhi - 110063 have changed my name and shall hereafter be known as FAHMEEDA BANO

NAME CHANGE
I, ISHWAR CHAND SHARMA S/O JAGDISH CHANDER SHARMA residing at 4632 3RD FLOOR SHORA KOTHI, PAHARGANJ DELHI-110055 have changed my name to ISHWAR CHANDER SHARMA for all future purpose

NAME CHANGE
I MD DIWAN S/O DEEN MOHAMMAD R/O S-32/84 SONIA GANDHI CAMP PUL PEHLADPUR TUGLAKABAD SOUTH DELHI 110044 I HAVE CHANGE MY NAME TO DIWAN MOHAMAD

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR S/O RAM BAHADUR BHATNAGAR R/o 1/5949, OLD NO-689, 2ND FLOOR, KABOOL NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032 have changed my name to SANJAY BHATNAGAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Poonam D/O Raja Ram Mishra W/O Ashish Gupta R/O D 47 Ground Floor, Street No-4 Old Mahavir , Nagar Krishna Park, Delhi-110018 Have changed my name to Poonam Gupta for all future purposes.

Format C-1
(For candidate to publish in Newspapers, TV)
Declaration about criminal cases

(As per the judgement dated 25th September, 2018, of the Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) no. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union Of india & Anr.)

Name and address of the candidate: **Mohd Ishraq Khan**
Name of the Political Party: **INDIAN NATIONAL CONGRESS**
Name of election: **DELHI ASSEMBLY ELECTION, 2025**
Name of the Constituency: **AC-67 Babarpur Vidhan sabha, A-31/150, Main Road No. 66, Maujpur, Seelampur, PO: Seelampur, Dist: North East Delhi, Delhi-110053**

I, Mohd Ishraq Khan, a candidate for the abovementioned election, declare for public information.

The following details about my criminal antecedents:

A. Pending Criminal Cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1.	63-Judicial Magistrate First Class	FIR No. 670/19 PS New Usmanpur CIS No. 1761/20	Charge	DMC ACT 466A, Indian Penal Code: 34, 188, 448

B. Details about cases of conviction for criminal offences

Sl. No.	Name of Court & dates(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum punishment imposed
1.	NA	NA	NA

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of Constituency.

Mohd Ishraq Khan
Candidate, Indian National Congress
A-31/150, Main Road No. 66, Maujpur, Seelampur,
PO: Seelampur, Dist: North East Delhi, Delhi-110053

Format C-1
(For candidate to publish in Newspapers, TV)
Declaration about criminal cases

(As per the judgement dated 25th September, 2018, of the Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) no. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union Of india & Anr.)

Name and address of the candidate: **SUSHMA DEVI**
Name of the Political Party: **INDIAN NATIONAL CONGRESS**
Name of election: **DELHI ASSEMBLY ELECTION, 2025**
Name of the Constituency: **35-NAJAFGARH**

I, Sushma Devi, a candidate for the abovementioned election, declare for public information.

The following details about my criminal antecedents:

A. Pending Criminal Cases

Sl. No.	Name of Court	Case No. and dated	Status of case(s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1.	Ld. MM, Dwarka Court, Delhi	Case No. 4988784/16	Criminal Revision Petition No. 500/2022 filed against judgement date 04.02.2020 and same is pending before Hon'ble Delhi High Court.	Not applicable as Crl. Appeal No. 442/2018 filed by candidate and conviction order dated 25.08.2018 was set aside vide judgement date 04.02.2020 by appellate court and candidate was acquitted. Criminal Revision Petition No. 500/2022 filed against judgement date 04.02.2020 and same is pending before Hon'ble Delhi High Court.

B. Details about cases of conviction for criminal offences

Sl. No.	Name of Court & dates(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum punishment imposed
1.	NA	NA	NA

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of Constituency.

Sushma Devi
Candidate, Indian National Congress
Ac 35 najafgarh

कैथल में जाट संस्था चुनाव के लिए 30 टीमें गठित, बैलेट पेपर से होगा मतदान

एजेंसी

कैथल। कैथल में दो फरवरी को होने वाले जाट हाई स्कूल सोसाइटी के कॉलेजियम चुनाव को लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान चुनाव संबंधित पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रशासक दीपक बाबूलाल करवा ने बुधवार को बताया कि आगामी दो फरवरी को होने वाला चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से किया जाएगा। चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न करवाने के लिए 30 टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य हैं, इनमें एक पीठासीन अधिकारी तथा दो चुनाव अधिकारी शामिल हैं। इसमें 46 कॉलेजियम निर्विरोध चुने जा चुके हैं। कॉलेजियम नंबर 23 व 71 में कोई नामांकन सही नहीं पाए जाने के कारण खाली रह गए हैं। अब कुल 26 कॉलेजियम में कुल 55 उम्मीदवार मैदान में हैं। उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आबंटित किए जा चुके हैं। आगामी दो फरवरी को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक जाट कॉलेज कैथल में मतदान होगा। उसी दिन शाम को परिणाम घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदान के समय सोसाइटी द्वारा जारी किया गया पहचान पत्र व साथ में कोई भी सरकार द्वारा जारी किया गया पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोट कार्ड साथ लेकर जरूर आए। प्रशिक्षण के दौरान अकाउंट ऑफिसर सुरेंद्र, रजिस्ट्रार कार्यालय से औद्योगिक विस्तार अधिकारी नीतीश कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।

समाधान शिविर में सीटीएम ने सुनी समस्याएं

गुरुग्राम। सीटीएम कुंवर आदित्य विक्रम की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी ढंग से समाधान किया गया। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें मुख्य रूप से जल आपूर्ति, सडक मरम्मत, पेंशन संबंधित समस्याएं और राजस्व मामलों से जुड़ी शिकायतें शामिल रही। सीटीएम ने नागरिकों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है, ताकि जनता का प्रशासन पर भरोसा और ज्यादा मजबूत हो। शिविर में कुल 7 शिकायतें आई। जिनमें से कुछ शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई। सीटीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए और शिकायतकर्ताओं को समाधान होने पर जानकारी दी जाए। शिविर के दौरान नागरिकों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि समाधान शिविर के जरिए उनकी समस्याओं को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने का मंच मिल रहा है। ऐसे शिविरों के आयोजन से न केवल प्रशासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हो रहा है, बल्कि शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया भी सरल और त्वरित हो रही है।

हिसार बार चुनाव की तैयारियां जोरों पर, वोटर लिस्ट चस्पाई

हिसार। जिला बार एसोसिएशन चुनाव के लिए चुनाव कमेटी की बैठक चुनाव अधिकारी सुनील तिवारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बार के सह चुनाव अधिकारी अधिवक्ता राजेश वर्मा, रामसिंह सोढ़ी, शीतल शिह्ला, विकास देहड्, अनुराग भारद्वाज व नवनीत चहल मौजूद रहे।चुनाव अधिकारी सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि बार एसोसिएशन हिसार द्वारा सालाना चुनाव के लिए बार कौंसिल पंजाब एवं हरियाणा की ओर से मिले निर्देशानुसार हिसार बार द्वारा कुल 2266 अधिवक्ताओं की लिस्ट बार कॉउंसिल को भेज दी गई है। इनमें 346 महिला अधिवक्ता एवं 1920 पुरुष अधिवक्ता शामिल है। भेजी गई वोटर लिस्ट को बार एसोसिएशन हिसार के सूचना पट्ट पर चस्पा कर दिया गया है। बार कौंसिल के निर्देशों के अनुसार अधिवक्ता वोटर लिस्ट से संबधित अपनी आपत्ति एक फरवरी तक बार कौंसिल में ईमेल से भेज सकते है।इसके बाद 07 फरवरी को बार कौंसिल द्वारा लिस्ट को सुनिश्चित कर दिया जाएगा। उसी लिस्ट पर आगे 28 फरवरी को चुनाव करवाया जाएगा।

चुनावी रंजिश में मकान तुड़वाने का आरोप, सरपंच निलंबित

हिसार। जिला प्रशासन ने पंचायती राज अधिनियम का दुरूपयोग करने, रंजिशवश गांव के कुछ लोगों के मकान तुड़वाने के मामले में ढाणी रायपुर के सरपंच मदनलाल को निलंबित कर दिया है। इसके साथ सरपंच को पंचायत का पूरा रिकॉर्ड बहुमत वाले पंच को सौंपने का निर्देश दिए गए हैं। सरपंच को पंचायत की आगामी कार्रवाइयों में जाने पर भी रोक लगा दी गई है। उपायुक्त अनीश कुमार यादव ने सरपंच को निलंबित करने की यह कार्रवाई समाधान शिविर में आई शिकायत व उसकी जांच के बाद की है। समाधान शिविर में दी गई शिकायत में गांव के सुरेश कुमार, विनोद, बलराम व अन्य ने कहा था कि सरपंच मदनलाल ने चुनावी रंजिश रखते हुए गत 16 जनवरी को शिकायतकर्ताओं के कमरे व चारदीवारी बिना कोई पैमाइश करवाए तुड़वा दी। आरोप है कि सरपंच ने यह कार्रवाई 16 जनवरी की रात को अपने लोगों से जेसीबी की सहायता से करवाई, जिसके लिए न तो कोई ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त था और न ही कोई प्रशासनिक अनुमति थी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने दिल्ली के गांव दहिसरा में यमुना का जल पीकर दी केजरीवाल को चुनौती

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि के लिए लोगों में भय पैदा करने का जो बयान दिया है, वो दुर्भाग्यपूर्ण है। इस प्रकार के बयान देकर द्वेष मत पैदा कीजिए। अरविंद केजरीवाल को इस बयान के लिए दिल्ली और हरियाणा के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर दहिसरा गांव के पास यमुना नदी के चार नंबर प्वाइंट का दौरा कर पूजा-अर्चना की और यमुना के पानी का आचमन किया। सैनी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने बयान दिया है कि हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने यमुना में जहर मिलाकर भेजा है। जबकि वॉटर अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पानी के जो सैंपल लिए हैं, उसमें कहीं भी जहरीले पदार्थ नहीं मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि

अरविंद केजरीवाल झूठ की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने 10 साल पहले दिल्ली के लोगों से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया। उन्होंने जहरीले पानी का बयान देकर दर्द भरा और भय पैदा करने वाला कार्य किया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। नायब सिंह सैनी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की पिछली चार सैंपल की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली की सीमा में दाखिल होने से पहले हरियाणा की सीमा पर यमुना का जल मानकों पर पूरी तरह खरा उतरा है। हरियाणा से दिल्ली को साफ पानी जा रहा है। दिल्ली के बाद पलवल और फरीदाबाद में जब हरियाणा को यह पानी मिलता है, वह बहुत अधिक खराब स्थिति में होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने दिल्ली में पानी की सफाई व सीवरेज इत्यादि के लिए साढ़े 8 हजार करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन यह राशि कहां गई, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के पास इसका कोई हिसाब नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर साफ पानी यमुना में छोड़ने की दिशा में कोई कार्य ही नहीं किया। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में दिल्ली का विकास नहीं हुआ और यही वजह है की जगह-जगह गलियों में जल भराव है, सीवरेज सिस्टम ठप पड़े हैं। 10 साल पहले अरविंद केजरीवाल ने यमुना नदी पर खड़े होकर कहा था कि वह इसे पवित्र करेंगे लेकिन इसके लिए उन्होंने कोई काम नहीं किया। दिल्ली के लोग अब चुनाव का इंतजार कर रहे हैं।

स्वच्छता के मामले में पलवल को नंबर वन बनाएंगे- खेल मंत्री गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पलवल को स्वच्छता के मामले में नंबर वन बनाने के लिए नगर परिषद के अधिकारियों को साफ-सफाई को लेकर सख्त दिशा निर्देश दिए हैं। पलवल में गंदे पानी की निकासी को लेकर नए ड्रेनेज सिस्टम को लेकर काम शुरू हो गया है। यह बात उन्होंने बुधवार को यहां जारी बयान में कही।

उन्होंने कहा कि नगर परिषद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए नियमित रूप से साफ-सफाई करवाएं और कूड़े का उठान करवाएं। शहर में गंदगी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। खेल मंत्री ने कहा कि शहर के सौंदर्यकरण को लेकर पलवल के हुड्डा सेक्टर 2 पर स्वागत द्वार सहित क्लॉक टावर और सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पलवल शहर को सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे भी जल्द उपलब्ध होंगे। वहीं पलवल शहर के सौंदर्यकरण को लेकर भी चौक-चौराहों सहित फ्लाईओवर पर पेंटिंग आदि करवाई जा रही है। शहर से

निकल रहे फ्लाईओवर पर प्रसिद्ध धरोहरों सहित महापुरुषों के चित्र बनाकर सुंदरीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पलवल शहर को आगे लेकर जाने के लिए आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

एडीसी ने की डी-प्लान कार्यों की समीक्षा, तय समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

एजेंसी

झज्जर। अतिरिक्त उपायुक्त सलोनी शर्मा ने जिले में दी प्लेन से संबंधित सभी विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूरे करने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानकों का पालन करने के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। जिले में डी-प्लान के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में एडीसी सलोनी शर्मा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में डी-प्लान के कार्यों से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एडीसी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की देरी स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने मीटिंग में डी-प्लान के फिजिबल व नॉट फिजिबल कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। कहा कि डी-प्लान के अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों की वह स्वयं फील्ड में जाकर निरीक्षण करेंगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य की गुणवत्तापूर्ण होना

चाहिए। निर्माण कार्यों में उच्च मानकों का पालन किया जाना चाहिए ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने बैठक में नियमित रूप से कार्य की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। निर्माण कार्य पूरा होने पर बिना देरी के मॉनिटरिंग रिपोर्ट के साथ बिल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। एडीसी ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें ताकि जिले का विकास सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। मीटिंग में एक्सईएन (ग्रामीण विकास) ललित कुमार, बीडीपीओ अरुण कुमार, बीडीपीओ राजाराम, एक्सईएन मनजीत दहिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम यातायात पुलिस को मिले लोहे के 100 बैरिगेट्स

गुरुग्राम। सीएसआर कोटे के तहत अल्ट्राटेक कंपनी की ओर से यातायात पुलिस को लोहे के 100 बैरिगेट दिए गए हैं। बैरिकेट्स भेंट किए जाने के दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/ हाईवे विकास कुमार, अल्ट्राटेक कंपनी की ओर से असीम कपूर, अमन सहगल, निपुण सक्सेना और देवाशीष पंत मौजूद रहे। विरेंद्र विज ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में गुरुग्राम शहर में वाहनों की संख्या काफी अधिक बढ़ी है, जिनको नियंत्रित/बैरीगेटिंग करने में अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी की ओर से मिले लोहे के 100 बारगेटों से काफी मदद मिलेगी।

हरियाणा में परिवहन विभाग का बनेगा ट्रैकिंग ऐप : विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि परिवहन विभाग को आधुनिक रूप से कार्य करने के लिए जल्द ही एक ट्रैकिंग ऐप बनाया जाएगा। इस ऐप को बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इस संबंध में परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दे दिए हैं।

चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में अनिल विज ने कहा कि ऐप से बस की जानकारी मिलेगी। बसों का टाइम-टेबल, बस की ट्रैकिंग आदि जैसी जानकारियां यात्रियों को ऐप के माध्यम से मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ये ऐप आम व्यक्ति के मोबाइल फोन में भी होगा और वह देख सकेगा कि हरियाणा रोडवेज की कौन सी बस आ रही है और जहां पर अमुक व्यक्ति खड़ा है, वहां पर वह बस कितनी देर में पहुंचेगी। परिवहन मंत्री ने बताया कि बस

अड्डों पर यात्रियों को अच्छा खाने-पीने का सामान उपलब्ध करवाने के लिए पर्यटन विभाग को पांच बस अड्डों पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एक प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। यदि यह पायलट परियोजना सफल होता है तो इसे आगे भी विस्तारित किया जाएगा। अन्यथा रेलवे की तर्ज पर कारपरेशन बनाकर यात्रियों/लोगों को अच्छा खाने-पीने का सामान उपलब्ध करवाने के लिए आगे बढ़ा जाएगा। बस अड्डों इसके साथ लगते स्थानों पर जगह की उपलब्धता देखकर आरामगृह और शौचालय इत्यादि बनाए जाएंगें। उन्होंने कहा कि इन सभी सुविधाओं को मुहैया करवाने के लिए हम तेजी से कार्य कर रहे है। राज्य के प्रत्येक बस अड्डे पर डिस्पले बोर्ड लगाया जाएगा, जिसमें बसों के आने-जाने की पूरी जानकारी होगी।ऊर्जा विभाग से संबंधित विज ने कहा कि यमुनानगर में 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट को स्थापित करने के लिए बीएचईएल को कार्य आरंभ करने के लिए पत्र जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस थर्मल पावर प्लांट को स्थापित करने के लिएस वर्तमान सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिनों के भीतर सभी प्रकार की रुकावटों को दूर कर दिया गया है और बीएचईएल को पत्र जारी कर कार्य आरंभ करने के लिए कहा गया है।

राता कलां में कृषि मेले में मोटा अनाज को बढ़ावा देने की योजना व फायदे बताए

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि लगातार भाजपा सरकार जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाने में लगी है। बिजली की दरों में बढ़ोतरी करने के बाद अब जनता से नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर लूट की जा रही है। बिजली बिलों में नॉन एनर्जी चार्ज जोड़कर उपभोक्ताओं के पास उनकी रीडिंग से ज्यादा बिल भेजे जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जितनी बिजली लोग उपभोग करते हैं, उससे भी दो गुना से ज्यादा चार्ज जोड़कर उन्हें बिल थमाए गए हैं। बिजली कनेक्शन लेते समय उपभोक्ता विभाग को सिक्योरिटी जमा करवाता है। इसके बावजूद अब नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर हो रही इस अतिरिक्त वसूली से जनता बेहद परेशान है। लोग अपने बिजली बिलों को दुरुस्त करवाने के लिए विभाग के चक्कर काटने को मजबूर हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को कोई राहत देने के बजाय, भाजपा उन्हें परेशान करने के लिए नए-नए तरीके ढूंढती रहती है। पूरे कार्यकाल में कोई नया पावर प्लांट लगाना तो दूर, बीजेपी ने एक यूनिट भी बिजली उत्पादन नहीं किया। बावजूद इसके वो लगातार बिजली को महंगी करके जनता की परेशानी बढ़ा रही है। चंद दिन पहले ही सरकार ने 84 लाख बिजली उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 47 पैसे फ्यूल सरचार्ज एडजस्टमेंट के नाम पर लूटने का फरमान सुनाया था।

गुरुग्राम में फोरेंसिंक लैब स्थापित, अब जल्द हो सकेंगी फोरेसिंग जांच

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस केसों की जांच तेजी से हो, इसके लिए यहां पुलिस लाइन में जिला फोरेसिंक लैब शुरू की गई। इस लैब का उद्घाटन पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने कहा कि इस लैब को स्थापित करने का मुख्य उदेश्य विभिन्न केसों में तेजी लाना, केसों में फॉरेंसिक नतीजे जल्द से जल्द उपलब्ध करवाना है। इस लैब में अपराधों से संबंधित रिकॉर्डिंग की जांच के लिए फिजिक्स डिविजन, एंटी करप्शन की जांच के लिए डिविजन, साइबर फॉरेंसिक एक्सट्रैक्शन लैब भी स्थापित की जाएगी। इसके अलावा अनुसंधान के लिए ब्लड डिटेक्शन किट तथा नारकोटिक्स डिटेक्शन कीट भी मौका पर उपलब्ध करवाई जाएगी।

साथ ही इस लैब में पुलिस कर्मचारियों को ई-साक्ष्य पर घटनास्थल के वीडियो/फोटो तथा अन्य साक्ष्य अपलोड करने का भी परीक्षण/ट्रेनिंग दी जाएगी। इस लैब के माध्यम से विभिन्न केसों में फॉरेंसिक से संबंधित जांच को कुशल व प्रभावी बनाया जा सकेगा। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी जांच अधिकारियों को जांच में और अधिक प्रभावी बनाने के लिये समय-समय पर एक्सपर्ट को बुलाकर फॉरेंसिक से संबंधित तथ्यों से सम्बन्धित जानकारी देकर अवगत कराया जायेगा और ट्रेनिंग दी जाएगी। लैब के उद्घाटन अवसर पर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अर्पित जैन, पुलिस उपायुक्त अपराध राजेश कुमार, विभिन्न थानों के प्रबंधक, सीनियर साइंटिफिक असिस्टेंट डा. दीपक शर्मा सहित अनेक पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

गुरुनानक खालसा कालेज में हुई वित्तीय शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला

एजेंसी

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ तथा वाणिज्य विभाग ने राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) के सहयोग से युवा नागरिकों के लिए वित्तीय शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

कार्यशाला की शुरुआत कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. प्रतिमा शर्मा द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। जिन्होंने एनआईएसएम के वित्तीय शिक्षा संसाधन व्यक्तियों राजीव जैन और जलज जैन का अभिवादन किया। वाणिज्य विभाग की प्रमुख डॉ. जसविंदर कौर ने छात्रों के लिए वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण और रोजगार प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. राजिंदर सिंह वोहरा ने युवाओं को वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए तैयार करने के लिए वित्तीय जागरूकता की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. अशोक खुराना ने कार्यशाला के व्यापक विषयों को प्रस्तुत किया, जिससे आकर्षक और ज्ञानवर्धक सत्रों का माहौल तैयार हुआ। कार्यशाला के दौरान राजीव जैन ने बचत, निवेश, एनएसई, बीएसई, म्यूचुअल फंड, निवेश में जोखिम और अन्य प्रासंगिक विषयों पर

जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया, जिसका उद्देश्य युवा नागरिकों को वित्तीय नियोजन और निवेश के अवसरों के बारे में शिक्षित करना था। जबकि जलज जैन ने डीमैट खाते की अवधारणा में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की और इसे खोलने के तरीके पर एक लाइव प्रदर्शन किया। उन्होंने शेयर बाजार और इसमें व्यापार करने के तरीके पर एक व्यावहारिक सत्र भी आयोजित किया, जिसमें प्रतिभागियों को मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। कार्यशाला के अंत में, एक प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जहाँ छात्रों ने अपने संदेहों को स्पष्ट करने और वित्तीय अवधारणाओं में गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए वक्ताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रणदीप सिंह जौहर ने इस पहल की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं छात्रों को वित्तीय ज्ञान से सशक्त बनाने और उन्हें उन कौशलों से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

जींद मेडिकल कालेज की ओपीडी जल्द शुरू करने की कवायद तेज

एजेंसी

जींद। हैबतपुर मेडिकल कालेज में जल्द से जल्द लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, इसके लिए कवायद तेज हो गई है। जींद से भाजपा विधायक एवं डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने बुधवार को चंडीगढ़ में स्वास्थ्य शिक्षा के आला अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में हैबतपुर मेंडिकल कालेज तथा पैरा मेडिकल कोलेज को लेकर मंथन हुआ।

बैठक में साफ तौर पर डिप्टी स्पीकर ने निर्देश दिए कि वो तमाम अधिकारियों के साथ वीरवार को हैबतपुर मेडिकल कालेज का मुआयना करेंगे और वहां करवाए जा रहे प्रगति कार्यों की रिपोर्ट देखेंगे। यहां मौके पर ही अधिकारियों के साथ फिर से बैठक होगी और काम में तेजी लाने तथा जल्द से जल्द ओपीडी शुरू करवाने को लेकर तैयारियों का आंकलन किया जाएगा। बैठक में एसीएस मेडिकल एजुकेशन सुधीर राजपाल, डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन यशविंद्र सिंह, एचएसआरडीसी हरियाणा स्टेट रोड कार्पोरेशन के अधिकारी मौजूद रहे। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा हैबतपुर मेडिकल कालेज का वीरवार को दौरा करेंगे। इस दौरान पूरा स्वास्थ्य अमला यहां मौजूद रहेगा। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि उनके पिता स्व. डा. हरिचंद मिड्ढा का सपना था कि जींद का इंफ्रास्ट्रक्रर मजबूत हो और लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना न पड़े। अपने स्वर्गीय पिता के इसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का काम किया है।

राता कलां में कृषि मेले में मोटा अनाज को बढ़ावा देने की योजना व फायदे बताए

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देश पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन स्कीम के तहत गांव राता कलां में कृषि मेले का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला परिषद महेंद्रग? के जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि उपनिदेशक डॉक्टर देवेंद्र सिंह ने की। इस मौके पर किसान क्लब के प्रमुख वीरेंद्र भी मौजूद रहे।

डॉ राकेश कुमार ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए लोगों को सरकार द्वारा मोटा अनाज को बढ़ावा देने की योजना व फायदे के बारे में जानकारी दी। मोटा अनाज खाने से बीमारियां दूर रहती है। डीडीए डॉक्टर देवेंद्र सिंह ने किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के वैज्ञानिक डॉक्टर जयलाल ने कम पानी में ज्यादा पैदावार के साथ-साथ गेहूं की नई किस्म के बारे में तथा पशु चिकित्सक डॉ नितिन सोनी ने किसानों को पशुओं में आने वाली बीमारियों तथा गाय व भैंस पर सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी के बारे में जानकारी दी। मेले में सब्जियों की पौध, खाद, दवाइयां व कृषि यंत्र से संबंधित स्टाल विस्तार से बताया। मेले में लगभग 800 किसानों ने अपना पंजीकरण करवाया जिसमें महिला किसानों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

लगाकर किसानों को जानकारी दी। उप मंडल कृषि अधिकारी डॉ मनमीत ने खाद के संतुलित प्रयोग के बारे में व जैविक कार्बन बढ़ाने के बारे में किसानों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कर जीतने वाले किसान को सम्मानित किया गया।

NAME CHANGE

I hitherto known as RENU GUPTA alias GARG RENU alias RENU GARG W/o RAMESH GARG, residing at Gargs Shack, Chhota Khera, Jagadhri, Bilaspur, Yamuna Nagar, Haryana-135102, have changed my name and shall hereafter be known as RENU GARG, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SANDEEP PREM PRAKASH KHANNA alias SANDEEP KHANNA S/o PREM PRAKASH KHANNA residing at H - 4/6, DLF City Phase I, Gurgaon, Haryana - 122002 have changed my name and shall hereafter be known as SANDEEP KHANNA.

हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 116 केंद्रों पर लग रहे पंजीकरण शिविर

एजेंसी

गुरुग्राम। हर घर-हर गृहिणी योजना की समीक्षा बैठक एडीसी हितेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने इस योजना की पात्रता व पंजीकरण के लिए अपनाए जा रहे मापदंडों की जानकारी ली। डीएफएसओ सौरभ कुमार ने बैठक में बताया कि कुल 116 डिपो होल्डर स्तर पर पंजीकरण शिविर लगाने की व्यवस्था की गई है। योजना अनुसार अंत्योदय अन्न योजना(एएवाई) व गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) राशन कार्ड धारक महिलाएं योजना में पंजीकरण के लिए पात्र हैं। योजना के तहत पंजीकृत परिवार की महिला मुखिया को मात्र 500 रुपये के भुगतान पर एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा, सिलेंडर की अतिरिक्त कीमत पर सरकार की ओर से सब्सिडी के जरिए भुगतान किया जाएगा। योजना अनुसार पंजीकरण के लिए आवश्यक है कि पात्र महिला शिविर में परिवार पहचान पत्र(पीपीपी) के अलावा इसके साथ पंजीकृत मोबाइल नंबर की जानकारी व बैंक खाता पास बुक

जैसे जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए। डीएम सीएससी विकास पूनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के कुल 116 सीएससी सहायक इन पंजीकरण शिविर में नियुक्त किए गए हैं। एडीसी हितेश कुमार ने कहा कि शिविर में हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत किए जा रहे पंजीकरण की फील्ड निरीक्षण करने के लिए जिला स्तर टीम नियुक्त की गई है। ऐसे में सभी कर्मचारी अपने स्तर पर सेवाएं सुनिश्चित करें। साथ ही गैस एजेंसी, बैंक व अन्य सबंधित सहयोगी विभाग अपने स्तर समन्वय कर पंजीकरण शिविर की पूर्ण सफलता सुनिश्चित करें। आदेश की पालना में लापरवाही बरतने पर संबंधित के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली में जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन करने के बाद हथकरघा क्षेत्र से आधुनिकता, परंपरा और नवीनता के साथ प्रीमियम बाजारों को लक्षित करने का आग्रह किया। उन्?होंने हथकरघा बुनकर ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा कि उभरते ई-कॉमर्स बाजार को लक्षित करने के लिए हथकरघा उत्पादों की टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल प्रकृति, प्राकृतिक रंगाई, जैविक फाइबर के लाभ और हथकरघा उत्पादों के डिजाइन की विशिष्टता के बारे में व्यापक जागरुकता पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक ई-कॉमर्स के 325 अरब डॉलर का बाजार बनने की उम्मीद है। गिरिराज सिंह ने संगठित या कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत कपड़ा उद्योग से हथकरघा बुनकरों के लिए सामाजिक सुरक्षा और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करते हुए स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिए एक मॉडल विकसित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कपड़ा मंत्रालय कॉरपोरेट्स, उत्पादक कंपनियों, स्टार्ट-अप्स के लिए पुरस्कार शुरू करेगा, जो हथकरघा उद्योग के लिए ऐसा मॉडल तैयार करेगा और हथकरघा बुनकरों को साल में न्यूनतम 300 दिन का स्थायी रोजगार प्रदान करेगा।

एमएनआरई ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अधिसूचित किया

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को अधिसूचित किया है। यह संशोधित आदेश प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद प्रभावी होगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) अधिनियम, 2016 के तहत 27 जनवरी को अधिसूचित राजपत्र में मौजूदा सौर फोटोवोल्टिक्स, प्रणाली, उपकरण और घटक वस्तु (अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं) आदेश, 2017 को संशोधित किया गया है। इस आदेश में सौर पीवी मॉड्यूल, सौर पीवी अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले इनवर्टर और स्टोरेज बैटरी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि अधिक जानकारी एमएनआरई की आधिकारिक वेबसाइट www.mnre.gov.in पर जाकर ली जा सकती है। संशोधित आदेश भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है, जो प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद लागू होगा। संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश सभी संबंधित हितधारकों-सौर पीवी मॉड्यूल निर्माताओं, इन्वर्टर निर्माताओं, भंडारण बैटरी निर्माताओं, उत्पादों के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) और बीआईएस के साथ 24 महीने से अधिक समय तक उचित परामर्श के बाद अधिसूचित किया गया है।

रेक्सप्रो एंटरप्राइजेज ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। फर्नीचर का कारोबार करने वाली कंपनी रेक्सप्रो एंटरप्राइजेज ने आज स्टॉक मार्केट में अपने निवेशकों को काफी निराश किया। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 19.31 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 145 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर शेयरों की 19.31 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 117 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को डबल शॉक उस समय लगा, जब ये शेयर टूट कर 111.15 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 23.34 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। रेक्सप्रो इंटरप्राइजेज का 53.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को खुदरा निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 17.67 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

डेंटा वाटर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट लेवल पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। वाटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली कंपनी डेंटा वाटर की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 294 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई में इसकी लिस्टिंग 330 रुपये के स्तर पर और एनएसई में 325 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 12 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 346.45 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 17.84 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। डेंटा वाटर का 220.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.54 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 236.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में तेजी, 83 हजार के पार पहुंचा सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार चार दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज सोना 870 से 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी में आज सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम की ही तेजी नजर आ रह है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 83,010 रुपये से लेकर 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 76,110 रुपये से लेकर 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 83,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22

कैरेट सोने की कीमत 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 76,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 83,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 76,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 83,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में उछाल दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 82,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

केंद्र ने कुछ प्रकार की नौकाओं, वाहनों के आयात पर लगा प्रतिबंध हटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कुछ प्रकार की गश्ती नौकाओं और वाहनों पर आयात प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इनका आयात मुख्य रूप से फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग और ब्रिटेन से किया जाता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में बताया कि गश्ती या निगरानी नौकाओं, एयर-कुशन वाहनों और रिमोट से संचालित वाहनों की आयात नीति को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध से मुक्त में संशोधित किया गया है। डीजीएफटी ने एक अलग अधिसूचना में कहा कि उसने वार्षिक निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) रिटर्न दाखिल करने के लिए एक ऑनलाइन मॉड्यूल शुरू किया है। आरओडीटीईपी के तहत कच्चे माल उत्पादों पर लगाए गए विभिन्न केंद्रीय और राज्य शुल्क, कर और शुल्क,

सत्यमेव जयते
विदेश व्यापार महानिदेशालय
DIRECTORATE GENERAL OF
FOREIGN TRADE

निर्यातकों को वापस कर दिए जाते हैं। अभी आरओडीटीईपी की दरें 0.3 फीसदी से 4.3 फीसदी के बीच हैं। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-नवंबर के दौरान इन वस्तुओं का आयात 4.6 लाख डॉलर रहा है। इन वस्तुओं को मुख्य रूप से फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग और यूके से आयात किया जाता है।

भारत अभूतपूर्व गति, पैमाने और दायरे के साथ वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में अग्रणी : जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत अभूतपूर्व गति, पैमाने और दायरे के साथ वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है। ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के तीसरे भारत ऊर्जा परिवर्तन सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने फिक्की हाउस में आयोजित सम्मेलन के दौरान भारत की ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति पर जोर देते हुए विश्वास व्यक्त किया। उन्?होंने कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता हासिल कर लेगा, जो 2047 तक 1800 गीगावाट क्षमता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। जोशी ने इस अवसर पर पॉवरिंग इंडियाज एनर्जी ट्रांजिशन का भी विमोचन किया। सम्?मेलन को संबोधित करते हुए उन्?होंने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विकास की गति, पैमाने और दायरे के बारे में बात की। जोशी ने अपने संबोधन में रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने न केवल महत्वाकांक्षी ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि उन्हें रिकॉर्ड

गति से प्राप्त भी किया है। भारत ने पहले ही लगभग 100 गीगावाट सौर क्षमता हासिल कर ली है, जबकि आने वाले वर्षों में सालाना 50 गीगावाट नई अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की तैयारी है। पिछले दस वर्षों में भारत की स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता में लगभग 200 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 2014 में 75.52 गीगावाट से बढ़कर आज 220 गीगावाट हो गई है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए शुल्क में 80 फीसदी की कमी आई है, जो 2010-11 में 10.95 रुपये प्रति यूनिट से घटकर केवल 2.15 रुपये प्रति यूनिट रह गया है, जिससे भारत किफायती अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बन गया है। जोशी ने कहा कि भारत ने न केवल महत्वाकांक्षी ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि उन्हें रिकॉर्ड गति से हासिल भी कर रहा है।

प्रल्हाद जोशी ने प्रयागराज के लिए हवाई किराये में वृद्धि पर डीजीसीए को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्री प्रहलाद जोशी ने महाकुंभ मेले के दौरान प्रयागराज के लिए हवाई किराये में वृद्धि का मुद्दा नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के समक्ष उठाया है। उन्होंने डीजीसीए को लिखे पत्र में 'अत्यधिक' हवाई किराये को तर्कसंगत बनाने को कहा है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के आयोजन से हवाई किराये में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ के अत्यधिक हवाई किराये पर चिंता व्यक्त करते हुए 'एक्स' पोस्ट पर लिखा है कि, इससे श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक समागम में हिस्सा लेना मुश्किल हो रहा है। जोशी ने आगे कहा कि, ''हवाई किराया ज्यादा महंगा होने से लोगों का महाकुंभ में आने के लिए योजना बनाना मुश्किल हो गया है।'' उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए हमने हवाई किराये की कीमतों को कम करने के लिए कदम उठाने के लिए डीजीसीए को पत्र लिखा है। इससे पहले नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के लिए हवाई किराये को

तर्कसंगत बनाने के कदम उठाए जा रहे हैं। डीजीसीए अधिकारियों ने पिछले हफ्ते विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की है, जिसमें उनसे अधिक उड़ानों का संचालन करने और टिकट की कीमतों को ज्यादा तर्कसंगत बनाने का आग्रह किया गया है।उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में यात्रा मंच इक्सिगो ने कहा था कि प्रयागराज महाकुंभ 2025 के लिए उड़ानों की बुकिंग के साथ-साथ हवाई किराये भी कई गुना बढ़ गए हैं, क्योंकि बहुत ज्?यादा लोग महाकुंभ के लिए यात्रा कर रहे हैं। दिल्ली-प्रयागराज उड़ानों के लिए हवाई टिकट की कीमतें 21 फीसदी तक बढ़ गई हैं।

सीबीआईसी ने 2,246 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त नशीली दवाएं नष्ट कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 2,246 करोड़ रुपये मूल्य की 10,413 किलोग्राम जब्त नशीली दवाएं और 94.62 लाख गोलियां नष्ट कीं है। यह नशीली दवाएं 11 से 26 जनवरी के बीच चलाए गए अभियान के दौरान बरामद की गई थीं। वित्त मंत्रालय ने बताया कि सीबीआईसी के क्षेत्रीय दस्तों ने 11 से 26 जनवरी तक चलाए गए अभियान के दौरान करीब 7,844 किलो ग्राम गांजा, 1,724 किलो ग्राम मेथाक्वालोन (मैंड्रैक्स), 560 किलो ग्राम हशीश/चरस, 130 किलो ग्राम मेथामफेटामाइन, 105 किलो ग्राम केटामाइन, 23 किलो ग्राम हेरोइन, 20 किलो ग्राम कोकीन, 7 किलो ग्राम एमडीएमए, 94.16 लाख ट्रामाडोल एचसीएल गोलियां, 46,000 अल्प्राजोलम गोलियां और विभिन्न दवाओं के इंजेक्शन के 586 एम्पुल को नष्ट किए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि नष्ट किए गए एनडीपीएस का अवैध अंतरराष्?ट्रीय बाजार मूल्य करीब 2246 करोड़ रुपये है। पूरे भारत में

कई स्थानों पर सुरक्षित और गैर-खतरनाक तरीके से इसे नष्ट किया गया है। ड्रग डिस्पोजल अभियान न केवल एनडीपीएस तस्करी से निपटने के लिए सीबीआईसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि इसका उद्देश्य इस संबंध में सीबीआईसी की पहलों के बारे में जनता के बीच जागरुकता को बढ़ावा देना भी है।

सीआईआई उत्तराखंड के औद्योगिक शिखर सम्मेलन और एक्सपो के छठे संस्करण का शुभारंभ

एजेंसी

हरिद्वार। उत्तराखंड सरकार और भारतीय उद्योग परिसंघ के संयुक्त तत्वावधान में सीआईआई उत्तराखंड औद्योगिक शिखर सम्मेलन और एक्सपो के छठे संस्करण का आयोजन किया गया। सिडकुल हरिद्वार में हुए इस आयोजन का उद्घाटन महानिदेशक एवं आयुक्त उद्योग और प्रबंध निदेशक सिडकुल प्रतीक जैन ने किया।

एक्सपो और शिखर सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए प्रतीक जैन ने कहा कि उत्तराखंड को ईओडीबी रैंकिंग और स्टार्टअप रैंकिंग में अग्रणी स्थान दिया गया है। उन्होंने बताया कि उद्योगों को सभी स्वीकृतियां 15 दिन की समय-सीमा में मिल जाती हैं। हरिद्वार में एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो बन रहा है तथा खानपुर हरिद्वार, खुरपिया और पराग फार्म में लैंडबैंक बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देने के लिए सेलाकुई, हरिद्वार और पंतनगर में फ्लैट फैक्टरियां स्थापित की जा रही हैं एमएसएमई और विक्रेता विकास कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देने वाले इस बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) औद्योगिक शिखर सम्मेलन का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना है। भारतीय रेलवे रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स, आरडीएसओ लखनऊ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, पीटीसीयूएल गुरुवार को एमएसएमई एंटरप्रेन्योर के साथ बातचीत करेंगे।500 वर्ग मीटर में फैला और 50 प्रदर्शकों की उपस्थिति वाला यह शिखर सम्मेलन विनिर्माण प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डालता है। यह बड़े उद्योगों और एमएसएमई के बीच संबंध बनाने, व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने और उद्योग प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सीआईआई उत्तराखंड के अध्यक्ष और एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक कनिष्क जैन ने इस बात पर जोर दिया कि औद्योगिक शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई को व्यवसाय विकास में समर्थन देना और उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इंडस्ट्रियल समिट एंड एक्सपो के चेयरमैन और हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड हरिद्वार के प्लांट हेड यशपाल सरदाना ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी टेक्नोलॉजी कैसे काम करती हैं। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन उद्योग को सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने और उनकी बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इस अवसर पर सीआईआई शिक्षा और कौशल पैनल के सह संयोजक और रूड़की इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, सीआईआई उत्तराखंड के पूर्व अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा और एसएमएयू, आरएसएसआईए, बीआईडीडब्ल्यूए और एसईडब्ल्यूए सहित औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भविष्य के व्यवसायों के लिए नवाचार पर सम्मेलन को 20 से अधिक वक्ताओं ने संबोधित किया और 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

केंद्र ने लेबलिंग प्रावधानों में संशोधनों के अनुपालन के लिए संरचित समय-सीमा की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेबलिंग प्रावधानों में संशोधनों के अनुपालन के लिए संरचित समय-सीमा की घोषणा की है। यह निर्णय लेबलिंग संशोधनों के अनुपालन के लिए सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करता है, तथा व्यवसायों को अनुकूलन के लिए पर्याप्त समय प्रदान करता है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि व्यापार और उपभोक्ता संरक्षण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम के रूप में केंद्र ने विधिक माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के तहत संशोधनों को लागू करने के लिए एक संरचित समय-सीमा पेश की है। मंत्रालय के मुताबिक नए ढांचे के तहत

उपभोक्ता मामले विभाग
DEPARTMENT OF
CONSUMER AFFAIRS
सत्यमेव जयते

लेबलिंग प्रावधानों में कोई भी संशोधन किसी दिए गए वर्ष की एक जनवरी या 1 जुलाई को प्रभावी होगा। यह अधिसूचना की तारीख से 180 दिनों की न्यूनतम नोटिस अवधि के अधीन होगा। इसको संरचित दृष्टिकोण उपभोक्ता हितों की रक्षा करते हुए व्यवसायों के लिए स्पष्टता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह निर्णय व्यापार में आसानी सुनिश्चित करने और व्यवसायों के लिए अनुपालन बोझ को कम करने के साथ-साथ उपभोक्ता कल्याण के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक असाधारण या अपवाद की स्थितियों में संशोधनों के कार्यान्वयन के संबंध में निर्णय मामला-दर-मामला आधार पर किये जा सकते हैं, जिससे जनहित से समझौता किए बिना समयबद्ध और व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित हो सके। ये निर्णय उपभोक्ता संरक्षण और कारोबार में आसानी के बीच संतुलन बनाने तथा उद्योग हितधारकों पर अनुपालन बोझ कम करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

मारुति सुजुकी इंडिया को तीसरी तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमआईएस) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 16 फीसदी बढ़कर 3,727 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 3,207 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 38,764 करोड़ रुपये हो गई, जो विगत वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में 33,513 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने सुजुकी मोटर गुजरात को

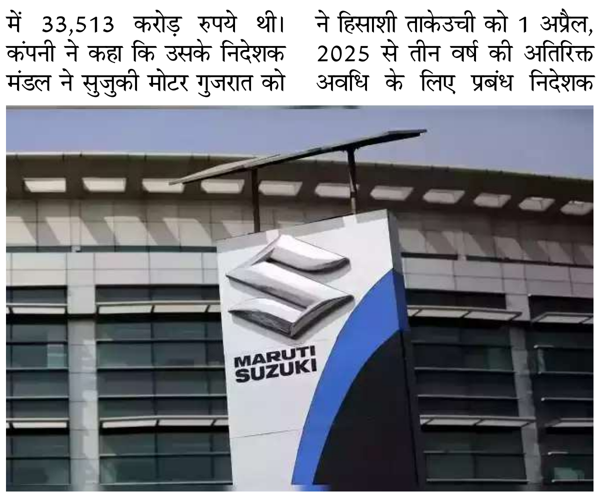

मोटर वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी में विलय करने की योजना को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची को 1 अप्रैल, 2025 से तीन वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में फिर से नियुक्त करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

मारुति सुजुकी के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची की पुनर्नियुक्ति को दी मंजूरी

नई दिल्ली। देश की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमआईएसएल) के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची को प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। हिसाशी ताकेउची की यह नियुक्ति एक अप्रैल से तीन साल की अवधि के लिए होगी। मारुति सुजुकी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि निदेशक मंडल ने 29 जनवरी को एक बैठक में 31 मार्च, 2028 तक तीन साल की अतिरिक्त अवधि के लिए हिसाशी ताकेउची की एमडी एवं सीईओ के रूप में नियुक्त के प्रस्?ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने हिसाशी टेकाउची को पहली बार एक अप्रैल, 2022 से तीन साल के लिए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया था। वे जुलाई, 2019 से मारुति सुजुकी के बोर्ड में हैं। इससे पहले वे अप्रैल, 2021 से अपनी पदोन्नति तक संयुक्त प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक) थे। हिसाशी टेकाउची वर्ष 1986 में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन (एसएमसी) में शामिल हुए। उन्हें एसएमसी के अंतरराष्ट्रीय परिचालन के साथ-साथ विदेशी बाजारों में भी व्यापक अनुभव है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में मजबूती, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत ग्लोबल संकेतों और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। इंडेक्स शेयरों के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी आज जोरदार तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण निवेशकों को एक दिन में ही करीब 8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण कुछ देर के लिए सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 8 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 416.94 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 409 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.94 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,082 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,979 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,009 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,558 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,152 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 406 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.83 अंक की तेजी के साथ 76,138.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक फिसल कर 75,975.80 अंक के स्तर तक आ गया।

बसंत पंचमी के दिन घर पर बनाएं ये डिशेज, जानें रेसिपी

बसंत पंचमी इस साल 2 फरवरी को मनाई जा रही है. इस अवसर पर लोग पीले रंग के कपड़े पहनते हैं और पीले रंग में ही स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं. ऐसे में पंजाब, बंगाल और गुजरात में बसंत पंचमी के दिन बनाएं जाने वाली इन रेसिपी को घर पर आसानी से बना सकते हैं.

इस साल बसंत पंचमी 2 फरवरी को मनाई जा रही है. यह पर्व विशेष रूप से वसंत ऋतु के आगमन का स्वागत करता है, जो ठंड के बाद हल्की गर्मी और फूलों से सजने वाली प्रकृति का प्रतीक है. बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा विशेष रूप से की जाती है, जो ज्ञान, संगीत, कला और बुद्धिमत्ता की देवी मानी जाती हैं.

बसंत पंचमी के दिन लोग पीले रंग के कपड़े पहनते हैं. साथ ही पीले रंग के पकवान इस दिन बनाए जाने का बहुत महत्व है. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इस पर्व पर अलग-अलग तरह के पीले पकवान बनाए जाते हैं.

गुजरात का मूंग ढोकला

बसंत पंचमी के दिन गुजरात में गुजराती खांडवी, कद्दू का हलवा और मूंग ढोकला जैसे स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जाते हैं. इसे घर पर बनाने भी काफी आसान हैं. इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो मूंग दाल को धोकर रखना है. इसके बाद इसे ग्राइंडर में पीस लें. इसके बाद इसमें अदरक और मिर्च का बना पेस्ट मिलाएं. फिर इसमें हल्दी, नमक और दही डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. अब इस बैटर को 10 से 20 मिनट के लिए ढककर रख दें. इसके बाद इस बैटर में फ्रूट साल्ट डालकर मिलाएं और 10 मिनट के लिए स्टीम करें. इसे ठंडा होने के बाद ढोकले के आकार में काट लें. अब एक पैन में थोड़ा तेल डालकर गर्म करें. उसमें सरसों के बीज, स्वादानुसार नमक, हरी मिर्च और चीनी डालकर तड़का लगाएं. इसे ढोकले के ऊपर डालकर सर्व करें.

बंगाली पायेश

बंगाली पायेश यानी की चावल की खीर इसे बनाने भी बहुत आसान है. इसके लिए सबसे पहले तो पतीले में दूध डालकर उसे धीमी आंच पर उबलने के लिए रख दें. अब चावल को अच्छे से धोकर कुछ देर भिगोकर रख दें. जब दूध थोड़ा कम होने लगे, तब उसमें चावल डालकर अच्छे से पकाएं. चावल पकने के बाद गुड़ डालकर मिक्स करें. साथ ही आप इसमें इलायची पाउडर और केस भी मिक्स कर सकते हैं. अब खीर गाढ़ी होने तक उसे पकाएं. इसके बाद इसमें सूखे मेवे डालें और सर्व करें.

पंजाब में मीठा चावल

पंजाब में बसंत पंचमी पर मीठे चावल बहुत बनाए जाते हैं. एक बर्तन में 2 कप पानी और 1/2 कप दूध डालकर उबालें. पानी उबालने के बाद, इसमें चावल डालकर ढक कर धीमी आंच पर पका लें. चावल पकने में लगभग 10-15 मिनट लग सकते हैं. ध्यान रखें कि चावल अच्छे से पक जाएं लेकिन ज्यादा गिले न हो. एक पैन में घी गर्म करें. उसमें काजू, बादाम और किशमिश डालकर थोड़ी देर तक भूने, जब तक वे सुनहरे न हो जाएं. अब इस तड़के में चीनी, इलायची पाउडर डालें और अच्छे से मिला लें. फिर इस मिश्रण को पकाए हुए चावलों में डालें. सभी चीजों को अच्छे से मिला कर कुछ मिनटों तक और पकने दें. जब चावल अच्छी तरह से मिक्स हो जाएं, तो इन्हें गरमा-गरम परोसें. इसे नारियल या मेवों के साथ सजाकर भी सर्व कर सकते हैं.

फर्नेस ऑयल और पिटकोक ईंधन बन रहा मौत का वाहक

प्रदूषण को लेकर दुनिया में भले ही कितनी भी चिंता व्यक्त की जाती हो, कितने ही बड़े बड़े सम्मेलन होते हो, दुनिया के देशों के प्रमुखों द्वारा कितनी ही साझा बैठकें कर चिंता व्यक्त की जाती हो, कितनी ही गंभीरता का ताना-बाना बुना जाता हो पर धरातल पर देखे तो परिणाम बेहद चौंकाने वाले और गंभीर चिंता का कारण है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की 2024 की रिपोर्ट की ही माने तो वायु प्रदूषण अकारण मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। ग्लोबल एयर की ही रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में सालाना 81 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत का शिकार हो जाते हैं। यदि भारत की ही बात करें तो सालाना 21 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जिंदगी की जंग हार जाते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि दुनिया के देशों में होने वाली 8 मौतों में से एक मौत का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है।

ऐसा नहीं है कि सरकारें या न्यायालय या विश्व के राजनेता इससे चिंतित नहीं हो, अपितु लाख गंभीरताओं के बावजूद जो परिणाम सामने आ रहे हैं वह कहीं ना कहीं हमारी व्यवस्था की पोल खोल कर ही रख रहे हैं। अब भारत की ही बात की जाए तो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2017 में एक जनहित याचिका पर निर्णय करते हुए फर्नेस ऑयल और पिटकोक के उपयोग पर रोक लगा दी गई। खासतौर से एनसीआर से जुड़े प्रदेशों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में यह रोक लगाई गई। इसी के क्रम में उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र सहित देश के अनेक प्रदेशों में इसको लेकर गाईड लाईन जारी की जा चुकी है। पर इस सबके बावजूद पेट्रोलियम प्लानिंग एण्ड एनालिसिस सेल के आंकड़े साफ साफ चिढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं। इस साल ही अप्रेल, 24 से दिसंबर, 24 तक के आंकड़ें बताते हैं कि रोक व सख्ती के बावजूद नौ माह में ही 49 लाख 95 हजार मैट्रिक टन फर्नेस ऑयल और एलएसएचएस का घरेलू उपयोग हुआ है। इसी तरह से पिटकोक का उपयोग 161 लाख 12 हजार मैट्रिक टन रहा है। तस्वीर का एक पहलू यह है कि 1997-98 में देश में 114 लाख 94 हजार मैट्रिक टन फर्नेस ऑयल और एलएसएचएस का उपभोग हो रहा था वहीं 1997-98 में 2 लाख 77 हजार मैट्रिक टन पिटकोक का उपभोग हो रहा था। इसके बाद हांलाकि फर्नेस ऑयल व अन्य के उपयोग में उतार चढ़ाव रहा है पर जहां तक पिटकोक के उपयोग में बेतहासा बढ़ोतरी हुई है। खासतौर से रियल एस्टेट ने पिटकोक के उपयोग को कई गुणा बढ़ा दिया है वहीं पिछले कुछ सालों से फर्नेस ऑयल व एलएसएचएस का उपयोग में कोई खास कमी नहीं आ रही है। बल्कि सारी बात साफ होती जा रही है कि वायु प्रदूषण में प्रमुख भूमिका निभा रहे इन दोनों ईंधनों के उपयोग पर जो कार्रवाई न्यायालय के आदेशों की भावना और एनजीटी के प्रयासों से होना चाहिए था वह कम से कम धरातल पर तो दिखाई नहीं दे रही है।

दरअसल देखा जाए तो फर्नेस ऑयल व पिटकोक गैर नवीकरणीय जीवाश्म ईंधन है। विशेषज्ञों का तो यहां तक मानना है कि इनका अनुचित स्टोरेज तक भूमि और भूजल दोनों को नुकसान पहुंचाने वाला है। जब स्टोरेज करने मात्र से नुकसान पहुंचाने वाला है तो इस ईंधन को जलाने से कितना नुकसान हो सकता है इसकी गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि फर्नेस ऑयल के ईंधन के रुप में उपयोग से ग्रीन हाउस में हानिकारक कण फैलते हैं और देखा जाए तो हवा में जहर घुलने लगता है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिटकोक और फर्नेस ऑयल में सल्फर हैं। पेटकोक में 65 हजार से 75 हजार पीपीएम और फर्नेस ऑयल में 22 हजार पीपीएम स्तर है। वायु प्रदूषण में पीपीएम का मतलब साफ है कि हवा में गैस के प्रति मिलियन भाग है। रसायन विज्ञान में वायुमण्डल के गैसों की सांद्रता को बताने के लिए पीपीएम का प्रयोग किया जाता है। फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईंधन के रुप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधें, यहां तक की पशु पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल के ईंधन के रुप में उपयोग से वायु प्रदूषण तो होता ही है साथ ही सीधे सीधे यह हमारें फेफड़ों को प्रभावित करता है। इससे फेफड़ों की क्षमता कम होने के साथ ही सांस जनित रोग यहां तक की फेफड़ों के कैंसर की संभावनाएं तेजी से बनती है। दमा, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जिसे सीओपीडी भी कहते हैं और फेफड़ों के कैंसर की संभावना बन जाती है। इसके साथ ही इससे जुड़ी अन्य गंभीर बीमारियां जकड़ने लगती है। यह सब जानकारी में होने के बावजूद फर्नेस ऑयल या पिटकोक जिसे पेट्रोलियम कोक भी कहते हैं के उपयोग में जिस तरह से कमी आनी चाहिए थी या जिस तरह से इनके विकल्प के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए था वह हो नहीं पाया और सब कुछ होने और सरकार के पास आंकड़े होने के बावजूद इनके उपयोग पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है।

दरअसल सस्ता ईंधन होने के कारण फर्निस ऑयल आदि का उपयोग इण्डस्ट्रीज में तो हो ही रहा है मेट्रो सिटीज ही नहीं बल्कि अब तो छोटे बड़े शहरों में भी होटलों, ढ़ाबों, रेस्ट्राओं, बड़े चाट-पकोड़ी आदि फास्ट फूड बनकार बेचने वालों द्वारा आम होता जा रहा है। मजे की बात यह है कि फर्नेस ऑयल जैसे वायु प्रदूषण का कारक और स्वास्थ्य के लिए अति गंभीर ईंधन का उपयोग हो रहा है और इसकी पुष्टि पेट्रोलियम प्लानिंग एण्ड एनालिसिस सेल के आंकड़ें सिद्ध कर रहे हैं। ऐसे में एनजीटी, राज्यों के पर्यावरण मंत्रालय, पर्यावरण क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी और गैर सरकारी संगठनों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। एक और जहां अवेयरनेस की आवश्यकता है तो फर्नेस ऑयल का उपयोग करने वालों को समझाइस के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर सख्ती भी करनी होगी। एक और देश ग्रीन एनर्जी और ईंधन के रुप में एलपीजी से भी एक कदम आगे सीएनजी और पीएनजी की और तेजी से आगे बढ़ रहा हैं वहीं कुछ लोग निजी लाभ के चक्कर में वायु प्रदूषण फैलाकर सीधे आमआदमी के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले ईंधन फर्नेस ऑयल और पिटकोक आदि का सरेआम उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में सरकार और गैरसरकारी संस्थाओं का दायित्व हो जाता है कि वह आगे आएं और इनके प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। यह समय की मांग और प्रकृति को विकृत होने से बचाने के लिए भी आवश्यक हो जाता है।

संपादकीय

सवालों में यूसीसी का फैसला

27 जनवरी से उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता यानी यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू हो गया है। भाजपा शुरुआत से यूसीसी की वकालत करती आई है। उसके चुनावी घोषणापत्र में यूसीसी लागू करने का वादा किया जा चुका है। फिलहाल भाजपा शासित उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। जिस तरह से इसे भाजपा की बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है, आश्चर्य नहीं कि जल्द ही दूसरे भाजपा शासित राज्यों में ऐसा ही फैसला लिया जाए।

यूसीसी लागू होने के बाद उत्तराखंड में सभी धर्मों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र लड़कों के लिए 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल होगी, तलाक के नियम और प्रक्रियाएं एक समान होंगी, वहीं दूसरी शादी की अनुमति तभी होगी, जब पहली पत्नी से तलाक हो चुका हो या वह नहीं रही हो। अब सभी धर्मों में बेटियों को माता-पिता की संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा और सभी धर्मों की महिलाओं को गोद लेने का समान अधिकार भी होगा। यूसीसी में एक बड़ा फैसला लिव-इन रिलेशनशिप यानी बिना विवाह के सहजीवन में रहने वालों के लिए है, ऐसे जोड़ों को अब रजिस्ट्रेशन करवाना होगा और इसके लिए दोनों का बालिग होना जरूरी है, साथ ही उनके बीच खून का रिश्ता या पारिवारिक संबंध नहीं होना चाहिए। यूसीसी में प्रावधान है कि अगर लिव इन में रहते हुए बच्चा होता है, तो उसे वैध माना जाएगा। लिव-इन रिश्ता खत्म होने पर महिला भरण-पोषण और गुजारा भत्ता का दावा कर सकेगी। अगर किसी ने एक महीने के भीतर लिव-इन का रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया, तो उसे 3 महीने की जेल और 10 हजार रुपये का जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी देने पर जुर्माना बढ़कर 25 हजार रुपये तक हो सकता है। यूसीसी में उत्तराखंड की अनुसूचित जनजातियों को छूट दी गई है, इन्हें संविधान के भाग 21 के तहत संरक्षण प्राप्त है। ये जनजातियां राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 3 प्रतिशत हैं।भाजपा यूसीसी को प्रगतिकारी और महिला समर्थक कानून के तौर पर पेश कर रही है। लेकिन बारीकी से पड़ताल करें तो यह भाजपा की तरफ से संविधान बदलने की कोशिश का एक और कदम नजर आएगा। संविधान के भाग चार के अनुच्छेद 44 में वर्णित नीति निर्देशक तत्वों में कहा गया है- %राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।' गौरतलब है कि यहां राज्य का तात्पर्य संघ सरकार से है। इसलिए केंद्र सरकार नहीं बल्कि कोई राज्य यूसीसी लागू करे तो यह सीधे तौर पर संविधान की अवहेलना है।प्रधानमंत्री ने पिछले साल जुलाई में मुस्लिम पर्सनल लॉ का जिक्र करते हुए कहा था कि, %एक घर में, यदि एक सदस्य के पास एक कानून है और दूसरे सदस्य के पास दूसरा कानून है, तो क्या वह घर, परिवार चल सकता है? तो दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चलेगा?' लेकिन अब उन्हीं की नाक के नीचे एक राज्य ने यूसीसी लागू कर दिया, यानी उत्तराखंड में एक व्यवस्था लागू हो गई और बाकी राज्य में दूसरी व्यवस्था लागू है। अब क्या श्री मोदी ये बताएंगे कि एक राज्य के नागरिकों को अलग कानून और दूसरे राज्य के नागरिकों को अलग कानून का पालन क्यों करना पड़ रहा है।उत्तराखंड के यूसीसी में संविधान का हवाला देते हुए अनुसूचित जनजातियों को अलग रखा गया है। लेकिन सरकार को संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 क्यों नहीं याद रहे जो धार्मिक स्वतंत्रता के मूल अधिकारों की व्याख्या करते हैं। अनुच्छेद 25 कहता है, %सभी व्यक्ति अंतरात्मा की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, अभ्यास करने और प्रचार करने के समान रूप से हकदार हैं'। वहीं अनुच्छेद 26 कहता है कि सभी संप्रदाय धर्म के मामलों में अपने स्वयं के मामलों का प्रबंधन कर सकते हैं। लेकिन यूसीसी के तहत इस अधिकार को खत्म किया जा रहा है।उत्तराखंड सरकार के फैसले को जमीयत उलमा-ए-हिंद ने नैनीताल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्णय लिया है। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी का मानना है कि यूसीसी न केवल नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला है,.

कांग्रेस लगभग अकेली है सामाजिक न्याय की लड़ाई में

न्याय की इस लड़ाई का फलक वैसे तो काफी बड़ा होना था और उसमें वे सारे दल शामिल होकर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ते जो राहुल गांधी द्वारा निकली दोनों भारत जोड़ो यात्राओं में संग-संग चले थे, क्योंकि सामाजिक न्याय का यह तत्व उन्हीं दो यात्राओं से निकला है। दूसरे, जो भी भाजपा के खिलाफ लड़ाई में इंडिया के साथ लड़ने को उतरे हैं।वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य से दो बातें बिलकुल साफ हैं- पहली तो यह कि सामाजिक ध्रुवीकरण का मुकाबला केवल सामाजिक न्याय के जरिये ही सम्भव है; और दूसरे, न्याय की इस लड़ाई में कांग्रेस लगभग अकेली है। इसमें कुछ साथी ज़रूर उसके साथ यदा-कदा दिख पड़ते हैं लेकिन उनका साथ स्थायी मानकर न ही चला जाये तो बेहतर होगा। जिस ढंग से कांग्रेस ने सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक न्याय का एक मुकम्मल पैकेज पेश किया है, उसे आगे बढ़ाने की ताकत ज्यादातर सियासी दल खो चुके हैं- फिर चाहे वे कांग्रेस के सीधे विरोधी हों या उसकी सहयोगी पार्टियां जो इंडिया गठबन्धन के हिस्से हैं। उम्मीद तो यही की जा रही थी कि इस लड़ाई को पूरा प्रतिपक्षी गठजोड़ मिलकर लड़ता, लेकिन साफ दिखता है कि इस संघर्ष से वह एक तरह से दूरी बनाये हुए है। गिनती के कुछ दल ऐसे हैं जो इस विमर्श को अपनी विचारधारा के अनुरूप या समीप पाते हैं, पर एक सीमा तक आकर तो उन्हें ठहर जाना होता है या वे लौट जाते हैं। बेहतर हो कि कांग्रेस पहले से यह मानसिकता बनाकर इस लड़ाई को तेज़ करे कि, जो साथ आये उसका भी भला, जो न आये उसका भी भला!न्याय की इस लड़ाई का फलक वैसे तो काफी बड़ा होना था और उसमें वे सारे दल शामिल होकर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ते जो राहुल गांधी द्वारा निकली दोनों भारत जोड़ो यात्राओं में संग-संग चले थे, क्योंकि सामाजिक न्याय का यह तत्व उन्हीं दो यात्राओं से निकला है। दूसरे, जो भी भाजपा के खिलाफ लड़ाई में इंडिया के साथ लड़ने को उतरे हैं, उनके लिये यह एक तरह से अघोषित साझा न्यूनतम कार्यक्रम है। %न्याय% की यह लड़ाई त्रिकोणीय है- सामाजिक के साथ राजनीतिक व आर्थिक भी। %भारत जोड़ो यात्रा% (कन्याकुमारी से श्रीनगर- 7 सितम्बर, 2022 से 30 जनवरी, 2023 तक) तो राहुल ने नफरत के माहौल को खत्म करने के लिये निकाली थी, पर दूसरी यात्रा (मणिपुर से मुम्बई- 14 जनवरी से 18 मार्च, 2024) का नाम इसलिये %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% रखा गया क्योंकि तब तक यह विमर्श प्रगाढ़ व मुखर हो गया था। सियासी व चुनावी रणनीति पर विचार करते हुए गठबन्धन को इस बात का इल्म हो चला था कि भाजपा के ध्रुवीकरण के खिलाफ़ सामाजिक न्याय ही कारगर काट है। भूले-भटके भाजपा की पिच पर जा पहुंचने वाली कांग्रेस भी सतर्क हुई तथा उसने सामाजिक न्याय की मिट्टी बिछाकर खुद का अखाड़ा तैयार किया जिस पर आकर खेलने के लिये भाजपा को अक्सर मजबूर होना पड़ रहा है।

जब न्याय की बात चलती है तो संविधान अपने आप उपस्थित हो जाता है। जो संविधान एक तरह से कांग्रेस व बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की देन है, उसकी वही भाजपा संरक्षण बनने के लिये छटपटा उठी जो अब तक उसके खिलाफ थी। इसका आभास भाजपा को पिछले वर्ष हुए लोकसभा के चुनावों में हो गया था। संविधान बदलने की मंशा से 370 सीटें पाने का उसका लक्ष्य ध्वस्त हो गया और वह 240 पर सिमट गयी। कुल 400 के पार वह जाना चाहती थी। सरकार बनाने के लिये उसे तेलुगु देसम पार्टी व जेडीयू का सहारा लेना पड़ा। वैसे भाजपा को बीच चुनाव में आभास होने लगा था कि उसके कुछ साथियों का संविधान बदलने का प्रलाप उसे महंगा पड़ने जा रहा है, लिहाजा उसने अपना रंग बदला और खुद को संविधान का रक्षक बतलाने का दावा पेश कर दिया, क्योंकि सभी तरह के न्याय व अधिकारों का वही उत्स है। चुनाव के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहना शुरू किया कि जब तक वे हैं तब तक संविधान बदलने तथा आरक्षण खत्म करने की अनुमति वे किसी को नहीं देंगे। हालांकि यह दांव बहुत काम नहीं आया।जो भी हो, संविधान चर्चा के केन्द्र में तभी से आ गया। संविधान के प्रति अपना प्रेम व श्रद्धा जतलाने के लिये पिछले दिनों संसद का दो दिवसीय सत्र इसी विषय पर किया गया- संविधान की 75 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा। इसे लेकर भाजपा या उसका गठबन्धन (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) बहुत कुछ हासिल नहीं कर सका लेकिन संविधान और उसके निमित्त सामाजिक न्याय आम बहस में आ गया। इसी चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा अंबेडकर का नाम लिये जाने पर जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने %अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर...% वाला तंज कसा तो देश भर में बवाल हो गया। शाह के इस्तीफे व माफी की मांग तो उठी ही, मोदी से कहा गया कि वे शाह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। वह लड़ाई संसद के बाहर बड़े रूप में पहुंची।

बेलगावी (कर्नाटक) में कांग्रेस ने एक विशेष अधिवेशन पिछले साल 26 व 27 दिसम्बर को आयोजित किया था जो ठीक 100 वर्ष पूर्व इसी जगह पर इन्हीं तारीखों पर आयोजित किये गये ऐतिहासिक अधिवेशन की याद में था जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी द्वारा की गयी थी। इस अधिवेशन के लिये कांग्रेस ने जय बापू जय भीम जय संविधान का नारा देकर सामाजिक न्याय के लिये अपनी प्रतिबद्धता का इज़हार किया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से वह कार्यक्रम एक ही दिन हो सका था। पिछले हफ्ते सुवर्ण सौध कहे जाने वाले उस स्थल पर कांग्रेस ने महात्मा गांधी की विशालकाय प्रतिमा स्थापित की है। साथ ही कांग्रेस ने बाबासाहेब की जन्म स्थली महू (इंदौर के निकट, मध्यप्रदेश) में संविधान रक्षा के प्रति अपनी कटिबद्धता जाहिर करने के लिये सोमवार को विशाल रैली की जिसमें बहुत विस्तार से राहुल गांधी ने संविधान के महत्व को प्रतिपादित करते हुए बताया कि वंचित समाज के लिये उसकी रक्षा क्यों ज़रूरी है।कहने को तो कांग्रेस एक बड़े गठबन्धन का नेतृत्व कर रही है। भाजपा-एनडीए के खिलाफ इंडिया न सिर्फ एकमात्र गंठजोड़ है वरना उसने अपनी ताकत को पिछले लोकसभा चुनाव में साबित भी किया है, परन्तु सामने यही दिखता है कि संविधान की रक्षा तथा उसकी सियासी महत्ता के बावजूद इस लड़ाई में कांग्रेस लगभग अकेली है। सैद्धांतिक तौर पर कुछ उसके सहयोगी दल हैं तो सही परन्तु वे उसके साथ मैदान में कहीं नहीं दिखते। बिहार के सीएम नीतीश कुमार तो चुनाव के पहले ही पलटी मार गये थे, तेजस्वी यादव (बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री), अखिलेश यादव (उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम) आदि इस लड़ाई में कांग्रेस के साथ राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय नहीं हैं न ही वे पर्याप्त मुखर हैं। दिल्ली के अरविंद केजरीवाल जैसों से कोई उम्मीद भी नहीं की जा सकती।कांग्रेस द्वारा जिस प्रभावी ढंग से सामाजिक न्याय की बात उठाई जा रही है, सम्भवत- उसे दबाने के लिये भाजपा की ओर से ध्रुवीकरण के प्रयास भी तेज हो रहे हैं। इनमें से कुछ उपक्रम पहले से ही प्रक्रिया के अंतर्गत थे तो कुछ आगे चलकर किये जायेंगे। एक ओर तो वक्फ़ बोर्ड में परिवर्तन के लिये बनाई गयी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने भाजपा के सदस्यों की वे सारी सिफारिशें मान ली हैं जिनसे भाजपा को ध्रुवीकरण में मदद मिलेगी, तो वहीं भाजपा प्रशासित राज्यों में समान नागरिकता कानून (यूसीसी) उत्तराखंड की तज़ पर लागू हो सकता है। भाजपा के समर्थक साधु-संत तो प्रयागराज कुम्भ में आयोजित धर्म संसद में देश को %हिन्दू राष्ट्र' घोषित करने की मांग की तैयारी कर ही रहे हैं। ध्रुवीकरण की काट के रूप में सामाजिक न्याय की यह लड़ाई कांग्रेस को अकेले ही लड़नी होगी- पार्टी इसे गांठ बांध ले। ?

रह रही हैं घर से दूर, तो ऐसे सजाएं अपना कमरा

घर को तो आप सजाती ही होंगी, लेकिन अगर आप घर से दूर रह रही हैं तो अपने आशियाने को इस तरह सजाएं।

जब आप काम के सिलसिले में या पढ़ाई करने के लिए दूसरे शहर में जाती हैं तो आपको वहां पर घर से दूर किसी हॉस्टल के कमरे, पीजी या किराए के अपार्टमेंट में रहना पड़ता है। भले ही वह आपके लिए कुछ समय का ठिकाना हो, लेकिन फिर भी उसमें अपनेपन का अहसास होना बेहद जरूरी है। कुछ लड़कियों का तो घर से दूर नई जगह पर होमसिक फील करती हैं, ऐसे में वह अपनी पढ़ाई या काम में मन नहीं लगा पाती। इस समस्या का एक आसान तरीका है कि आप उस छोटे से आशियाने को अपने रंग में रंग दें।

जब बात किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने की बात आती है तो समस्या यह होती है कि आप उसे अपने मनमुताबिक रूप देना चाहती हैं, वहीं दूसरी ओर किसी दूसरे का घर होने के कारण आपके उपर बहुत सी बंदिशें होती हैं। आप कमरे का कलर अपनी पसंद का नहीं करवा सकतीं तो बहुत सी जगहों पर कील ठोकने और कुछ टांगने से भी मना किया जाता है। ऐसे में इन सभी लिमिटेशन का ध्यान रखते हुए आपको अपने कमरे को सजाना होता है। तो चलिए जानते हैं घर से दूर एक छोटे से घर को सजाने के कुछ आसान उपाय–

देखें कमरा

कमरे को सजाने से पहले जरूरी है कि आप पहले उसे अच्छे से देखें और समझें। इसका मतलब यह है कि कमरे को वास्तविकता में सजाने से पहले उसे अपने मन में सजाएं। इससे आपको समझ आएगा कि आपको कमरे को एक खूबसूरत लुक देने के लिए आपको किन चीजों की आवश्यकता होगी।

कम सामान

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल का कमरा सजाते समय कोशिश करें कि आप कम से कम सामान का इस्तेमाल करें। दरअसल, जब आप घर से दूर किसी जगह पर होते हैं तो वहां स्पेस कम होता है। इसके अलावा अगर आप पढ़ने के लिए गई हैं तो ज्यादा सामान रखने से आपका काफी सारा वक्त उसकी साफ–सफाई में ही निकल जाएगा और ज्यादा सामान की केयर करना भी कई बार मुश्किल होता है। इसलिए कोशिश करें कि आप कम सामान में अपने घर या कमरे को खूबसूरत बनाएं।

बजट का ख्याल

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने के लिए किसी भी सामान को खरीदने से पहले बजट का ख्याल जरूर रखें। एक बात समझ लें कि आपको उस घर में कुछ वक्त के लिए रहना है और उसके बाद जब आप अपने घर वापिस लौटेंगी तो ढेर सारा सामान ले जाना काफी मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा अगर आप ओवर बजट शॉपिंग करती हैं तो आपको अपनी जरूरी चीजों में कटौती करनी पड़ेगी, जो वास्तव में आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

पर्सनल टच

अगर आप सच में किसी दूसरे के घर को अपना सा बनाना चाहती हैं तो उसमें पर्सनल टच अवश्य दें। आप अपनी फैमिली की एक बड़ी सी फोटो दीवार पर लगा सकती हैं। इससे आपके अपने दूर होकर भी आपके करीब रहेंगे और सिर्फ एक फोटो से पूरा कमरा ही बदल जाएगा।

अपनाएंगी यह ट्रिक्स तो आपस में नहीं उलझेंगी केबल्स

हम सभी के घर में कई तरह की केबल्स होती हैं। एक ही घर में कई फोन होते हैं और हर फोन के लिए चार्जर होता है। ऐसे में इन चार्जर की केबल्स से लेकर लैपटॉप की केबल और आईपैड आदि की केबल्स घर को काफी मैसी बना देती हैं। इतना ही नहीं, फोन के लिए भी अलग से इयरबड के साथ केबल्स मिलती हैं। ऐसे में जब इन्हें एक साथ रखा जाता है या फिर चार्जिंग की जाती है तो यह केबल्स आपस में उलझ जाती हैं। कुछ लोग इन केबल्स को सुलझाने के लिए इन्हें कभी–कभी जोर से खींचते हैं। ऐसे में इन केबल्स को नुकसान होता है। इतना ही नहीं, इस कारण यह जल्दी खराब हो जाती हैं या टूट जाती हैं, तो फिर आपको फिर से नई केबल्स खरीदनी पड़ती हैं। वहीं, अगर वर्क टेबल पर यह केबल्स आपस में उलझी हुई रखी हों तो इसका विपरीत असर आपके काम पर भी पड़ सकता है। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप इन केबल्स या तारों को बार–बार उलझने से बचा सकते हैं–

बनाएं चार्जिंग स्टेशन

यह एक सिंपल और बेहतरीन तरीका है अलग–अलग केबल्स को आपस में उलझने से बचाने का। अगर आप चाहें तो घर पर ही पुराने कार्डबोर्ड या फिर लकड़ी की मदद से एक चार्जिंग स्टेशन तैयार कर सकते हैं। यह चार्जिंग स्टेशन ना केवल आपके लैपटॉप से लेकर फोन तक की चार्जिंग को अधिक कन्विनियंट बनाएगा, बल्कि इससे आपकी वर्क टेबल भी अधिक आर्गेनाइज्ड लगेगी। इतना ही नहीं, चूंकि आप हर केबल के लिए एक अलग चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे तो आपको बार–बार चार्जिंग केबल्स ढूंढने में भी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

लें बॉक्स का सहारा

अगर आपके घर में तरह–तरह की कई केबल्स हैं और इसलिए आप चाहकर भी उन्हें सही तरह से आर्गेनाइज नहीं कर पाती हैं या फिर वह इधर–उधर पड़ी रहती हैं और ऐसे में आपस में बार–बार उलझ जाती हैं। तो ऐसे में आप किसी पुराने बॉक्स का सहारा लें। आप कार्डबोर्ड की मदद से इसमें अलग–अलग कंपार्टमेंट बनाएं। साथ ही इसे अधिक ब्यूटीफुल लुक देने के लिए आप इस पर कलर कर सकती हैं या फिर कलरफुल शीट को भी पेस्ट किया जा सकता है। इसके बाद आप इन कंपार्टमेंट में मार्किंग करें और इस तरह आप अलग–अलग केबल्स को रबर लगाकर इस बॉक्स में आसानी से रख सकती हैं।

पेपर रोल का करें इस्तेमाल

अगर आपके पास स्पेस कम है और ऐसे में आप एक बिग साइज बॉक्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं तो पेपर रोल का यूज भी किया जा सकता है। आप केबल्स को फोल्ड करके उस पर रबर लगा दें। इसके बाद पेपर रोल से उसे कवर कर दें। आप चाहें तो पेपर रोल के उपर भी एक रबर लगा सकती हैं। इसी तरह आप सभी केबल्स को रखें। एक छोटी सी ड्राअर में सभी केबल्स को आप आसानी से रख पाएंगी और वह आपस में टैंगल भी नहीं होंगी। (एक प्रोफेशनल की तरह करना है क्लिक तो इन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का लें सहारा)

बनाएं कलरफुल केस

अगर आप एक स्मॉल स्पेस में अपनी सभी केबल्स को टैंगल्स होने से बचाना चाहती हैं तो ऐसे में एक कलरफुल केस भी बनाया जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कॉर्ड आर्गेनाइजर केस आसानी से मिल जाएगा। जिसमें एक साथ कई केबल्स को रखने की सुविधा होती है। लेकिन अगर आप अतिरिक्त पैसे खर्च नहीं करना चाहती हैं तो घर पर भी इसे तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप किसी पुराने लेदर के कपड़े पर इलास्टिक स्टिच करें। पहले दोनों एंड्स से इलास्टिक को स्टिच करने के बाद एक–एक इंच की दूरी पर स्टिच करती जाएं। इस तरह केबल्स रखने के लिए अलग–अलग सेक्शन तैयार हो जाएंगे।

स्मार्टफोन को तो सभी क्लीन रखते हैं, लेकिन क्या आप ने ईयरफोन के वायर पर मौजूद गंदगी को साफ किया। अगर नहीं तो यहां बताई गई तरीको को जरूर आजमाएं।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जो गंदी हो जाने के बावजूद भी हम उसका इस्तेमाल करते रहते हैं। हालांकि, आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में छोटी–छोटी चीजों का ख्याल लोग नहीं रख पाते हैं।

जैसे ईयरफोन, जिसका इस्तेमाल ज्यादातर लोग रोजाना करते हैं। गाना सुनना हो या फिर बात करनी हो, इसकी जरूरत हमेशा पड़ती है। यही नहीं कई लोग इसे एक–दूसरे से एक्सचेंज भी करते हैं, जो कि पर्सनल हाइजीन के लिए बिल्कुल सही नहीं है। कुछ लोग ईयरफोन के रखरखाव का खास ख्याल नहीं रखते हैं। कुछ लोग इसे मोड़कर कहीं भी रख देते हैं, जिसकी वजह से धूल–मिट्टी चिपक जाती है। गंदा वायर और ईयरफोन देखने में अच्छे नहीं लगते हैं और पर्सनल हाइजीन के लिए भी सही नहीं है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ तरीके जिसकी मदद से आप वायर के साथ ईयरफोन को भी अच्छी तरीके से क्लीन कर सकती हैं।

गंदा हो गया है ईयरफोन का वायर तो उसे ऐसे करें क्लीन

ईयरफोन के वायर को ऐसे करें क्लीन

सबसे पहले इयरफोन वायर को क्लीन करने की आवश्यकता है। ध्यान रखें कि वायर को पानी में नहीं डालना है बल्कि एक कपड़े की मदद से पोंछते हुए इसे साफ करेंगे। इसके लिए एक बाउल में पानी लें और उसमें डिशवॉश लिक्विड और विनेगर(विनेगर का इस्तेमाल) मिक्स कर दें। अब इन तीनों ही चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर घोल तैयार करें। अब एक कपड़ा लें और उसे मिश्रण में डिप करें और ईयरफोन के वायर को पोंछें। ध्यान रखें कि एक बार पोंछने के बाद कपड़े के दूसरे साइड से इसे दोबारा पोंछें। इस दौरान पानी की एक भी बूंद ना स्पीकर और ना ही बड्स पर गिरनी चाहिए, वरना ईयर फोन खराब हो सकता है।

ईयरफोन बड्स को क्लीन करने का तरीका

बड्स की क्लीनिंग पानी या फिर किसी भी तरह के लिक्विड से नहीं की जा सकती है। एक बूंद भी अंदर जाने के बाद बड्स पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। इसके लिए ईयरबड्स लें और उसकी मदद से सफाई करें। इसके अलावा ऊपर वाले हिस्से को कपड़े से पोंछ दें। बड्स को क्लीन करते वक्त आप चाहें तो नेल पेंट रिमूवर (नेल पेंट रिमूवर का इस्तेमाल) या फिर रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि आप ईयरबड्स की मदद से ही नेल पेंट रिमूवर और रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल करें।

हेडफोन या फिर ब्लूटूथ के वायर की सफाई

हेडफोन, ब्लूटूथ या फिर अन्य कोई वायर वाले गैजेट्स हैं, तो उन्हें हफ्ते में एक बार जरूर क्लीन करें। अगर आप इसे पानी या फिर अन्य लिक्विड वॉश से क्लीन नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ पेट्रोल की मदद से भी इसे क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए आप एक कपड़े में 5 से 6 बूंद पेट्रोल डालें और उसकी मदद से वायर को साफ कर दें। इयरफोन वायर और अन्य वायर वाले गैजेट्स को साफ करने का यह सबसे आसान और बेस्ट तरीका है।

बच्चा खाने-पीने में टालमटौल तो नहीं करता

वह समय बीत चुका है, जब पैरेन्ट अपने बच्चों को तोता–मैना की कहानी सुनाते हुए उन्हें खाना खिलाते थे। अब न तो उनके पास उन्हें कहानी सुनाने का टाइम है और न ही ढंग से खाना खिलाने का। वैसे आजकल बच्चे प्राय : खाने–पीने के मामले में बेहद चूजी होते जा रहे हैं। खाने को लेकर ये हमेशा नाक–भौं सिकोड़ते हैं। हालांकि यह आदत 2 से 10 साल तक के किशोर उम्र तक के बच्चों को ही रहती है। अगर ये आदतें आपके बच्चों में भी हैं तो पैरेन्ट्स होने के नाते आप सावधान हो जाएं! एक ताजा शोध के अनुसार बच्चों की इस आदत की वजह से उन्हें पेडिएट्रिकफीडिंग डिसऑर्डर की बीमारी हो सकती है।

इस बीमारी के कारण बच्चों की खाने–पीने की आदतें बदलने लगती हैं, वे ज्यादा कैलोरी और पोषक तत्व वाले भोजन नहीं लेते, जो शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं। खाने–पीने की यह आदत एक आम बीमारी है, जो बच्चों को अकसर ऐसे माहौल में हो जाती है, जहां उन्हें तरह–तरह की खाने की चीजें मिलती हैं। हालांकि देखा गया है कि अधिकांश बच्चे बहुत कम खाना खाते हैं या अपनी मनपसंद की चीजें ही खाने में रुचि लेते हैं। जिसकी वजह से वह बिना पोषक तत्व वाले भोजन से ज्यादा कैलोरी लेते हैं। आजकल बच्चे घर में बनी या मार्केट की कुछ निश्चित फास्ट फूड ही लेना पसंद करते हैं, जो टेस्टी तो होते हैं, लेकिन न तो वे पौष्टिक होते हैं और न ही हेल्दी डाइट। जिसकी वजह से बच्चों को शारीरिक विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाता है।

मां है जिम्मेदार

बच्चों की इस आदत पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार इस आदत के लिए 80 फीसदी तक बच्चे की मां जिम्मेदार होती है। बच्चों की इस आदत की वजह से उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। बच्चों को पुरानी बीमारी लग सकती है। उन्हें मोटापा, खाने–पीने की आदतों में कमी, शरीर में पोषक तत्वों की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

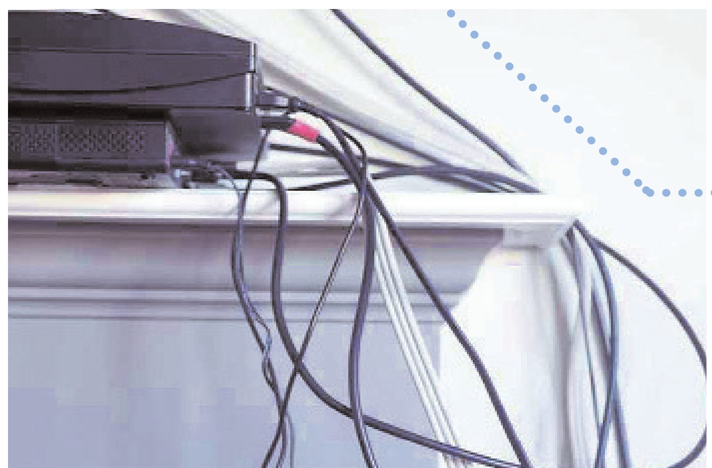

कमरों में फैली तारों को छिपाने के लिए अपनाएं यह आसान हैक्स

किसी भी घर में इलेक्ट्रिसिटी से लेकर पानी की व्यवस्था करने के लिए कई तरह की तारों का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं, घर में कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का भी इस्तेमाल किया जाता है और उसके वायर भी कमरे में चारों तरफ नजर आते हैं। इनका इस्तेमाल करना घर में बेहद जरूरी होता है, लेकिन एक सच यह भी है कि यह तारें आपके कमरे की खूबसूरती में एक धब्बे की तरह है।

आप भले ही कमरे को कितना भी खूबसूरती से सजाएं, लेकिन दीवार के चारों ओर तार फैले हुए नजर आते हैं तो यह काफी अजीब लगते हैं और फिर आपके कमरे को वह परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता, जो वास्तव में मिलना चाहिए। हालांकि आप अपने घर को वायर–फ्री तो नहीं कर सकतीं, लेकिन फिर भी अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसे में आप उन वायर्स को बेहद ही खूबसूरती से हाइड कर सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको घर में इस्तेमाल होने वाले वायर्स को हाइड करने के कुछ आसान व इनोवेटिव तरीकों के बारे में बता रहे हैं–

किताबों की लें मदद

अगर आपके टीवी के नीचे टेबल पर वायर नजर आ रही हैं तो इसके लिए आप किताबों की मदद ले सकती हैं। इसके लिए आप टीवी के नीचे की टेबल पर किताबें एक साथ रखें और उसके पीछे वायर हों। टेबल पर रखी किताबें देखने में भी अच्छी लगेंगी और किसी को यह पता भी नहीं चलेगा कि उसके पीछे वायर हैं। बेडरूम की दीवारों को सजाएं रोमांटिक अंदाज में

बनाएं कवर

अगर आप अपने कमरे में मौजूद वायर को आसानी से छिपाना चाहती हैं, साथ ही अपने कमरे की खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं तो इसके लिए आप वायर्स के लिए कवर बनाएं। मसलन, आप एक बुक को बीच में से खाली करें और उसके उपरी कवर को वायर का कवर बनाएं। इसी तरह आप गिफ्ट बॉक्स को भी बतौर वायर कवर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस साल ये 7 इंटीरियर्स डिजाइन आपके घर को देंगे एक क्लासिक लुक

दें खूबसूरत लुक

सुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो कमरे में मौजूद वायर्स को ही रूम डेकोर का हिस्सा बना सकती हैं। इसके लिए आप पहले वायर्स को दीवार पर केबल वायर नेल्स की मदद से सिक्योर करें। इसके बाद आप हर केबल वायर नेल्स के साथ कोई भी खूबसूरत ड्राइंग बनाएं। आप दीवार पर पक्षी से लेकर खूबसूरत पत्तियां आदि बना सकती हैं।

स्मार्टली करें कवर

भले ही आपके कमरे में कितने भी वायर हों, आप उन्हें बेहद स्मार्ट तरीके से आसानी से कवर कर सकती हैं। मसलन, आप आईसक्रीम स्टिक या लकड़ी की मदद से टेबल के कोनों में एक कवर बना सकती हैं। यह देखने में भी अच्छा लगता है और इसके पीछे वायर्स को आसानी से रखा जा सकता है। इसी तरह अगर आप मल्टीप्लग का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसके साइज के अनुसार उसके लिए एक कवर बनाएं। अब आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कई घरेलू समस्याओं के लिए एक समाधान सिलिका जेल

अगर आपने ध्यान दिया होगा तो, आप जब भी नए बैग्स, जूते, पर्स या कपड़ा खरीदते हैं, तो उसमें आपको एक छोटा सा पैकेट जरूरत मिलता होगा। उस पैकेट को 'सिलिका जेल' कहा जाता है। अक्सर इस पैकेट को बेकार समझ के लगभग हर कोई फेंक देता है, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि आखिर इन सामानों में इस पैकेट को क्यूं रखा जाता है और इसका अन्य कामों में किस तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।

अगर आप भी सिलिका जेल के फायदों के बार में जान जाएंगे तो आज के बाद से उसे फेंकने से पहले कई बार सोचेंगे, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको सिलिका जेल के उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप कई घरेलू समस्याओं को चुटकियों में दूर कर सकते हैं–

कपड़ों को रखता है सुरक्षित

ठण्ड के मौसम में अक्सर कपड़ों में नमी हो जाती है और कई बार कपड़ों से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में सिलिका जेल बहुत ही उपयोगी हो जाता है। आपको बात दें कि सिलिका जेल कपड़ों में मौजूद मॉइश्चराइजर को दूर रखता है और आपके कपड़े में होने वाली नमी और बदबू से भी दूर रखता है। आप जहां भी कपड़े रखते हैं वहां इस पैकेट को रख दीजिए, इससे आपका कपड़ा हमेशा फ्रेश रहेगा।

मेकअप बैग में भी रखें

महिलाएं भी इसको मेकअप बैग में रख सकती हैं। कई बार मेकअप रखे–रखे बैग में चिपचिपाहट होने लगता है, और कई बार मकेअप प्रोडक्ट्स भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए सिलिका जेल का इस्तेमाल कर सकती है। इसके उपयोग से मेकअप बैग के साथ–साथ आपका मेकअप सामान भी सुरक्षित रहेगा।

किताबों का रखता है ख्याल

अमूमन हम कई महीनों तक किताब को हाथ तक भी नहीं लगाते हैं और वो वहीं के वहीं रखे रहते हैं। कई महीनों तक रखे–रखे इन बुक्स में पीलापन नजर आने लगता है। इस पीलेपन को दूर करने के लिए आप सिलिका जेल को रख सकते हैं। बुक्स के साथ–साथ आप महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट्स जैसे पासपोर्ट, बर्थ सर्टिफिकेट, गाड़ी या घर के पेपर आदि स्थानों पर भी इस जेल को रख सकते हैं।

हेल्थ प्लस

सूर्य नमस्कार रखे आपको हरदम फिट

यहां बताए जा रहे एक्सरसाइज के 12 स्टेप्स सुबह करें और दिन भर भरपूर एनर्जी के साथ काम करें। ये 12 स्टेप्स सूर्य की 12 स्थितियों पर आधारित हैं। इसमें सबसे पहले उगते हुए सूर्य को नमस्कार करें। यह वॉर्मिंग अप एक्सरसाइज है। इसे करने के बाद आप दूसरे स्टेप्स एक के बाद एक करें। इन्हें करने से मसल्स में खिंचाव और रीढ में लचीलापन आता है। ये कमर को शेप देने और पतला करने में भी मदद करते हैं।

- अपने पैरों और पंजों को मिलाकर सीधी खडी हो जाएं। हथेलियों को ऐसे मिलाएं, जैसे कि आप हाथ जोडकर प्रार्थना कर रही हों। संतुलन बनाए रखें और चैन से सांस छोडें।
- अब सांस खींचते हुए हथेलियां जोडे हुए हाथों को ऊपर ले जाएं। कमर और नितंबों में खिंचाव महसूस करते और हाथों को जोडे हुए जितना संभव हो, पीछे की तरफ खींचें। पैरों को सीधा रखें और गर्दन को बिलकुल सीधा रखें।
- सांस छोडते हुए सामने की तरफ झुकें, अपनी हथेलियों को पंजों के समान जमीन पर टिकाएं। अपना चेहरा घुटनों के सामने रखें और घुटने सीधे रखें। अपनी हथेलियों से जमीन पर दबाव डालने की कोशिश करें, फिर आराम की मुद्रा में वापस आएं।
- सांस खींचते हुए जमीन पर बैठें और एक पैर को मोडते हुए अपने हाथ की कोहनी के पास लाएं। सामने की तरफ सीधे देखें और एक पैर पीछे की तरफ खींचें, पीठ को पीछे की तरफ खींचें। उस पैर के पंजे को जमीन से छुआएं, फिर आराम की मुद्रा में आएं।
- सांस को रोकते हुए पैरों को पीछे की तरफ खींचें और दोनों पैरों को एक साथ जोडकर मिलाएं। हाथों को सीधा रखते हुए हथेलियों के दबाव से शरीर को ऊपर उठाएं। साथ ही पैरों के पंजों से भी शरीर को उठाने में सपोर्ट दें। शरीर को एक लाइन में सीधा रखें, नीचे की तरफ सिर झुकाएं और अपने हाथों के बीच में देखें।
- सांस छोडें, अपनी कोहनियों को मोडते हुए माथे को जमीन पर छुआएं। हथेलियों और पंजों पर शरीर का भार डालते हुए शरीर को संभालें। पहले घुटने फिर सीने को जमीन से छुआएं, फिर माथे को भी जमीन से छुआएं। पंजों को जमीन पर टिकाते हुए नितंबों को हलका-सा उठाने की कोशिश करें।
- सांस खींचते हुए हथेलियों के प्रेशर से कमर तक शरीर को ऊपर उठाएं। पंजे, घुटने और पेट जमीन से सटाएं। पीठ पर खिंचाव महसूस करें और पंजों की सहायता से शरीर को पीछे की तरफ खींचें।
- सांस छोडते हुए नितंबों को उठाएं। हथेलियां सामने की तरफ जमीन पर सटी हुई हों और पैर के पंजों की सहायता से नितंब को उठाते हुए खींचें। घुटने सीधे रखें, गर्दन भीतर की तरफ झुकाएं और चेहरे को अपने घुटनों के सामने रखें। यह स्थिति एकदम वी शेप में होनी चाहिए।
- सांस खींचते हुए जमीन पर बैठें। हाथों को सीधा रखते हुए हथेलियों को जमीन पर रखें। एक पैर को पीछे की तरफ खींचें और एक पैर मोडकर अपने सामने कोहनियों से सटाकर दोनों हथेलियों के बीच में रखें। सामने की तरफ देखें। पीछे पैर का घुटना जमीन से लगा हुआ होना चाहिए।
- सीधी खडी हो जाएं। सांस छोडते हुए अपनी दोनों हथेलियों को जमीन पर टिकाते हुए झुकें। अब अपना एक पैर हथेलियों के बीच में रखें और एक पैर आगे वाले पैर से कुछ दूर पीछे रखें।
- सांस खींचते हुए दोनों पंजों, पैर को मिलाएं और सामने की ओर हलका झुकते हुए हाथों को सामने की तरफ खींचते हुए खोलें। ऐसे, जैसे कि आप हाथों से किसी सामान को पुश कर रही हों। नीचे की तरफ देखें। सिर कोहनियों से सटाकर रखें।
- सीधी खडी हो जाएं और सांस छोडें। हाथों को ढीला छोड दें। चैन की सांस लें।

नोट : किसी भी प्रकार की एक्सरसाइज या आसन शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लें। एक साथ एक ही दिन में ढेर सारा अभ्यास या वर्जिश न करें। अगर आपको कुछ असुविधाजनक लगता है तो आसन करना बंद कर दें और अपने डॉक्टर से राय-मशविरा कर लें।

हृदय रोग में खाएं फाइबरयुक्त भोजन

- ऐसा आहार लें जिससे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 300 मिग्रा से अधिक न होने पाए।
- नारियल का तेल छोडकर खाना पकाने में 1 चम्मच वेजटेबल ऑयल का ही इस्तेमाल करें। ऑलिव ऑयल सबसे बढिया होता है।
- अखरोट व कुछ फैटी फिश जैसे सालमन व टूना में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो हृदय के लिए बेहतर होता है। सोयाबीन, कैनोला व फ्लैक्स सीड ऑयल खून केथक्के बनने और धमनियों की दीवारों (आर्टरीज वॉल्स) को कडा होने से रोकने में मदद करते हैं।
- फुल क्रीम दूध, कंडेंस्ड मिल्क, क्रीम और प्रोसेस्ड चीज के बजाय स्किम्ड या टोंड मिल्क से बनी चीजों का प्रयोग करें। स्किम्ड या टोंड मिल्क से बनी चाय, कॉफी या दही और पनीर का इस्तेमाल करें।
- रेड मीट, ऑर्गन मीट (लिवर, किडनी और ब्रेन), अंडे की जर्दी, प्रॉन्स और लॉब्स्टर केप्रयोग से बचना जरूरी है।
- खाना पकाने का सबसे बेहतर तरीका है बेक करना, रोस्ट, ग्रिल, भून कर और स्टीम करके खाना।
- पेस्ट्री, केक, डोनट्स, स्वीट्स और क्रीम बिस्कुट में ट्रांस फैटी एसिड, जो कोलेस्ट्रॉल बढाता है, इसलिए इनसे बचना चाहिए।
- बहुत अधिक नमकीन चीजों से दूर रहें। जैसे अचार, पापड, कैंड और टिंड प्रोडक्ट्स, नमकीन बिस्किट। खाने के साथ अलग से नमक बिलकुल न लें। इसके अलावा बेकिंग पाउडर या यीस्ट और अजीनोमोटो के प्रयोग से भी बचें।
- सीरियल्स, होल व्हीट पास्ता और ब्राउन या मल्टीग्रेन ब्रेड्स का सेवन कर सकते हैं।
- फाइबर का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। साबुत अनाज, साबुत दालें, सैलेड, फल और सब्जियों को अपने दैनिक भोजन में शामिल करें।
- तली हुई चीजें से जहां तक हो सके बचें।
- प्रतिदिन सुबह एक लहसुन चबाकर खाने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है।

एनीमिया में कैसा हो आहार

एनीमिया मुख्यत: हमारे शरीर में आयरन की कमी से होने वाली एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है। दरअसल हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला ऐसा प्रोटीन है, जो पूरे शरीर में फैली कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है और हीमोग्लोबीन की कमी से शरीर की कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है और इसी कमी की वजह से व्यक्ति में एनीमिया यानी रक्ताल्पता के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। भारत में आम तौर पर स्त्रियों को यह स्वास्थ्य समस्या ज्यादा होती है, अगर गर्भावस्था में किसी स्त्री को यह समस्या हो तो इसका गर्भस्थ शिशु के विकास और मां की सेहत पर इसका बुरा असर पडता है।

एनीमिया के लक्षण

- हमेशा सिरदर्द और थकान महसूस करना।
- अकसर नींद आना।
- कभी-कभी चक्कर आना और आंखों के आगे अंधेरा छाना।
- हृदय गति का असामान्य होना।
- कभी-कभी बेहोशी का दौरा पडना।
- भोजन के प्रति अरुचि।
- नाखूनों की रंगत सफेद पडना।
- आंखों के नीचे काले घेरे पडना, इत्यादि।

अगर आपके शरीर में ऐसा कोई भी लक्षण दिखाई दे तो आपको चिकित्सक से तत्काल परामर्श लेना चाहिए।

क्या खाएं

- नियमित रूप से संतुलित और पौष्टिक आहार लेने की आदत को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें आपके रोजाना के भोजन में आयरनयुक्त खाद्य पदार्थ जैसे-हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों और अन्य खाद्य पदार्थो जैसे-चुकंदर, आंवला, गाजर, सेब, अनार, खजूर, मूंगफली, गुड और सूखे मेवों को शामिल करना चाहिए। साथ ही, शरीर में फॉलिक एसिड की मात्रा बढाने के लिए अपने रोजाना के खाद्य पदार्थो में कुटू का आटा, ओटमील, गोभी, मशरूम, ब्रोकली, शहद और एस्पेरेगस को शामिल करें। रेड मीट भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। बंदगोभी, गाजर, मूली, खीरा, ककडी, लैट्यूस, टमाटर, चुकंदर, जैसी सब्जियों से बने सैलेड का अपने रोजाना के भोजन में भरपूर मात्रा में इस्तेमाल करें।
- जहां तक संभव हो सब्जियां लोहे की कडाही में पकाएं, इससे भोजन में आयरन की मात्रा बढ जाती है।
- मौसम के अनुसार एनीमिया में ताजा हरी सब्जियों का सूप या फलों का जूस पीना भी फायदेमंद होता है।
- शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढाने के लिए सिर्फ आयरनयुक्त खाद्य पदार्थो का सेवन फायदेमंद नहीं होता। आप अपने रोजाना के भोजन में कैल्शियम और विटमिन सी को जरूर शामिल करें। इसके लिए आप दूध, दही, पनीर, चीज के अलावा संतरा, नीबू, मौसमी, चकोतरा और अंगूर जैसे विटमिन सी युक्त फलों को अपने भोजन में शामिल कर सकती हैं। इन खाद्य पदार्थो के सेवन से शरीर में आयरन को ग्रहण की क्षमता बढती है।
- इसके अलावा शरीर में आयरन की मात्रा बढाने के लिए डॉक्टर की सलाह पर आपको आयरन और फॉलिक एसिड की गोलियों की खुराक भी लेनी चाहिए।

क्या न करें

एनीमिया मुख्यत: गलत खानपान की आदतों से शरीर में पोषण की कमी से होने वाली बीमारी है, इसलिए अगर आपको एनीमिया हो इन बातों का ध्यान जरूर रखे:

- लो कैलरी फूड न लें।
- उपवास करने से बचें ।
- सेब, नाशपाती, खीरा अमरूद जैसे फल खाते समय उसके छिलके न उतारें।
- डिब्बाबंद जूस या इंस्टेंट सूप का इस्तेमाल करें, क्योंकि इनमें ताजे सूप या जूस की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है और इनमें इस्तेमाल किए जाने वाले प्रिजर्ववेटिव सेहत के लिए नुकसानदेह साबित होते है।

अगर आपको एनीमिया है तो आपकी इस समस्या को दूर करने के लिए, डाइटीशियन की सलाह लें। अगले पृष्ठ पर दी जा रही हैं कुछ पौष्टिक, आयरन और विटमिनयुक्त स्वादिष्ट रेसिपीज।

खूबियां ऐलोवेरा की

लिली प्रजाति का एक पौधा है ऐलोवेरा जो अपने विशिष्ट गुणों के कारण आज घर-घर में लोकप्रिय हो गया है।

सौंदर्य प्रसाधन सामग्री से लेकर कई महत्वपूर्ण दवाओं तक में इसका इस्तेमाल दिन-प्रतिदिन बढ रहा है। यह हरे रंग का छोटा-सा पौधा है जो आकार-प्रकार में कैक्टस की तरह होता है। इसके रस में एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल दोनों ही गुण होते हैं।

- घाव पर ऐलोवेरा लगाने से तुरंत आराम आता है।
- त्वचा की किसी भी तरह की एलर्जी में इसका प्रयोग लाभकारी है।
- इसके इस्तेमाल से त्वचा पर पडे दाग-धब्बे आसानी से दूर हो जाते हैं।
- डायबिटीज, कैंसर और अर्थराइटिस में भी यह आराम पहुंचाता है।
- एंटी बैक्टीरियल गुणों के कारण यह शरीर में रोग प्रतिरक्षात्मक क्षमता को बढाता है।

एल्कोहॉल बचाए गठिया से

हैरान मत होइए यह खबर मद्यप्रेमियों के लिए नहीं, बल्कि नये शोध का नतीजा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि एल्कोहॉल को पीने से शरीर के जोडों का दर्द निकल जाता है। उनका कहना है कि नियमित सेवन से गठिया होने की आशंका आधी हो जाती है। स्वीडन के कारोलिंस्का संस्थान के शोधकर्ताओं ने इस बात पर ध्यान दिया कि एल्कोहॉल को शरीर के सूजनग्रस्त भागों पर लगाने से सूजन भी कम होती है व दर्द में भी आराम आता है। दूसरी तरफ द डेली टेलीग्राफ की रिसर्च ने बताया कि जो कभी शराब नहीं पीते उन्हें गठिया की आशंका बनी रहती है। इस रिसर्च में गठिया के लिए पर्यावरण और आनुवांशिक खतरों का भी विश्लेषण किया गया। उन्होंने देखा कि जो लोग सप्ताह में पांच बार या इससे अधिक बार शराब को सेवन करते हैं उन्हें गठिया होने की आशंका 40 से 50 प्रतिशत कम हो जाती है। उत्तरीय यूरोपीय देशों के स्त्री-पुरुषों पर इसका समान प्रभाव देखा गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 1973

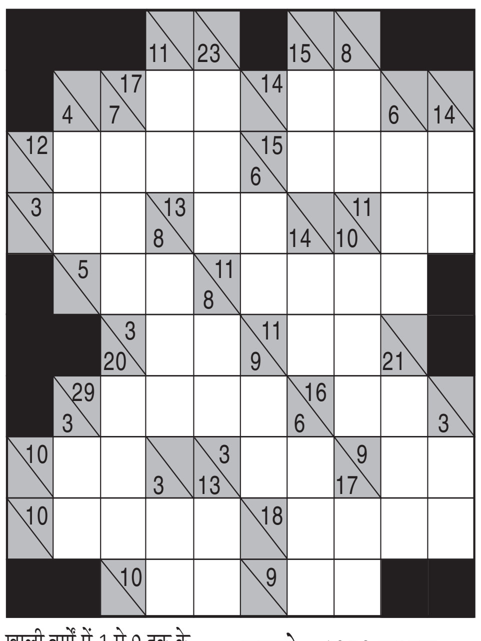

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

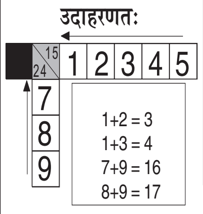

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1972 का हल

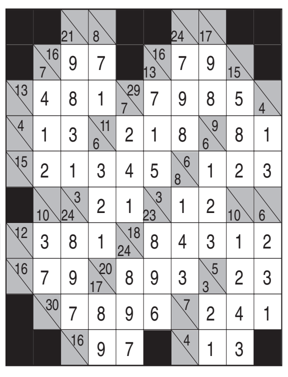

हंसी के फूव्वारें

एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका से कहा-''आज हम पूरा मजा लूटेंगे ! मैंनें फिल्म के तीन टिकटों का प्रबन्ध कर लिया है.''

''तीन टिकट ?''

''हां !''

''मगर हम तो दो हैं.''

''हां ! हम तो दो ही हैं.''

''फिर तीन टिकट किसलिए ?''

''एक तुम्हारी मां के लिए ! दूसरा तुम्हारे पिता के लिए और तीसरा तुम्हारे छोटे भाई के लिए !'' प्रेमी ने रहस्य खोलते हुए कहा.

□ □ □

''चौकीदार !''

''जी !''

''तुम ठीक से पहरा तो देते नहीं हो और पैसे मांगने आ जाते हो ?''

''देता हूं सरकार !''

''झूठ बोलने की कोशिश मत करो ! रात बारह बजे के बाद तुम्हारी आवाज ही सुनाई नहीं पड़ती !''

''साहब ! उस समय मैं दूसरों की आवाजें सुना करता हूं.''

□ □ □

प्रेमी-'तुम्हारी एक मुस्कान के लिए मैं हजार बार जान निछावर करने के लिए तैयार हूँ.'

प्रेमिका- तुम्हारे एक बार जान निछावर करने के लिए मैं हजार बार मुस्कुरा सकती हूं.

फिल्म वर्ग पहेली- 1973

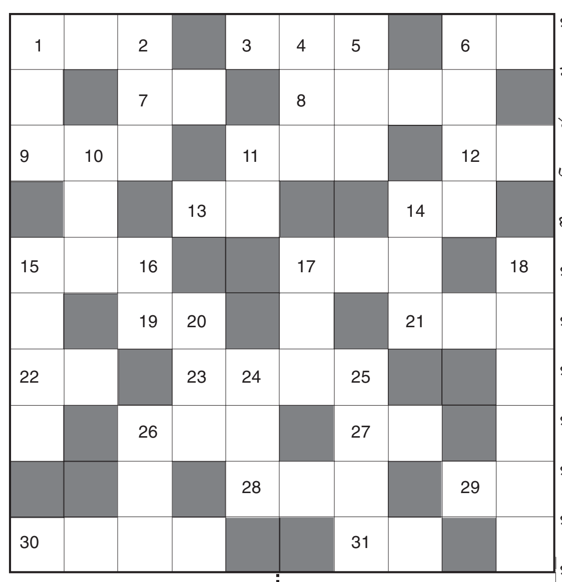

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1972

य	हू	दी		अ	नु	रो	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		शा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

सूडोकु -1973

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1972 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 1973

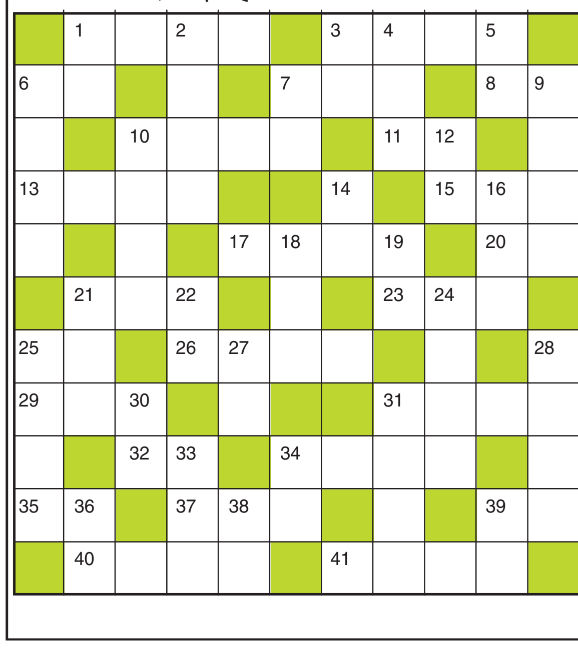

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली - 1972 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	र्मो	प	दे	श	क

महाकुम्भ में संगम नोज पर हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौतः मेला प्रशासन

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम नोज पर हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिसमें से 25 श्रद्धालुओं की शिनाख्त हो गई है। हादसे में 60 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मरने वालों में अधिकतर श्रद्धालु कर्नाटक, गुजरात और असम के हैं। मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द और डीआईजी मेला वैभव कृष्ण ने बुधवार शाम को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। वैभव कृष्ण ने बताया कि भारी भीड़ के दबाव में बैरिकेड्स टूटने से यह हादसा हुआ। हादसे में 90 श्रद्धालु घायल हुए। इसमें से 30 श्रद्धालुओं की मौत हुई। मृतकों में से 25 की पहचान हो चुकी है। शेष पांच की पहचान के प्रयास जारी हैं। 24 घायलों को घर भेज दिया गया है। 36 घायलों का इलाज प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में जारी है। मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने बताया कि आज कोई वीवीआईपी या वीआईपी प्रोटोकाल नहीं था। आज किसी प्रकार के वीआईपी वाहन का प्रवेश नहीं था। उन्होंने बताया कि आगे भी अमृत स्नान के पर्व पर कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं होगा। मेलाधिकारी ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर बनाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मेला प्रशासन ने मृतकों एवं घायलों की जानकारी के लिए हेल्प लाइन नम्बर 1920 जारी किया।

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जीता गणतंत्र दिवस परेड में सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार

नई दिल्ली। जनजातीय कार्य मंत्रालय को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष पर आधारित अपनी प्रेरणादायक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध झांकी के लिए 76वें गणतंत्र दिवस परेड में केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों की ओर से सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार दिया गया है। झांकी में एक भव्य साल के पेड़ के साथ आदिवासी लोकाचार को खूबसूरती से दर्शाया गया था, जो ताकत, स्थिरता एवं आदिवासी समुदायों तथा प्रकृति के बीच के गहरे संबंध का प्रतीक है। केंद्रीय विषय जल, जंगल, जमीन ने भारत की आदिवासी विरासत के कालातीत ज्ञान और स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को प्रदर्शित किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर, केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान भगवान बिरसा मुंडा की विरासत और भारत के आदिवासी समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को श्रद्धांजलि है। मंत्रालय पीएम-जनमन, धरती आबा अभियान और एकलव्य स्कूलों जैसी पहलों के माध्यम से आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यह सम्मान एक ऐसे विकसित भारत के हमारे दृष्टिकोण की पुष्टि करता है जहाँ हर आदिवासी की आवाज सुनी जाती है और उसका जश्न मनाया जाता है।

दिल्ली में आआपा सरकार की शह पर पनपे टैंकर माफियाः पुष्कर धामी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली के विधानसभा चुनाव में नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीलम पहलवान के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जनता पीने के साफ पानी के लिए परेशान है और राजधानी में आआपा की दिल्ली सरकार की शह पर टैंकर माफिया पनप रहा है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि क्षेत्र के विकास और सुशासन को प्राथमिकता देते हुए भाजपा प्रत्याशी नीलम पहलवान को भारी समर्थन दें। धामी ने कहा कि अब समय आ गया है कि नजफगढ़ की जनता को विकास और सुशासन की ओर बढ़ते हुए भाजपा प्रत्याशी नीलम पहलवान को भारी मतों से विजयी बना कर दिल्ली के समग्र विकास की दिशा सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने राष्ट्रहित में कई ऐतिहासिक निर्णय किए हैं, जिनसे देश की ताकत और समृद्धि में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। धामी ने आगे कहा कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त करना, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लागू करना और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करना ये सभी भाजपा सरकार के ऐतिहासिक निर्णय हैं।

कांग्रेस की सरकार बनी तो दिल्ली में पूर्वांचलियों के लिए अलग मंत्रालय बनेगाः अजय राय

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि पार्टी दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने पर पूर्वांचल के लोगों के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाएगा। ताकि राजधानी में रह रहे पूर्वांचलियों के हितों की रक्षा की जा सके। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाता सम्मेलन में अजय राय ने कहा कि मैं इन दिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राजधानी के विभिन्न इलाकों में गया हूं। यहां की जनता अब दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित (कांग्रेस) द्वारा किए गए विकास कार्यों को याद कर रही है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली की जनता चाहती है कि यहां फिर से कांग्रेस की सरकार बने। अजय राय ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने पर पूर्वांचल के लोगों के हितों की रक्षा के लिए दिल्ली में एक अलग मंत्रालय बनाएंगे। इस मंत्रालय के लिए अलग से बजट आवंटित होगा। इसके अलावा महाकुंभ की तरह छठ महापर्व का आयोजन करेंगे और यमुना तट पर विशेष घाट विकसित किया जाएगा।

प्रयागराज से बाहर जाने का मार्ग, रुकना नहीं चाहिए : मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ/महाकुम्भनगर। अमावस्या के मौके पर प्रयागराज महाकुम्भ में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देर रात शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज से बाहर जाने का मार्ग रुकना नहीं चाहिए। श्रद्धालुओं को सकुशल घर पहुंचना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज, कौशाम्बी, वाराणसी, अयोध्या मीरजापुर, बस्ती, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा अंबेडकरनगर, प्रतापग?, संतकबीरनगर, भदोही, रायबरेली, गोरखपुर आदि जनपदों, ?ाने, रेंज में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष बैठक कर आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। एडीजी और जिलाधिकारी प्रयागराज से अपडेट जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ मेला क्षेत्र में लगातार सतर्कता-सावधानी बनाये रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अयोध्या, वाराणसी, मीरजापुर और चित्रकूट के अधिकारियों से वहां विभिन्न क्षेत्रों से आ रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के दृष्टिगत किये गए प्रबंध की जानकारी ली। इसी प्रकार, प्रयागराज से सीमा साझा करने वाले सभी जिलों के अधिकारियों लगातार प्रयागराज प्रशासन से संपर्क-समन्वय बनाने रखने के निर्देश दिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा एडीजी और जिलाधिकारी प्रयागराज यह सुनिश्चित कराएं कि एक-एक श्रद्धालु सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाए। यह हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए रेलवे से संपर्क-समन्वय बनाकर ट्रेनों का लगातार संचालन सुनिश्चित कराया जाए। परिवहन निगम की अतिरिक्त बसें भी लगाई जाएं। जहां कहीं भी लोगों को रोका गया है, वहां सभी के भोजन व पेयजल का प्रबंध किया जाए। एक भी श्रद्धालु को भोजन-पानी की समस्या न हो। किसी भी होल्डिंग एरिया में बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। प्रयागराज के सीमावर्ती जनपद, प्रयागराज से मिल रहे निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। पेट्रोलिंग बाएं। अयोध्या-प्रयागराज, कानपुर-प्रयागराज, फतेहपुर-प्रयागराज, लखनऊ-प्रतापगढ़-प्रयागराज, वाराणसी-प्रयागराज जैसे सभी मार्गों पर कहीं भी यातायात अवरुद्ध नहीं होना चाहिए।

जमात-ए-इस्लामी हिंद ने महाकुंभ में मची भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मची भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जमात के उपाध्यक्ष प्रो. इंजीनियर सलीम अहमद ने मीडिया को जारी एक बयान में कहा है कि इस दुखद घटना में मरने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति वह अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ करते हैं। प्रो. इंजीनियर सलीम ने कहा है कि यह घटना बड़ी ही दुखद है जिसमें कुंभ में आए श्रद्धालुओं की भगदड़ में जान चली गई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े आयोजन जहां पर लाखों लोगों के आने की उम्मीद होती है, वहां पर प्रशासन को इस तरह की व्यवस्था करनी चाहिए कि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि भीड़ को काबू में करने के लिए पहले से ही ठोस रणनीति बनाई जानी

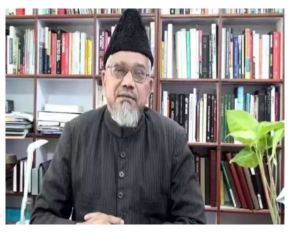

चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटना ना होने पाए, इसके लिए प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था बनानी चाहिए और वहां पर जुट रही भीड़ को कंट्रोल करने के लिए सभी तरह के प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

बुराड़ी की चुनावी रैली में खरगे ने लोगों को याद दिलाया शीला दीक्षित का दौर, कहा- कांग्रेस ने दिल्ली को बदल दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुराड़ी में पार्टी उम्मीदवार मंगेश त्यागी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने रैली में आए लोगों को दिल्ली में शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौर की याद दिलाई, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर विकास हुआ था। उन्होंने कहा कि राजधानी में बेहतरीन सड़कें, फ्लाईओवर और मेट्रो ट्रेन जैसी विशाल अवसंरचनाएं शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान लाई गई थीं।

आम आदमी पार्टी (आआपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि ये दोनों पार्टियां कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने में एक साथ थीं और अब फिर से एक साथ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कैसे भाजपा और केजरीवाल की टीम ने मिलकर कांग्रेस के खिलाफ अन्ना हजारे का आंदोलन शुरू किया। उन्होंने आआपा नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि वे ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे स्वर्ग से उतरकर आए हों और साफ-सुथरे हों। उनकी ईमानदारी के दावों पर

सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि अगर आआपा के नेता ईमानदार हैं तो जेल क्यों गए और शराब घोटाला क्यों किया? खरगे ने कहा कि आआपा ऐसा व्यवहार करती है जैसे उनके सत्ता में आने से पहले दिल्ली में कुछ भी नहीं था। खरगे ने आआपा के साफ सुथरी सरकार देने के दावों पर सवाल उठाते हुए यमुना में जहरीले प्रदूषण का जिक्र किया और लोगों से मोदी और केजरीवाल दोनों को नदी में डुबकी लगाने के लिए मजबूर करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वे लोगों को स्वच्छ वातावरण या स्वच्छ पानी भी नहीं दे पाए हैं। उन्होंने पास में ही कूड़े के ढेर की ओर इशारा करते हुए लोगों से केजरीवाल को इसकी गंध सूंघने के लिए कहा। कांग्रेस अध्यक्ष ने केजरीवाल के मुफ्त बिजली और पानी के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए पूछा, क्या आप अपनी जेब से पैसे दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि %मुफ्त पेयजल% योजना शीला दीक्षित ने शुरू की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुफ्त भोजन और मुफ्त शिक्षा देने की योजना लेकर आई। उन्होंने कहा कि ये सभी सरकारी योजनाएं हैं और कोई भी अपनी जेब से पैसे नहीं देता है, जैसा कि केजरीवाल दावा कर रहे हैं। खरगे ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा का मानना है कि देश को आजादी नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के दिन मिली। उन्होंने इस तरह के कुछ बयानों को उद्धृत करते हुए भाजपा और उसके अनुषांगिक संगठनों की आलोचना की।

बार्सिलोना, स्पेन में बोले राज्य मंत्री लोधी- भारत विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक

एजेंसी

बार्सिलोना/भोपाल। किसी भी राष्ट के विकास और प्रगति में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारा महान देश भारत पर्यटन की दृष्टि से दुनिया का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। हमारे देश में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक और पुरातात्विक दृष्टि से वह सब कुछ है जो एक पर्यटक को चाहिए होता है। उक्त बातें मध्य प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बर्सिलोना स्पेन में पर्यटन के रोडशो कार्यक्रम में टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट्स, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों और मीडिया को संबोधित करते हुए कहीं। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि भारत के मध्य में स्थित प्रांत हृदय प्रदेश 'मध्यप्रदेश' से आता हूं। जिस तरह हृदय सम्पूर्ण शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है, उसी तरह भारत की आध्यात्मिक और दार्शनिक संस्कृति का मार्ग भी मध्य प्रदेश से होकर गुज़रता है। मध्य प्रदेश प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से समृद्धशाली प्रदेश है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

और मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पर्यटन के क्षेत्र में हमारा देश और मध्यप्रदेश लगातार उच्च मापदंडों को स्पर्श कर रहा है। कार्यक्रम में विशेष रूप से भारत के काउंसल जनरल श्री सुंदरामूर्ति और मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक टी. इलैयाराजा भी मौजूद थे। इस दौरान मंत्री लोधी ने कहा कि भारत विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। हमारी संस्कृति दुनिया की एक मात्र संस्कृति है, जो वसुधैव कुटुंबकम् की बात करती है और सम्पूर्ण विश्व को अपना परिवार मानती है। हमारी संस्कृति ना केवल मानव जाति के कल्याण की बात करती है, बल्कि सम्पूर्ण जीवित जगत के कल्याण की बात भी करती है। हमने आज भी अपने सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक मूल्यों को न केवल अक्षुण बनाये रखा है, बल्कि उसे सम्पूर्ण विश्व में प्रसारित भी किया है।

देश के दिल मध्य प्रदेश आइये, निवेश करिये, हम हरसंभव करेंगे सहयोगः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान प्रवास के दूसरे दिन अनेक जापानी कम्पनियों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों से मध्य प्रदेश में निवेश संबंधी चर्चा की। उन्होंने उद्योगपतियों को मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं के अवसरों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से कहा कि देश के दिल मध्य प्रदेश आइये, निवेश करिये, हम हरसंभव सहयोग करेंगे, आवश्यक हुआ तो पॉलिसी में भी संशोधन भी करेंगे।

जापान के विदेश मंत्रालय में उप मंत्री हिसाशी मात्सुमोतो ने कहा कि जापान भारतीय राज्यों, विशेष रूप से मध्य प्रदेश में निवेश और आर्थिक सहयोग को ब?ाने के प्रयासों को तेज करेगा। जेट्रो के अध्यक्ष सुसुमु काताओका ने कहा कि जापानी कम्पनियों के लिये मध्य प्रदेश ने निवेश को साझा करने और नई

साझेदारियां स्थापित करने के लिये भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जापान दौरा सही समय पर हुआ है। जेट्रो मध्य प्रदेश में अपना कार्यालय भी खोलेगा। जापान इन्टरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी (जीका) के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट शोहई हारा ने मध्य प्रदेश में ग्रामीण जल आपूर्ति हाइड्रो प्रोजेक्ट में निवेश करने की मंशा जताई। जापान विदेश मंत्रालय के संसदीय उप मंत्री हिसाशी मात्सुमोतो ने भारत को महत्वपूर्ण सहयोगी बताते हुए कहा कि भारत जापान की 'फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' स्थिरता और विकास की विदेशी नीतियों की संकल्पना को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है। जापान भारतीय राज्यों, विशेष रूप से मध्यप्रदेश में निवेश और आर्थिक सहयोग को और बढ़ाने के प्रयासों को तेज करेगा। मुख्यमंत्री ने उप मंत्री मत्सुमोतो को 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए आमंत्रित किया। यह समिट मध्य प्रदेश में औद्योगिक और व्यापारिक निवेश को बढ़ावा देने का एक बड़ा अवसर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट में जापान के निवेशकों की भागीदारी से मध्यप्रदेश में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

केजरीवाल ने आयोग के नोटिस का दिया लिखित जवाब, बोले- मैंने किसी सहिंता का उल्लंघन नहीं किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 'यमुना जल प्रदूषण' को लेकर अपने बयानों के संबंध में चुनाव आयोग के नोटिस पर जवाब दिया है। चुनाव आयोग को दिए जवाब में उन्होंने कहा कि तथ्यों से साबित होता है कि मैंने किसी भी कानून या किसी भी संहिता का उल्लंघन नहीं किया। आआपा नेता केजरीवाल ने चुनाव आयोग के नोटिस के जवाब में कहा कि मैं चुनाव आयोग से विनम्र निवेदन करता हूं कि वह सुरक्षित जल की उपलब्धता के प्रमुख मुद्दे पर हस्तक्षेप करे और हरियाणा राज्य को उचित निर्देश दे ताकि दिल्ली के नागरिकों को सुरक्षित मात्रा में जल उपलब्ध कराया जा सके।केजरीवाल ने कहा कि यमुना के पानी की गुणवत्ता पर उनकी टिप्पणी का उद्देश्य एक वैध नागरिक चिंता को उजागर करना था। उन्होंने यह टिप्पणी दिल्ली में पीने के पानी की खराब गुणवत्ता से संबंधित एक तत्काल और चिंताजनक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के संदर्भ में की थी। केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली हरियाणा से कच्चे पानी की आपूर्ति पर निर्भर है। मेरे खराब पानी की गुणवत्ता के बारे में दिए गए बयान हरियाणा से प्राप्त कच्चे पानी की विषाक्तता को उजागर करने के लिए थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा से प्राप्त पानी अत्यधिक दूषित और जहरीला है और संदूषण इतना अधिक है कि दिल्ली में जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) इसे सुरक्षित सीमा में लाने के लिए संसाधित करने में असमर्थ हैं।

भगदड़ हादसे की जांच करेगा न्यायिक आयोग, मृतकों को मिलेगा 25-25 लाख का मुआवजा

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। मौनी अमावस्या स्नान के अवसर पर संगम नोज पर हुए हादसे की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व न्यायाधीश हर्ष कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है। पुलिस भी हादसे की जांच करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक गुरुवार को घटना स्थल का दौरा करेंगे। प्रदेश सरकार मृतकों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी। गौरतलब है कि रात को संगम नोज पर हुई भगदड़ में 90 श्रद्धालु घायल हो गए, जिसमें से 30 की मौत हो गई। महाकुंभ भगदड़ में 30 लोगों की मौत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'घटना अत्यंत दुखद है, मृतकों के

प्रति मेरी विनम्र श्रद्धांजलि है। जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। इस घटना की पूरी जांच करवा करके हम इसकी तह में जाएंगे। इसके अलावा पुलिस के स्तर पर भी हम लोग इसकी अलग से जांच करवाएंगे कि ये घटना किन कारणों की वजह से हुई है। मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। न्यायिक आयोग इस पूरे मामले को देखकर एक समय सीमा के अंदर राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट देगा।' इस घटना की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री भावुक हो गए।

इस हादसे की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश हर्ष कुमार को बनाया गया है। पूर्व डीजीपी वी.के. गुप्ता और सेवानिवृत्त आईएएस बी.के. सिंह आयोग के सदस्य हैं। न्यायिक आयोग इस पूरे मामले को देखकर एक समय सीमा के अंदर राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट देगा। मेला अधिकारी विजय किरन आनन्द एवं डीआईजी मेला वैभव कृष्ण ने संयुक्त प्रेस वार्ता की। डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि भारी भी? के दबाव में बैरिकेडस टूटने से यह हादसा हुआ। जमीन में लेटे हुए श्रद्धालु दौ?ते श्रद्धालुओं के कदमों तले कुचले गए। उन्होंने बताया कि हादसे में 90 श्रद्धालु घायल हुए। जिसमें से 30 श्रद्धालुओं की मौत हुई। 25 मृतकों की पहचान हो चुकी है। शेष पांच की पहचान के प्रयास जारी हैं। 24 घायलों को घर भेज दिया गया है। 36 घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में जारी है। मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने बताया कि आज कोई वीवीआइपी या वीआईपी प्रोटोकाल नहीं था। आज किसी प्रकार के वीआईपी वाहन का प्रवेश नहीं था। उन्होंने बताया कि आगे भी अमृत स्नान के पर्व पर कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं होगा। मेलाधिकारी ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर बनाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मेला प्रशासन ने मृतकों व घायलों की जानकारी के लिये हेल्प लाइन नम्बर 1920 जारी किया।

प्रियंका गांधी ने वायनाड में बाघ हमले की शिकार राधा के परिवार से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केरल के वायनाड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राधा के परिवार से मुलाकात की। राधा की हाल ही में मनांतावडी के कनियारम में बाघ के हमले में मौत हो गई थी। प्रियंका गांधी का यह दौरा क्षेत्र में मानव-पशु संघर्षों पर बढ़ती चिंताओं के बीच हुआ है। इन हमलों में चार लोगों की जान चली गई है, जिनमें पिछले महीने सरोजिनी, मनी और विष्णु नामक तीन लोग हाथी के हमले के शिकार हुए हैं। प्रियंका गांधी और कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने वन्यजीव-मानव संघर्ष के तत्काल मुद्दे को संबोधित करने के लिए वायनाड में कलेक्ट्रेट में जिला अधिकारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने संभावित समाधानों पर चर्चा की और हाल ही में बाघ के हमले में दुखद रूप से

मारी गई दिवंगत राधा के परिवार से सुझाव भी मांगे। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने इस ज्वलंत मुद्दे को संसद और अन्य प्रासंगिक मंचों पर उठाने और स्थायी समाधान खोजने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट क्स पर इस बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा कि वायनाड में मजदूरी और समय को लेकर भी समस्याएं हैं। लोगों को यह भी लगता है कि जानवरों को उनके क्षेत्र में आने से रोकने के लिए पर्याप्त बाड़ नहीं है, जहां वे हर दिन काम करते हैं और पार करते हैं।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सात महिला समेत 29 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

सुकमा/ नारायणपुर। राज्य के नारायणपुर जिले में सक्रिय सात महिलाओं सहित 29 नक्सलियों ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें 2 नाबालिग भी हैं। ये सभी नक्सली कुतुल एरिया कमेटी के सदस्य थे। आत्मसमर्पण करने नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 25 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि क्षेत्र में लगातार चलाये जा रहे पुलिस के नक्सल उन्मूलन अभियान और अति संवेदनशील अंदरुनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से नक्सलियों पर दबाव बना है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में डीली वड़दा पिता बंगा, बटरी बड़दा पिता स्व. दुग्गा, मड़कि वड़दा पिता स्व. मालू, सोनारी वड़दा पिता कोसा वड़दा, कमली वड़दा पिता चैतूराम, मुन्ना वड़दा पिता सुखराम, मंगू राम वड़दा पिता मासाराम वड़दा, बुधराम वड़दा पिता स्व. सुखराम,रामाराम वड़दा पिता स्व. धोबा, मनकू कुहड़ाम पिता रामलाल, इरपा वड़दा पिता स्व. धोबा, कारिया वड़दा पिता स्व. मसिया वड़दा, सुकमन कोवाची पिता रामनाथ उर्फ रामू, पवन वड़दा पिता लमड़ी, मनी कोवाची पिता स्व. बलदेव कोवाची, धरम मण्डावी पिता स्व. मंगल मण्डावी, रैनू राम पिता मालू राम, राजू राम वड़दा पिता कोहला वड़दा, रैनू राम वड़दा पिता बुधु वड़दा, सन्तु राम वड़दा पिता बुधराम वड़दा, रमेश उसेण्डी पिता स्व. आयतु उसेण्डी, केये राम पिता मस्सु राम, बोटी राम कश्यप पिता मासो कश्यप, रमेश मरकाम पिता स्व. पीदू मरकाम, माटा उसेण्डी पिता इरपा उसेण्डी, मैनू वड़दा पिता स्व. सुखराम वड़दा और मंगेश वड़दा पिता आयतु वड़दा शामिल हैं।

सीसीएस ने सेना के लिए स्वदेशी पिनाका रॉकेट लॉन्चर खरीदने को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने 10 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली स्वदेशी पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट-लॉन्चर हथियार प्रणाली की खरीद को मंजूरी दे दी। सेना अब स्वदेशी पिनाका मल्टी-लॉन्च आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम पर पूरा जोर दे रही है और भारत अन्य देशों को भी इन प्रणालियों का निर्यात कर रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पिनाका रॉकेट और लॉन्चरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना ने चार पिनाका रेजिमेंट को शामिल किया है, जिनमें से कुछ लॉन्चर चीन के साथ उत्तरी सीमाओं के साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी तैनात किए गए हैं। सरकार ने देश की उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर छह पिनाका रॉकेट रेजिमेंट बनाने का फैसला किया है। लम्बी दूरी तक मार करने के लिए फ्री फ्लाइट आर्टिलरी रॉकेट सिस्?टम की मारक क्षमता 45 किलोमीटर है, जबकि हवाई हथियारों को 37.5 किमी. की दूरी तक लॉन्च किया जा सकता है। इसका लॉन्चर सिर्फ 44 सेकेंड में 12 पिनाका रॉकेट्स दागने में सक्षम है। डीआरडीओ ने पिनाका के लिए कई प्रकार के गोला-बारूद विकसित किए हैं, जिनमें निर्देशित विस्तारित रेंज वाले रॉकेट शामिल हैं। पिनाका सिस्टम की

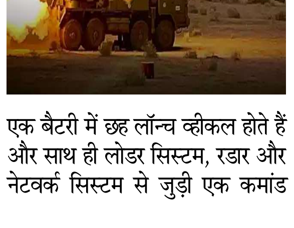

एक बैटरी में छह लॉन्च व्हीकल होते हैं और साथ ही लोडर सिस्टम, रडार और नेटवर्क सिस्टम से जुड़ी एक कमांड पोस्ट होती है। एक बैटरी के जरिए एक गुणा एक किलोमीटर एरिया को पूरी तरह ध्वस्त किया जा सकता है। मार्क-ढ्ढ की रेंज करीब 37.5 किलोमीटर है जबकि मार्क-II से 75 किलोमीटर दूर तक निशाना साधा जा सकता है। छह पिनाकारेजिमेंटों में 114 लॉन्चर तैनात होंगे। इसके लिए ऑटोमेटिक गन ऐमिंग एंड पोजिशनिंग सिस्टम और 45 कमांड पोस्ट्स टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (टीपीसीएल)और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी)से खरीदे जाएंगे।पिनाका प्रणालियों को हासिल करने के लिए कुछ आसियान, अफ्रीकी और यूरोपीय देशों ने भीरुचि दिखाई है। आर्मेनियाई सेना ने फिलहाल छह अतिरिक्त पिनाका रेजिमेंट के लिए ऑर्डर दिया है, जिसके बाद भारत ने मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर (एमबीआरएल)रॉकेट की पहली खेप मित्र देश आर्मेनिया को भेज दी है। पिनाका रॉकेट की आपूर्ति आर्मेनिया को 245 मिलियन के नए हथियारों और बारूद के निर्यात पैकेज का हिस्सा है। भारत से पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर खरीदने के बाद मित्र देश आर्मेनिया ने भारतीय रक्षा कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड को माउंटेड आर्टिलरी गन की चार से पांच रेजिमेंट के लिए ऑर्डर किया है। इस हथियार प्रणाली के लिए किसी देश से मिला यह भी पहला निर्यात ऑर्डर है।

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 किमी.की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रात: 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रात: देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई.में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है- जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने वे बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा-अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगीश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के बैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, ग्रहों के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतर, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुन: किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक ओर नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी-छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम- कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंद ही है।

वैकुंठ धाम - मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुन: मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परंतु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय-विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया। भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

देखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह-

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।

।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सींक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा- 'हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

चेन्नईयन एफसी बनाम केरला ब्लास्टर्स एफसी: जीत की तलाश में मरीना माचान्स

एजेंसी

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में गुरुवार को चेन्नईयन एफसी अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केरला ब्लास्टर्स एफसी का सामना करेगी। सात मैचों से जीत से दूर चल रही मरीना माचान्स इस मुकाबले में जीत दर्ज कर अपनी स्थिति सुधारना चाहेगी, जबकि केरला ब्लास्टर्स आईएसएल इतिहास में दूसरी बार (2021-22 के बाद) चेन्नईयन एफसी पर लीग डबल पूरा करने का लक्ष्य रखेगी। इससे पहले, 24 नवंबर 2024 को खेले गए रिवर्स फिक्स्चर में ब्लास्टर्स ने चेन्नईयन एफसी को 3-0 से हराया था।

टीमों की स्थिति

चेन्नईयन एफसी ने अब तक 18 मैचों में चार जीत, छह ड्रा और आठ हार के साथ 18 अंक हासिल किए हैं और वह अंक तालिका में 10वें स्थान पर है। वहीं, केरला ब्लास्टर्स एफसी ने 18 मैचों में छह जीत, तीन ड्रा और नौ हार के साथ 21 अंक जुटाए हैं और वह आठवें स्थान पर काबिज है। आईएसएल इतिहास में चेन्नईयन एफसी ने अपने घरेलू मैदान पर कभी भी केरला ब्लास्टर्स एफसी से हार नहीं मानी है। टीम इस बार पहली बार लगातार दो घरेलू मुकाबलों में केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ क्लीन शीट बरकरार रखने की कोशिश करेगी। हालांकि, चेन्नईयन एफसी अपने पिछले पांच मैचों में जीत दर्ज नहीं कर पाई है, जबकि केरला ब्लास्टर्स ने इस दौरान दो जीत और दो हार के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग: आदिल राशिद बने नंबर 1 गेंदबाज, तिलक वर्मा बल्लेबाजी सूची में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी पुरुष टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय राशिद इससे पहले 2023 के अंत में नंबर 1 बने थे, लेकिन कुछ समय बाद वेस्टइंडीज के अकील होसेन ने उनकी जगह ले ली थी। हालांकि, भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में शानदार गेंदबाजी करते हुए उन्होंने फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। राजकोट में तीसरे टी20 मैच में 1/15 के प्रदर्शन के साथ, इंग्लैंड की 26 रन की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। राशिद ने तीन मैचों में कुल तीन विकेट झटके हैं।

भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने राजकोट में पांच विकेट लेकर 25 स्थानों की छलांग लगाते हुए पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, भारतीय उपकप्तान अक्षर पटेल भी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे वह टॉप-10 में प्रवेश करने के करीब हैं।

एनएसडीसी, कोलर्न और डीए वन स्पोर्ट्स मिलकर क्रिकेट कोचों को बनायेंगे और कुशल

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), एड-टेक प्लेटफॉर्म कोलर्न और शिखर धवन के डीए वन स्पोर्ट्स के सहयोग से, विभिन्न स्तरों पर खिलाड़ियों को सलाह देने की क्षमता बढ़ाने के लिये देश भर में क्रिकेट कोचों को कौशल प्रशिक्षण देना शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। एनएसडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और एनएसडीसी इंटरनेशनल (एनएसडीसीआई) के प्रबंध निदेशक वेद मणि तिवारी ने कहा, यह पहल केवल तकनीकी कौशल बढ़ाने के बारे में नहीं है, यह उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के बारे में है, जो सभी स्तरों पर खिलाड़ियों को प्रभावी ढंग से सलाह देने के लिये कोच तैयार करता है। जैसे-जैसे खेल उद्योग में कुशल प्रशिक्षकों की मांग बढ़ती जा रही है, यह जरूरी है कि हम क्रिकेट में कोचिंग के मानकों को ऊंचा उठायें। समय के साथ विकसित होने वाली मॉडर्न कोचिंग तकनीक को एकीकृत करके, हम प्रतिस्पर्धी माहौल में आगे बढ़ने के लिये अपने कोचों को आवश्यक क्रिकेट उपकरण से लैस कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इच्छुक कोचों को सशक्त बनाना है, यह सुनिश्चित करना है कि वे भारतीय खेलों के वाइब्रेंट और विकसित लैंडस्केप में योगदान देने के लिये अच्छी तरह से तैयार हैं। क्रिकेट कोच एजुकेशन प्रोग्राम एक सहयोगात्मक प्रयास है, जहां एनएसडीसी कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये वर्कशॉप की सुविधा प्रदान करेगा और इस पहल के लिये सभी पात्र उम्मीदवारों को ऋण प्रदान करेगा। कोलर्न एजुकेशन टेक्नोलॉजीज कक्षायें आयोजित करने और छात्रों को प्लेसमेंट सहायता प्रदान करने के लिये जिम्मेदार होगी।

उत्तराखंड के बैडमिंटन सितारों ने पहले दिन दिखाया दम

देहरादून। उत्तराखंड में हो रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों के पहले दिन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुषों और महिलाओं की टीम स्पर्धाओं में जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित मल्टी-पर्पस हॉल में देश के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और रोमांचक मुकाबलों में जोरदार खेल दिखाया। पुरुषों के ग्रुप बी में अरुणाचल प्रदेश और राजस्थान के बीच कांटे की टक्कर हुई लेकिन राजस्थान ने 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। राजस्थान की टीम ने युगल मुकाबलों में दबदबा बनाते हुए महत्वपूर्ण एकल मैच भी जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। अरुणाचल प्रदेश ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया लेकिन निर्णायक क्षणों में जरूरी अंक हासिल करने से चूक गई।महिलाओं के ग्रुप बी में मेजबान उत्तराखंड ने गुजरात के खिलाफ जबरदस्त खेल दिखाया और 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। पूरे मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

ईसीबी ने द हंड्रेड 2025 के कार्यक्रम की घोषणा की, 5 अगस्त से होगी शुरुआत

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रात द हंड्रेड 2025 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी। टूर्नामेंट का पांचवां सीज़न 5 अगस्त से लॉर्ड्स में शुरू होगा, जहां लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स के बीच डबल-हेडर मुकाबला खेला जाएगा।

मौजूदा पुरुष चैंपियन ओवल इनविंसिबल्स और मौजूदा महिला चैंपियन लंदन स्पिरिट को द हंड्रेड की इक्विटी सेल में सबसे अधिक मांग होने की उम्मीद जताई जा रही है। हंड्रेड इक्विटी सेल गुरुवार से शुरू हो रही है, जिसमें ओवल इनविंसिबल्स और बर्मिंघम फीनिक्स इस प्रक्रिया में शामिल होने वाली पहली टीमें होंगी। इस बार द हंड्रेड का शेड्यूल मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के साथ टकराव से बचाने के लिए तैयार किया गया है। फाइनल 31 अगस्त को लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर 30 अगस्त को ओवल में होगा। इस सीज़न से पहली बार पुरुषों और महिलाओं

दोनों प्रतियोगिताओं में प्रत्यक्ष हस्ताक्षर (डायरेक्ट साइनिंग) की अनुमति दी गई है। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट और न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर इस प्रक्रिया के तहत अनुबंधित होने वाले पहले खिलाड़ी बने। वोल्वार्ड्ट को दक्षिणी ब्रेव और केर को मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइन किया है।

खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया

लंदन स्पिरिट की ऑलराउंडर चार्ली डीन, जिन्होंने पिछले साल अपनी टीम को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, ने कहा, द हंड्रेड अब गर्मियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। यह एक शानदार प्रतियोगिता है, जिसमें बेहतरीन भीड़ और उच्च स्तरीय क्रिकेट देखने को मिलता है। हम अपने खिताब की रक्षा करने के लिए उत्सुक हैं।

ओवल इनविंसिबल्स के कप्तान सैम बिलिंग्स ने कहा, लॉर्ड्स में बिक चुके डबी मुकाबले से टूर्नामेंट की शुरुआत करना शानदार होगा। हम एक और सकारात्मक सीज़न के लिए तैयार हैं, और इसमें कोई शक नहीं कि लॉर्ड्स का माहौल जबरदस्त रहेगा।पिछले सीज़न के पासधारकों के लिए टिकटों की बिक्री आज से शुरू हो गई है। वहीं, पिछले प्रतिभागियों के लिए 4 से 18 मार्च तक विशेष विंडो खुलेगी। प्राथमिकता बिक्री 1 से 15 अप्रैल तक होगी, जबकि आम जनता के लिए टिकट 17 अप्रैल से उपलब्ध होंगे।

नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने वाली धिनिधी को भाया स्विमिंग पूल

एजेंसी

देहरादून। कर्नाटक की तैराक धिनिधी ने राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले ही दिन तीन गोल्ड मेडल जीतकर तहलका मचा दिया। उन्होंने 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद कहा कि उत्तराखंड में खेल सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर की हैं और यहां मुकाबला करके ओलंपिक जैसा अनुभव मिल रहा है। धिनिधी ने विमेंस 200 मीटर फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में 2 मिनट 3.24 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा, विमेंस 100 मीटर बटरफ्लाई में भी उन्होंने 1 मिनट 3.62 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साथ ही, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में भी उनकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता। तीन गोल्ड मेडल जीतने के बाद धिनिधी ने कहा कि उन्हें इतने बेहतर इंतजाम मिलने की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने बताया कि पहाड़ी राज्य होने के कारण ठंडे पानी में तैरने की चुनौती का डर था, लेकिन यहां कंट्रोल्ड टेम्परेचर वाले स्विमिंग पूल में प्रतिस्पर्धा का मौका मिलने से उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिली। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा

आर्या ने धिनिधी को तीन स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि राज्य में अत्याधुनिक स्विमिंग पूल तैयार किए गए हैं, जिनमें पानी का तापमान ओलंपिक मानकों के अनुरूप रखा जाता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से सुविधाओं की सराहना सुनना राज्य सरकार की खेल नीतियों की सफलता को दर्शाता है।

खेल मंत्री सतीश शर्मा ने बाना सिंह खेल मैदान में खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं की हासिल की जानकारी

एजेंसी

आरएस पुरा। जम्मू कश्मीर सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, परिवहन, युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा ने आरएस पुरा कस्बा स्थित बाना सिंह मैदान का दौरा किया और वहां पर खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर उनके साथ नेशनल कांफ्रेंस के जिला अध्यक्ष नरेश बिट्टू के साथ-साथ क्षेत्र के कई लोग भी उपस्थित रहे जिन्होंने खेल मंत्री से मांग करते हुए कहा कि खेल के मैदान में आने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए और इसके अलावा मैदान में जो विकास कार्य हुए हैं उनकी भी जांच होनी चाहिए ताकि पता चल सके की खेल मैदान के विकास पर कितने पैसे खर्च हुए हैं। इस मौके पर कुंदन पहलवान ने कहा कि खेल मैदान में शौचालय की व्यवस्था न होने के कारण जहां पर आने वाले खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और मैदान के मुख्य द्वार पर गंदगी फैली हुई है। इसके साथ ही उन्होंने मांग करते हुए कहा कि खेल मैदान को बेहतर तरीके के साथ विकसित किया जाना चाहिए।

इस मौके पर खेल मंत्री सतीश शर्मा ने क्षेत्र के लोगों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि खेल मैदान में बेहतर तरीके के साथ विकास कार्यों को करवाया जाएगा और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलें इसके लिए आने वाले दिनों में कारगर कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने विश्वास दिलाया कि अब तक खेल मैदान के विकास पर जितने भी पैसे खर्च हुए हैं उसकी भी जांच होगी ताकि पता चल सके कि इतना पैसा खर्च होने के बावजूद खिलाड़ियों को सुविधा क्यों नहीं मिल पा रही हैं और विकास कार्यों में क्यों कमी रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर सरकार का मकसद है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलें और इसके लिए सरकार की तरफ से लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरएस पुरा कस्बे स्थित बाना सिंह मैदान परमवीर चक्र विजेता के नाम पर है ऐसे में मैदान का बेहतर तरीके के साथ विकास होना परमवीर चक्र विजेता का सम्मान होना है। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व सरपंच दर्शन चौधरी, राजेश चौधरी, रमेश चौधरी तथा करण भगत सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

अंतर महाविद्यालय खो खो प्रतियोगिता की शील्ड पर एम वी कॉलेज ने किया कब्जा

एजेंसी

डेहरी आन सोन। डेहरी आन सोन स्थित महिला कालेज डालमियानगर में आयोजित दो दिवसीय वीकेएसयू अंतर महाविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता में बक्सर का एम वी कॉलेज विजेता बना। संघर्षपूर्ण मैच में बक्सर की टीम 17- 14 से विजेता बना। बेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार बक्सर के पूजा कुमारी व बेस्ट चेजर का पुरस्कार तिलौथू की मोहिनी कुमारी को मिला। निर्णायक मंडल में जिले रेफरी नीरज कुमार व रशीद और बक्सर जिले के रेफरी रोहित व गोलू कुमार शामिल थे। उद्घोषक तिलौथू राधा शांता कालेज के पीटीआई विनोद सिंह थे।प्रायोजित में विश्वविद्यालय के आधे दर्जन कालेज की टीम रोहतास महिला कॉलेज सासाराम, एसएस कॉलेज सासाराम,अनुमंडल डिग्री महाविद्यालय नौहट्टा, महिला कॉलेज डेहरी ,राधा शांता महाविद्यालय तिलौथू एवं एम वी कॉलेज बक्सर हिस्सा लिया। विजेता व उपविजेता टीम को टीम को हड्डी रोग चिकित्सक डा कुमार पांडेय,संजय सिंह बाला समेत कालेज के सभी शिक्षक,कर्मी और छात्राएं मौजूद थी।प्राचार्य डॉ दिग्विजय सिंह ने इस खेल प्रतियोगिता में शामिल सभी

अंशुमन व प्राचार्य डॉ दिग्विजय सिंह ने दिया।मौके पर राधा शांता महाविद्यालय तिलौथू के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ अशोक कुमार सिंह, डॉ माधुरी सिंह , डॉ गीता खिलाड़ियों एवं अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उन्होंने खेल में शामिल सभी अतिथियों को बुके एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

ख्वाजा और स्मिथ के शतक से गाले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की पकड़ मजबूत

एजेंसी

गाले। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला यहां गाले में खेला जा रहा है। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने शानदार शतक जड़ा। ख्वाजा ने जहां करीब 19 महीने बाद टेस्ट फॉर्मेट में शतक पूरा किया है, वहीं स्मिथ ने 35वां शतक जड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे किए हैं।

बहरहाल पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलियन टीम का स्कोर 2 विकेट पर 330 रन है। उस्मान ख्वाजा 210 गेंदों पर 147 रन और स्टीव स्मिथ 188 गेंदों पर 104 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच 195 रनों की साझेदारी हो चुकी है। दोनों बल्लेबाद दूसरे दिन गुरुवार को 2 विकेट पर 330 रनों से आगे खेलना शुरू करेंगे। पहले दिन श्रीलंका के लिए प्रभाथ जयसूर्या और जेफ्री वेंडरसे ने 1-1 विकेट झटके।

ख्वाजा ने 19 महीने बाद टेस्ट में जड़ा शतक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियन टीम ने पहली पारी में स्टर्प्स तक 2 विकेट पर 330 रन बना लिए हैं। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। ट्रेविस हेड ने तेजी से बल्लेबाजी की और 40 गेंदों पर 57 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 92 रन था। फिर मार्नस लबुशेन 20 रन बनाकर चलते बने, लेकिन उस्मान ख्वाजा ने एक छोड़ को मजबूती से संभाले रखा। इसके बाद ख्वाजा ने अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ के साथ पारी को आगे बढ़ाया। ख्वाजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का 16वां शतक जड़ दिया। इसी के साथ इस बल्लेबाज ने तकरीबन 19 महीने बाद टेस्ट फॉर्मेट में शतक पूरा किया। इससे पहले आखिरी बार उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ जून 2023 में शतक बनाया था। स्टीव स्मिथ का शतक, टेस्ट में पूरे किए 10 हजार रनउस्मान ख्वाजा के बाद स्टीव स्मिथ ने भी शतक जड़ दिया। उन्होंने टेस्ट करियर का 35वां शतक पूरा किया। इस दौरान स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। स्मिथ से पहले रिकी पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने अपने 115वें टेस्ट में यह मील का पत्थर छुआ, जिससे तेजी से यह आंकड़ा पार करने के मामले में वह ब्रायन लारा के बाद दूसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में स्मिथ जो रूट (12,972 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

भारतीय सेना ने युवाओं के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट का किया आयोजन

एजेंसी

पुंछ। युवाओं में शारीरिक फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने के प्रयास में नक्का माजरी में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र से कुल 16 टीमों ने भाग लिया और 15 दिनों की अवधि में टी-20 प्रारूप के मैच आयोजित किए गए।आज, हिल व्यू नक्का और नाइट राइडर्स नक्का के बीच फाइनल खेला गया जिसमें नाइट राइडर्स नक्का ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और उन्हें विकास के बेहतर अवसर प्रदान करना था। गांव के लोगों, पूर्व सरपंचों और पंचों ने भारतीय सेना के निस्वार्थ प्रयासों की सराहना की। स्थानीय क्रिकेट कोचों ने भी इन पहलों की सराहना की है जिसमें युवा दिमाग को आकार देने में खेलों के महत्व पर जोर दिया गया है।

राष्ट्रीय खेल बैडमिंटन: उत्तराखंड ने पहले दिन किया शानदार प्रदर्शन, कई रोमांचक मुकाबले खेले गए

एजेंसी

देहरादून। 38वें नेशनल गेम्स बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां देश के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित मल्टी-पर्पस हॉल में खेले गए मैचों में पुरुषों और महिलाओं की टीम स्पर्धाओं में कड़ा मुकाबला हुआ। उत्तराखंड की शानदार शुरुआत महिलाओं के ग्रुप बी में मेजबान उत्तराखंड ने शानदार खेल दिखाते हुए गुजरात को 3-2 से हराया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली, लेकिन उत्तराखंड की टीम ने निर्णायक युगल मुकाबले में जीत दर्ज कर घरेलू दर्शकों को खुशी दी। दोपहर के सत्र में उत्तराखंड की महिला टीम ने कर्नाटक के खिलाफ भी 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। कर्नाटक की टीम ने जोरदार चुनौती पेश की, लेकिन उत्तराखंड ने एकल और युगल मुकाबलों में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की।

पुरुषों में भी मुकाबले रोमांचक: पुरुषों के ग्रुप बी में राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें राजस्थान ने 4-1 से जीत दर्ज की। राजस्थान की टीम ने युगल मुकाबलों में बढ़त बनाते हुए निर्णायक एकल मैच जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। दोपहर के सत्र में पुरुषों के ग्रुप ए में सर्विसेज टीम ने कर्नाटक को 3-2 से हराकर चौंका दिया। कर्नाटक के खिलाड़ी शुरुआती बढ़त बनाए रखने में नाकाम रहे, जबकि सर्विसेज की टीम ने रणनीतिक खेल से युगल मुकाबलों में जीत हासिल की। पुरुषों के ग्रुप बी में छत्तीसगढ़ ने राजस्थान को 3-2 से हराकर जबरदस्त जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन छत्तीसगढ़ की टीम ने संयम और कौशल का परिचय देते हुए मैच जीत लिया।

हरियाणा की महिला टीम का दमदार प्रदर्शन

महिलाओं के ग्रुप ए में हरियाणा की टीम ने असम को 4-1 से हराकर दबदबा बनाया। अनमोल खरब ने एकल और युगल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे हरियाणा को बड़ी जीत हासिल हुई।

पहले दिन के मुकाबलों के बाद टूर्नामेंट में रोमांचक शुरुआत देखने को मिली है। उत्तराखंड ने अपने शानदार खेल से सभी का ध्यान खींचा है, जबकि अन्य टीमें भी खिताब की दौड़ में मजबूती से बनी हुई हैं। आने वाले दिनों में और भी रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद है, जहां खिलाड़ी अपनी क्षमता का पूरा प्रदर्शन करेंगे।

जेरी होलनेस बने भारतीय महिला 400 मीटर टीम के मुख्य कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध जमैका एथलेटिक्स कोच जेरी ली होलनेस को भारतीय महिला 400 मीटर टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है। ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेताओं को प्रशिक्षित कर चुके होलनेस ने भारतीय एथलेटिक्स सेट-अप में शामिल होकर कार्यभार संभाल लिया है। होलनेस केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई) में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में शामिल हुए। उनका कार्यकाल प्रारंभ में 2026 तक होगा और उनके प्रदर्शन मूल्यांकन के बाद इसे बढ़ाने पर विचार किया जाएगा। 65 वर्षीय अनुभवी कोच भारतीय महिला धावकों हिमा दास, सुभा वेंकटेशन, रूपल, किरण पहल और विथ्या रामराज को प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने स्टाशुक वैलेरी की जगह ली है, जो पेरिस ओलंपिक तक इस पद पर थे। होलनेस की नियुक्ति भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति से कुछ दिन पहले ही रूसी दिग्गज सर्गेई मकरोव अलेक्जेंड्रोविच को भाला फेंक कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, भारत के स्टार एथलीट और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा मुख्य रूप से अपने कोच जान जेलेज़नी के मार्गदर्शन में ही प्रशिक्षण लेंगे। होलनेस ने अपने करियर में कई शीर्ष धावकों को कोचिंग दी है, जिनमें ओलंपिक चैंपियन एलेन थॉम्पसन और नेस्टा कार्टर शामिल हैं। थॉम्पसन ने 2016 और 2020 ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते थे, जबकि कार्टर 2012 ओलंपिक में 4×100 मीटर रिले स्वर्ण विजेता टीम का हिस्सा थे, जिसमें दिग्गज धावक उसैन बोल्ट भी शामिल थे।

अंडर-19 टी20 विश्वकप: सुपर 6 मुकाबले में श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 12 रनों से हराया

एजेंसी

बांगी (मलेशिया)। मलेशिया में खेले जा रहे दूसरे आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्वकप में एक चौंकाने वाला नतीजा देखने को मिला। बांगी में खेले गए सुपर सिक्स के एक मुकाबले में श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 12 रनों से हरा दिया। हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर इस हार का ज्यादा असर नहीं पड़ने वाला क्योंकि वो पहले ही सेमीफाइनल में क्वालिफाई कर चुकी है जबकि श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है, बस अंतिम चार में पहुंचने के पहले वो अपने अजेय अभियान को जारी नहीं रख सकी। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 99 रन का छोटा स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की पारी की शुरुआत दमदार रही थी और 7 ओवर तक टीम ने बिना विकेट खोए 40 से ज्यादा रन बना लिए थे लेकिन सुमुदु निसानसला (18 रन) के रूप में पहला विकेट गिरने के साथ टीम लड़खड़ा सी गई। सुमुदु ने संजना काविंडी के साथ 42 रन की साझेदारी की। काविंडी ने सबसे ज्यादा 19 और निसानसला ने 18 रन बनाए। कप्तान मनुडी नानायक्कारा ने 15 रन और हिरुनी हंसिका ने 14 रन बनाए। इन चार बल्लेबाजों के अलावा कोई भी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लिली बैसिंथवाइट ने 4 ओवर में सिर्फ 7 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि हसरत गिल और टेगन विलियमसन ने दो-दो विकेट चटकाए। श्रीलंका की ओर से मिले 100 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कंगारू टीम की हालत भी खस्ता रही। टीम ने दूसरे ओवर में ही अपना पहला विकेट गंवा दिया। सातवें ओवर तक ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 रन के कुल योग पर 3 विकेट खो चुकी थी। तब क्लोमी ब्राय और एलेनॉर लरोसा ने बीच के 8 ओवर में 41 रन की दमदार साझेदारी की। हालांकि इसके बाद फिर विकेट जो विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ उसने टीम को जीत की राह के भटका दिया। इस तरह निर्धारित 20 ओवरों में ऑस्ट्रेलिया की टीम 8 विकेट खोकर सिर्फ 87 रन ही बना सकी। हालांकि इस हार का भी ऑस्ट्रेलिया पर कोई असर नहीं पड़ा है क्योंकि टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा अंतिम 4 में भारत, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका हैं। पहला सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। ये दोनों सेमीफाइनल शुक्रवार 31 जनवरी को खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय खेल : हरियाणा की रमिता ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में बनाया क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड

एजेंसी

देहरादून। देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की नवनिर्मित हाईटेक त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन प्रतियोगिता में हरियाणा की रमिता जिंदल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.9 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जो कि कोरिया की बान ह्योजिन के पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में बनाए गए 634.5 के स्कोर से बेहतर रहा।

इसके साथ रमिता ने 2023 विश्व चैंपियनशिप के दौरान मेहुली घोष द्वारा बनाए गए 634.5 के स्कोर को भी पीछे छोड़ दिया। रमिता जिंदल ने महिलाओं के एयर राइफल फाइनल के लिए आठ क्वालीफायर का नेतृत्व किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें महाराष्ट्र की आर्या बोरसे पर 0.4 अंकों की बढ़त दिलाई। रमिता अब गुरुवार को इस स्पर्धा के फाइनल में खेलेंगी।

रमिता जिंदल, जो पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और अंतिम आठ तक पहुंची थीं, इस शूटिंग रेंज से काफी प्रभावित दिखीं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद थी कि मैं इस रेंज में रिकॉर्ड बना सकती हूं। यहां के उपकरण उच्च गुणवत्ता के हैं, और स्कोरिंग भी काफी सटीक हो रही है। पेरिस ओलंपिक की शूटिंग रेंज में जो सुविधाएं थीं, वही यहां भी मौजूद हैं। इससे खिलाड़ियों को बेहतरीन माहौल मिल रहा है और वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पा रहे हैं। रमिता ने इस सफलता का श्रेय अपनी कोच नेहा चव्हाण को भी दिया और कहा कि उनकी

मेहनत और मार्गदर्शन के कारण ही वे इतना शानदार प्रदर्शन कर पाईं। वहीं, उत्तराखंड की खूबसूरती की तारीफ करते हुए रमिता ने कहा कि उत्तराखंड हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। इस बार भी फाइनल के बाद अगर समय मिला, तो मैं यहां के प्राकृतिक नजारों का आनंद जरूर लूंगी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेलों के लिए हमने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि देश भर से आए खिलाड़ी यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद

रिया चक्रवर्ती

ने जेल में किसकी जान बचाई थी? कहा- मेरा यही मकसद...

सुशांत सिंह राजपूत बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर के तौर पर जाने जाते हैं, हालांकि उन्होंने दुनिया को साल 2020 में अलविदा कह दिया. उनकी डेथ के बाद से कई लोगों ने पुलिस स्टेशन के चक्कर लगाया, जिसमें उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती का भी नाम शामिल है. फिलहाल की बात की जाए, तो रिया अपने पॉडकास्ट को लेकर चर्चा में रहती हैं, हाल ही में उनके शो पर सिंगर हनी सिंह शामिल हुए, जिनसे बात करने के दौरान रिया ने उन दिनों को याद किया जब वो जेल में थीं.

20 दिसंबर, 2024 को हनी सिंह पर बनी डॉक्यूमेंट्री यो यो हनी सिंह- फेमस नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी. इस डॉक्यूमेंट्री में सिंगर ने अपने बाइपोलर डिसऑर्डर के बारे में खुलकर बात की, जिसकी सराहना एक्ट्रेस ने अपने शो में की है. रिया ने हनी सिंह से कहा कि मैंने बाइपोलर डिसऑर्डर को बहुत करीब से देखा है. आपके इंटरव्यू देखने के बाद, जिस तरह से आप अपने पूरे एक्सपीरियंस को शेयर किया, वो बहुत अच्छा था. बहुत से लोग ऐसे हैं जो अपने एक्सपीरियंस को शेयर करने के लिए इससे बच नहीं पाते. एक सुपरस्टार होने के बावजूद इस मामले पर खुलकर बात करना बहुत बड़ी बात थी.

दो पुलिसकर्मियों से करती थीं बात

इसके साथ ही रिया ने खुद का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया कि जब वो ड्रग्स के केस में फंस कर 2 हफ्ते के लिए जेल में रह रही थीं, तो उस वक्त उन्होंने इस बीमारी के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि जब वो जेल में थीं, तो वहां एक सुसाइड वॉच होता है, जहां पर मीडिया से जुड़े लोगों को रखा जाता है और उन पर नजर रखी जाती है, ताकि वो अपने आप को नुकसान न पहुंचा सकें. रिया ने बताया लो अकेली थी, तो वहां मौजूद दो पुलिसकर्मियों से मेंटल इलनेस के बारे में बात करती थीं. एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने दोनों से ही तकरीबन 15 दिनों तक इसके बारे में बात किया और इसको समझाया.

आदमी को बचाना ही था मकसद

रिया ने बताया करीब 16वें दिन, उन दो पुलिस कर्मियों में से एक ने मुझसे कहा, 'मैं अपने गांव जा रही हूं. उसने एक्ट्रेस से बताया कि लोग मेरे पति को पीपल के पेड़ से बांध देते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि उन पर किसी आत्मा का साया है. लेकिन आपकी बात सुनने के बाद, ऐसा लगता है कि मेरे पति भी उसी बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं. एक्ट्रेस ने कहा कि उसने मुझे समझाने के लिए शुक्रिया कहा. बाद में वो मेरी बेल के दिन मुझसे मिलने आई और कहा, 'आप सही कह रही थीं, उन्हें बाइपोलर डिसऑर्डर का पता चला था. एक्ट्रेस ने कहा, कभी-कभी, मुझे लगता है कि उस समय जेल में मेरे होने का मकसद उस आदमी को बचाना था.

ड्रीम डायरेक्टर संग काम करने के लिए इस एक्ट्रेस ने ठुकरा दी थी 900 करोड़ी फिल्म

कई ब्लॉकबस्टर फिल्में होती जिनके चर्चे खूब होते हैं और बाद में पता चलता है कि उस किरदार को पहले किसी दूसरे सितारे को ऑफर किया गया था. ऐसा ही कुछ फिल्म 'एनिमल' के साथ भी हुआ जब रश्मिका मंदाना का रोल पहले परिणीति चोपड़ा को ऑफर हुआ था. इसके बारे में परिणीति ने खुद बताया और ये भी कहा कि उन्होंने इस फिल्म को ना कहा इसका उन्हें कोई अफसोस नहीं है.आपकी अदालत के एक एपिसोड में परिणीति चोपड़ा अपने हसबैंड राघव चोपड़ा के साथ पहुंची थीं. यहां जब उनसे पूछा गया कि एनिमल क्यों रिजेक्ट की और वो इतनी बड़ी हिट रही तो उन्हें कोई अफसोस है ? इसपर एक्ट्रेस ने क्या जवाब दिया, आइए जानते हैं.

परिणीति को नहीं है कोई अफसोस

एंकर ने परिणीति चोपड़ा से पूछा, 'आपको फिल्म मिल रही थी एनिमल, जिसने 900 करोड़ इस फिल्म ने किए. आपने नहीं साइन किया, क्यों ?' इसपर परिणीति ने जवाब दिया, 'सर, असल में मैं बताऊं तो मुझे लगता है कि ऊपरवाला मेरे साथ कुछ अच्छा ही कर रहा था. वो फिल्म मैं कर रही थी, सारे वर्कआउट हो गए थे लेकिन उसी दिन मुझे चमकीला का ऑफर आया. तो उसमें मुझे मिल रहे थे गाने, रहमान साहब और इम्तियाज अली जो मेरे ड्रीम डायरेक्टर रहे हैं. इस फिल्म में मुझे इतना कुछ करने को मिला था कि मैंने चमकीला की. इस फिल्म में मुझे प्यार, रिस्पेक्ट और नॉमिनेशन इतना मिला कि मुझे कोई अफसोस नहीं है. मैं बहुत खुश हूं.'

इसपर एंकर ने राघव चड्ढा से पूछा, 'अच्छा आप चार्टेड अकाउंटेंट हैं तो ये बताइए कि अकाउंटिंग के हिसाब से इन्होंने सही किया या गलत किया.' इसपर राघव चड्ढा ने कहा, 'मुझे नहीं पता अकाउंटिंग का लेकिन अगर इन्होंने चमकीला नहीं की होती तो हम मिले ही ना होते इसलिए मेरी नजर से देखिए तो इन्होंने चमकीला साइन करके अच्छा किया.'

ओटीटी पर रिलीज हुई थी 'अमर सिंह चमकीला'

अमर सिंह चमकीला एक पंजाबी सिंगर थे. उनकी और उनकी पत्नी अमरजोत की हत्या 1988 में की गई थी. उनके जीवन पर आधारित फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' बनी जिसमें लीड रोल दिलजीत दोसांझ ने निभाया था. वहीं उनकी वाइफ अमरजोत कौर का किरदार परिणीति चोपड़ा ने निभाया था. ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर 12 अप्रैल 2024 को रिलीज हुई थी. इसका निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था और म्यूजिक एआर रहमान ने दिया था. इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर खूब पसंद किया गया और परिणीति के काम को भी सराहा गया.

मैं कैसे माफ कर दूं, कृष्णा और कश्मीरा से नाराजगी खत्म करने के मूड में नहीं मामी सुनीता आहूजा?

गोविंदा और कृष्णा अभिषेक के बीच लंबे वक्त से चला आ रहा झगड़ा सुर्खियों में रहता है. कृष्णा और कश्मीरा का गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता से विवाद हो गया था. लेकिन कुछ वक्त पहले ऐसा लग रहा था कि ये झगड़ा खत्म हो चुका है और गोविंदा ने उनको माफ कर दिया है. क्योंकि कृष्णा और गोविंदा दोनों कपिल शर्मा के सेट पर मिले थे और वहां दोनों ने पुरानी सारी बातें भूलकर एक-दूसरे को गले लगा लिया था. कृष्णा की पत्नी कश्मीरा ने भी इस पर खुशी जताई थी. लेकिन सुनीता आहूजा ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने कृष्णा को माफ नहीं किया है.

हिंदुस्तान टाइम्स के साथ इंटरव्यू के दौरान सुनीता ने इस मुद्दे पर भी जवाब दिया है. हाल ही में उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने भी कृष्णा को माफ कर दिया है. बता रहे हैं कि उन्होंने इस पर क्या जवाब दिया है.

कृष्णा को माफ नहीं करेंगी सुनीता ?

कृष्णा को माफ करने के सवाल पर सुनीता ने लंबी आहें भरीं और कहा, मेरा कृष्णा से कुछ भी नहीं है. मैंने अभी तक उससे बात नहीं की है. जब गोविंदा को गोली लगी थी तो वो घर आया था, लेकिन मैं 9:30 पर सो जाती हूं और वो रात को 10 बजे आया था, तो हम नहीं मिले थे. मैंने उसको उसके बचपन से पाला है, तो ऐसे में कोई कब तक नाराज रह सकता है. लेकिन मैं अभी तक उससे नहीं मिली हूं. और जहां तक बात रही माफ कर देने की तो गलती उसने नहीं की थी. और दोनों ने अभी तक माफी नहीं मांगी है, तो मैं कैसे माफ कर सकती हूं. जब पहले दिन गोविंदा हॉस्पिटल में एडमिट थे तो कश्मीरा मिलने आई थी, लेकिन जब तक मैं आई, तो मैंने उसे वहां नहीं देखा, तो मैं उससे भी नहीं मिली थी.

क्यों हुआ था गोविंदा और कृष्णा का झगड़ा

कृष्णा और गोविंदा के बीच झगड़े की जड़ उनके भांजे का मजाक करना था जो कि एक्टर को पसंद नहीं आया था. दरअसल कृष्णा ने गोविंदा के ऑन स्क्रीन रोल्स का मजाक बनाया था. दोनों के बीच दूरियां तब बढ़ गईं जब गोविंदा की पत्नी सुनीता ने भी खुद को कृष्णा के परिवार से अलग कर लिया. इन सालों में दोनों के बीच के झगड़ा लगातार सुर्खियों में रहा, वहीं कृष्णा ने अपने मामा पर आरोप लगाया था कि वो उनके बच्चों से हॉस्पिटल में भी नहीं मिले थे. इस पर गोविंदा ने पलटवार करते हुए कहा था कि कृष्णा झूठ बोल रहे हैं.

शाहरुख खान

ने महेश बाबू, अल्लू अर्जुन और प्रभास को बताया दोस्त, साथ में कर डाली एक खास रिक्वेस्ट

साउथ और बॉलीवुड को लेकर अक्सर कुछ न कुछ बहस होती रहती है. लेकिन पिछले कुछ साल से बन रहीं पैन इंडिया फिल्मों के बाद इस पर विराम लगता भी नजर आ रहा है और दोनों इंडस्ट्रीज के बीच दूरियां खत्म होती भी दिख रही हैं. हाल ही में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने साउथ स्टार्स के लिए स्पेशल कमेंट किया और उनको अपना दोस्त भी बताया है. इसका वीडियो वायरल हो रहा है. चलिए जानते हैं कि शाहरुख ने क्या कहा.सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में शाहरुख खान एक इवेंट के दौरान अपने साउथ के फैन्स से बातचीत करते हुए नजर आए, इसके बाद उन्होंने अल्लू अर्जुन, प्रभास, राम चरण, यश, महेश बाबू, थलपति विजय, रजनीकांत और कमल हासन जैसे अभिनेताओं को अपना दोस्त बताया.

शाहरुख खान ने साउथ स्टार्स से की रिक्वेस्ट

हालांकि ये सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था. शाहरुख ने सभी को अपना दोस्त बोलते हुए एक रिक्वेस्ट भी की है, जिसके बाद वहां बैठे फैन्स हूटिंग करने लगे और तालियां भी बजाने लगे. शाहरुख ने साउथ स्टार्स से रिक्वेस्ट करते हुए कहा कि वो अपने डांस मूव्स को इतनी से करना बंद कर दें, क्योंकि इससे किंग खान को मुश्किल होती है और वो उनके स्टेप्स को ठीक से फॉलो नहीं कर पाते हैं. हालांकि लोग सहमत हों, या न हों, लेकिन साउथ के सुपरस्टार्स फिल्मों में अपने बेहतरीन डांस स्टेप्स से लोगों को जमकर एंटरटेन करते हैं. उनके हाइली एंटरटेनिंग और अपबीट्स डांस नंबर्स अक्सर फिल्मों का हिस्सा रहते हैं.

शाहरुख और साउथ सेलेब्स की बॉन्डिंग

शाहरुख खान की बात करें उन्होंने अपने करियर में कई साउथ एक्टर्स के साथ में काम किया है. वहीं बिहाइंड द स्क्रीन भी उनके कई एक्टर्स के साथ अच्छी बॉन्डिंग है. शाहरुख ने 2001 में तमिल स्टार अजित कुमार के साथ फिल्म 'अशोका' में काम किया, जबकि, उन्होंने 2023 में नयनतारा के साथ फिल्म 'जवान' में काम किया है. दोनों ही फिल्मों को खूब प्यार मिला है और साउथ स्टार्स के साथ एक्टर की अच्छी बॉन्डिंग नजर आती है.